13 अप्रैल 2025

रविवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

नीतीश कुमार एनडीए के नेता हैं और आगे भी रहेंगे : डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी

2

नेशनल हेराल्ड केस: कांग्रेस से जुड़े एजेएल की संपत्ति पर कब्जे के लिए ईडी ने भेजा नोटिस

ईडी की कार्रवाई

एजेंसी/नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शनिवार को कहा कि उसने 661 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति पर कब्जे के लिए नोटिस जारी किया है, जिसे उसने कांग्रेस नियंत्रित नेशनल हेराल्ड अखबार और एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड से जुड़े धन शोधन मामले की जांच के तहत कुर्क किया था।

संघीय जांच एजेंसी ने एक बयान में कहा कि उसने सक्षम संपत्ति रजिस्ट्रार को संबंधित दस्तावेज सौंप दिए हैं, जहां संपत्तियां स्थित हैं। इसके साथ ही, ये नोटिस इन संपत्तियों के प्रमुख हिस्सों पर नोटिस चस्पा दिया गया है। जिनमें दिल्ली में आईटीओ (5ए, बहादुर शाह जफर मार्ग) स्थित हेराल्ड हाउस, मुंबई के बांद्रा (ई) इलाके की संपत्ति (प्लॉट संख्या-दो, सर्वेक्षण नंबर 341) और उत्तर प्रदेश के लखनऊ में बिशेश्वर नाथ मार्गपर स्थित एजेएल बिल्डिंग शामिल है। नोटिस में मुख्य रूप से ईडी ने कब्जे में लिए जाने वाले परिसर को खाली करने के लिए कहा है। इसने कहा है कि एक नोटिस... मुंबई के बांद्रा (पूर्व) में हेराल्ड हाउस में सातवीं, आठवीं और नौवीं मंजिल पर स्थित जिंदल साउथ वेस्ट प्रोजेक्ट्स लिमिटेड को भी भेजा गया है, ताकि हर महीने प्रवर्तन निदेशालय के निदेशक के नाम पर हर माह किराया/पट्टा राशि अंतरित की जा सके। यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम की धारा (8) और नियम 5(1) के तहत की गई है जो ईडी द्वारा कुर्क की गई।

अपराध से अर्जित आय 988 करोड़ रुपये थी

इसमें निर्णायक प्राधिकरण द्वारा पुष्टि की गई संपत्तियों पर कब्जे की प्रक्रिया का प्रावधान करता है। एजेएल के 90.2 करोड़ रुपये के शेयर के अलावा, नवंबर 2023 में ईडी ने 661 करोड़ रुपये की इन अचल संपत्तियों को अपराध की आय के रूप में और आरोपी को इसे बेचने से रोकने के लिए कुर्क किया था। प्राधिकार ने पिछले साल अप्रैल में इस आदेश की पुष्टि की थी। ईडी के अनुसार, मामले में कुल अपराध से अर्जित आय 988 करोड़ रुपये थी। कांग्रेस ने पहले जांच को 'प्रतिशोध की रणनीति' करार दिया था और ईडी को भाजपा का गठबंधन सहयोगी बताया था। दिल्ली की पटियाला हाउस अदालत में मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट द्वारा 26 जून 2014 को भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी द्वारा दायर एक शिकायत का संज्ञान लिये जाने के बाद ईडी ने 2021 में जांच शुरू की थी। यंग इंडियन और एजेएल की संपत्तियों का इस्तेमाल 18 करोड़ रुपये के फर्जी दान, 38 करोड़ रुपये के फर्जी अग्रिम किराए और 29 करोड़ रुपये के फर्जी विज्ञापनों के रूप में अपराध से अर्जित आय के लिए किया गया। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नेशनल हेराल्ड मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए 661 करोड़ रुपये की संपत्ति पर कब्जा करने के लिए नोटिस जारी किया है। यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत की गई है, जिसके तहत दिल्ली, मुंबई और लखनऊ स्थित संपत्तियों को कुर्क किया गया है। ईडी का यह प्रयास है कि अवैध रूप से जमा की गये गए काली कमाई को उजागर करते हुए उसकी वसूली की जाए।

ईडी ने अपराधिक साजिश का किया था खुलासा

ईडी ने कहा कि शिकायत में सोनिया गांधी और उनके सांसद बेटे राहुल गांधी, दिवंगत कांग्रेस नेता मोतीलाल वोरा और ऑस्कर फर्नांडिस और सुमन दुबे, सैम पित्रोदा और एक निजी कंपनी 'यंग इंडियन' समेत कई प्रमुख राजनीतिक हस्तियों की आपराधिक साजिश को उजागर किया गया है। इसने कहा कि शिकायत में इन सभी पर एजेएल से जुड़ी 2,000 करोड़ रुपये से ज्यादा की संपत्तियों को धोखाधड़ी से अपने अधीन लेने से जुड़ी धन शोधन योजना में संलिप्तता का आरोप लगाया गया है। ईडी ने कहा कि आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई को चुनौतियां दी गईं, लेकिन दिल्ली हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट दोनों ने जांच को आगे बढ़ाते हुए कार्रवाई को बरकरार रखा। 'नेशनल हेराल्ड' एजेएल द्वारा प्रकाशित किया जाता है और इसका स्वामित्व 'यंग इंडियन प्राइवेट लिमिटेड' के पास है। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी 'यंग इंडियन' के बहुलांश शेयरधारक हैं और उनमें प्रत्येक के पास 38 प्रतिशत शेयर हैं। कुछ साल पहले इस मामले में ईडी ने उनसे घंटों पूछताछ की थी। ईडी ने सोनिया और राहुल पर क्या आरोप लगाए। ईडी ने दावा किया कि उसकी जांच में पाया गया कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी के कथित 'नियंत्रण वाली एक निजी कंपनी यंग इंडियन ने मात्र 50 लाख रुपये में एजेएल की 2,000 करोड़ रुपये की संपत्ति 'हासिल' की, जो कि इसकी कीमत से काफी कम है। ईडी का आरोप है कि यह सब जानबूझकर किया था। ताकि अपराध को छुपाया जा सके।

खबरें फटाफट

सेना प्रमुख ने किया वज्र कोर को दौरा

नई दिल्ली। जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने शनिवार को वज्र कोर का दौरा किया और पश्चिमी सीमाओं पर इसकी परिचालन तैयारियों का आकलन किया। इस मामले में अधिकारियों ने बताया कि, उन्होंने सैनिकों के उच्च मनोबल, व्यावसायिकता और अटूट समर्पण की सराहना करते हुए उनसे सेना के परिचालन उत्कृष्टता के सटीक मानकों को बनाए रखने का आग्रह किया। इस दौरान जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने सभी रैंकों को 2047 तक विकसित भारत के राष्ट्रीय दृष्टिकोण के तहत एक आधुनिक, चुस्त बल की दिशा में सेना के परिवर्तन रोडमैप के अनुरूप अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया।

भारत समेत दुनियाभर में वॉट्सएप सर्विस डाउन

नई दिल्ली। मैसेजिंग एप वॉट्सएप भारत सहित दुनियाभर में डाउन हो गया है। यूजर्स मैसेज सेंड नहीं होने और स्टेटस अपलोड नहीं कर पाने की शिकायतें कर रहे हैं। वहीं, कई यूजर्स ने ग्रुप में मैसेज न जाने की शिकायत की है। वेबसाइट और ऑनलाइन सर्विसेज का रियल टाइम स्टेटस बताने वाले प्लेटफॉर्म डाउनडिटेक्टर के मुताबिक, शनिवार शाम 5 बजे से यूजर्स व्हाट्सएप के डाउन होने की शिकायत कर रहे थे।

बोली सीएम ममता... वक्फ कानून राज्य में लागू नहीं किया जाएगा

वक्फ कानून के विरोध में मुर्शिदाबाद में हिंसा, तीन की मौत; 138 गिरफ्तार

- हिंसाग्रस्त इलाकों में इंटरनेट बंद कर दिया गया
- हालात काबू करने के लिए पुलिस ने चार राउंड फायरिंग की

एजेंसी/कोलकता

पश्चिम बंगाल में मुर्शिदाबाद के कई इलाकों में वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हुआ। हिंसक प्रदर्शन के दौरान यहां तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं मामला गंभीर होता देख कलकत्ता हाई कोर्ट ने मुर्शिदाबाद में केंद्रीय बलों की तैनाती का आदेश दिया है। इस हिंसा के दौरान अब तक 138 से ज्यादा उपद्रवियों को गिरफ्तार किया गया है। मुर्शिदाबाद हिंसा में दो और लोगों को गोली लगने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है। स्थिति अभी भी काफी तनावपूर्ण है। कलकत्ता हाई कोर्ट ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए इस जिले के प्रभावित क्षेत्रों में केंद्रीय बलों की तैनाती का आदेश दिया है।

शुभेंदु अधिकारी ने दायर की थी याचिका : बीजेपी नेता शुभेंदु अधिकारी ने मुर्शिदाबाद में केंद्रीय बलों की तैनाती की मांग करते हुए हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी। जस्टिस सौमेन सेन और न्यायमूर्ति राजा बसु चौधरी की स्पेशल बेंच ने आदेश दिया कि केंद्रीय बल स्थानीय पुलिस प्रशासन के साथ मिलकर कानून-व्यवस्था बनाए रखेंगे। जब सुनवाई शुरू हुई तो

कोर्ट ने केंद्रीय बलों की तैनाती के पक्ष में फैसला सुनाया

मुर्शिदाबाद, मालदा, दक्षिण 24 परगना और हुगली जिलों में 11 अप्रैल को हिंसा हुई थी। प्रदर्शनकारियों ने वाहनों में आग लगा दी थी और पुलिस पर पथराव किया था। सुइटी थाना क्षेत्र के साजूर क्रॉसिंग में पुलिस पर क्रूड बम भी फेंके गए थे। इस दौरान 10 पुलिसकर्मी घायल हुए थे।

कलकत्ता हाई कोर्ट ने मुर्शिदाबाद में केंद्रीय बलों की तैनाती पर अपनी राय स्पष्ट करने के लिए बंगाल सरकार को आधे घंटे का समय दिया। राज्य सरकार ने कहा कि केंद्रीय बलों की तैनाती की कोई जरूरत नहीं है। पश्चिम बंगला सरकार ने कहा कि राज्य के डीजी राजीव कुमार जल्द ही मुर्शिदाबाद का दौरा करेंगे। हालांकि, कोर्ट ने आखिरकार केंद्रीय बलों की तैनाती के पक्ष में फैसला सुनाया। आरोप है कि, मुर्शिदाबाद में प्रदर्शन के दौरान पुलिस पर बम फेंके गए और गोलीबारी हुई। वहीं, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा है कि, हिंसा करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी. उन्होंने यह भी कहा कि, राज्य में वक्फ कानून लागू नहीं किया जाएगा। बता दें कि सूती के सजुर चौराहे पर गोली लगने से घायल मोशर्रफ हुसैन (12) की शनिवार को मुर्शिदाबाद मेडिकल कॉलेज अस्पताल में मौत हो गई। सुती, समसेरगंज में एक सरकारी वाहन सहित कई अन्य गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया गया। शमशेरगंज प्रखंड के धुलियान नगरपालिका क्षेत्र के जाफराबाद में धारदार हथियार से पिता-पुत्र की हत्या कर दी गई। मृतकों के नाम गजल दास और चंदन दास है। शव काफी देर तक घर में पड़े रहे. बाद में पुलिस ने शवों को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए जंगीपुर उपजिला अस्पताल भेज दिया।

बीडीओ कार्यालय में बड़े पैमाने पर तोड़फोड़

जलंगी बीडीओ कार्यालय में बड़े पैमाने पर तोड़फोड़ की गई। प्रदर्शनकारियों ने अजीमगंज रेलवे स्टेशन पर एक सिग्नल कंट्रोल रूम को भारी नुकसान पहुंचाया। कथित तौर पर कार्यालय के जनरेटर में आग लगा दी गई। दूसरी तरफ पुलिस का दावा है कि मुर्शिदाबाद में अब स्थिति सामान्य है। हालांकि, पुलिस के इस दावे की सच्चाई पर आग से तबाह हुए शमशेरगंज ने सवाल खड़े कर दिए हैं। शनिवार सुबह से ही शमशेरगंज के अलग-अलग इलाकों से हिंसक घटनाओं की खबरें आ रही हैं। चांदपुर में प्रदर्शनकारियों ने कई घरों में तोड़फोड़ और लूटपाट की है। परिवार का यह भी दावा है कि जब पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए फायरिंग की तो गोली मोशर्रफ के सीने में लगी थी। उसे इलाज के लिए कोलकाता रेफर किया गया था। डॉक्टरों ने बताया था कि सातवीं कक्षा के छात्र मोशर्रफ हुसैन की हालत गंभीर है इलाज के दौरान मौत हो गई। वहीं, प्रशासनिक सूत्रों के मुताबिक मुर्शिदाबाद जिला सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है। हिंसाग्रस्त इलाकों में लोगों के एकत्र होने पर रोक लगाने के अलावा इंटरनेट सेवाएं भी बंद कर दी गई हैं। जिले के एक शीर्ष पुलिस अधिकारी ने कहा है कि, पुलिस कानून-व्यवस्था की स्थिति को बाधित करने के किसी भी प्रयास को बर्दाश्त नहीं करेगी।

कुछ ताकतें हमें धर्म बदलने पर मजबूर कर रही हैं: मोहन भागवत

एजेंसी/अहमदाबाद

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को कहा कि धर्म ही ऐसा रास्ता है जो सबको सुख की ओर ले जा सकता है। उन्होंने कहा कि दैनिक जीवन में लालच, डर या प्रलोभन का सामना करना पड़ सकता है, और वे लोगों को उनके धर्म से भटका सकते हैं, लेकिन हमें लालच या भय के कारण अपने धर्म को नहीं बदलना चाहिए। आरएसएस प्रमुख गुजरात के वलसाड जिले के बारुमल में सद्गुरुधाम में श्रीभाव भावेश्वर महादेव मंदिर के रजत जयंती समारोह में बोल रहे थे। आरएसएस प्रमुख भागवत ने समारोह में बोलते हुए कहा कि कुछ ताकतें हैं जो हमें धर्म बदलने के लिए मजबूर करना चाहती हैं, लेकिन हमें ऐसे किसी लालच या डर में नहीं आना चाहिए। धर्म हमें जोड़ता है और सही रास्ते पर ले जाता है। उन्होंने कहा कि हम एकजुट होना जानते हैं और एकजुट होना चाहते हैं। हम लड़ना नहीं चाहते। लेकिन हमें खुद को बचाना होगा। इसके लिए प्राचीन काल से ही व्यवस्थाएं हैं, क्योंकि आज ऐसी ताकतें हैं जो हमें बदलना (धर्मांतरित करना) चाहती हैं। उन्होंने आगे कहा कि जब हमारे दैनिक जीवन में ऐसी कोई ताकत नहीं होती, तब भी लालच, डर और प्रलोभन की घटनाएं सामने आती हैं।

पांडवों का राज्य हड़पने के लालच में दुर्योधन ने जो किया, वह अधर्म था : आरएसएस प्रमुख ने महाभारत का उदाहरण दिया और कहा कि महाभारत के समय धर्म परिवर्तन करने वाला कोई नहीं था, लेकिन दुर्योधन ने पांडवों का राज्य हड़पने के लालच में जो किया, वह अधर्म था। उन्होंने कहा कि धार्मिक आचरण दैनिक जीवन में जरूरी है। हमें आसक्ति और प्रलोभन के प्रभाव में आकर कार्य नहीं करना चाहिए, हमें इनसे दूर रहकर धर्म के रास्ते पर चलना चाहिए। लालच या भय हमें अपनी आस्था से विमुख करते हैं। इसलिए यहां ऐसे केंद्र स्थापित किए गए हैं।' तपस्वी गांव-गांव जाकर लोगों को सत्संग सुनाते थे। आरएसएस प्रमुख भागवत सद्गुरुधाम का जिक्र कर रहे थे, जो आदिवासियों के उत्थान के लिए सुदूर आदिवासी क्षेत्रों में सामाजिक गतिविधियां संचालित करता है।

एक ही परिवार के तीन बच्चों की डूबने से मौत

केटी न्यूज/किशनगंज

किशनगंज जिले के दिघलबैंक प्रखंड में एक शादी समारोह में दर्दनाक घटना घटी। बालूबारी गांव में शुक्रवार दोपहर को मामा की शादी में आए तीन सगे भाइयों की नदी में डूबने से मौत हो गई। मृतकों की पहचान महमूद हसन (11), हुसैन अहमद (9) और मोहम्मद हसन (6) के रूप में हुई है। तीनों सगे भाई थे और इनके पिता का नाम मोहम्मद अंजार आलम है, जो दहिभात पंचायत की दरगाह बस्ती गांव के निवासी हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि तीनों बच्चे समारोह स्थल के पास स्थित नदी में दोपहर करीब दो बजे के आसपास के समय नहाने के लिए गए थे। अचानक गहराई में चले जाने की वजह से तीनों पानी में समा गए। जब तक लोग कुछ समझ पाते और बचाव के लिए दौड़ते, तब तक बहुत देर हो चुकी थी। ग्रामीणों की मदद से बच्चों को बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उनकी सांसे थम चुकी थीं। घटना की खबर मिलते ही शादी समारोह का माहौल मातमी सन्नाटे में बदल गया। परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। स्थानीय प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। प्रशासन द्वारा घटना की जांच शुरू कर दी गई है। गांव और आसपास के इलाकों में इस हृदयविदारक हादसे से शोक की लहर दौड़ गई है। इस मामले की पुष्टि करते हुए थाना अध्यक्ष रविशंकर कुमार और अंचल अधिकारी गरिमा गीतिका ने की।

26/11 के मास्टरमाइंड के संपर्क में था तहव्वुर राणा : एनआईए

एजेंसी/नई दिल्ली

2008 मुंबई आतंकी हमले के आरोपी तहव्वुर राणा से राष्ट्रीय जांच एजेंसी शनिवार को दूसरे दिन भी पूछताछ की। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, राणा ने पूछताछ में बताया कि वह ग्लोबल टेररिस्ट साजिद मीर से लगातार संपर्क में था, जो 26/11 हमलों का मास्टरमाइंड माना जाता है। इसके अलावा पूछताछ में राणा ने दुबई मैन का नाम लिया है, जिसे हमले की पूरी प्लानिंग पता थी। एजेंसी को शक है कि यह व्यक्ति पाकिस्तान और दुबई के बीच नेटवर्क संभालता था और हमलों की फाइनेंसिंग, लॉजिस्टिक सपोर्ट में अहम भूमिका निभा रहा था। ये भी पता चला है कि राणा का पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी क्रक से भी करीबी संपर्क था और उसे पाकिस्तानी सेना की वर्दी से खास लगाव था। इससे पहले भी 3 घंटे पूछताछ की गई थी।

राज्यपाल के बाद राष्ट्रपति पर भी सुप्रीम कोर्ट सख्त, कहा... राष्ट्रपति के पास पूर्ण वीटो का अधिकार नहीं

तीन महीने में बिल पर फैसला अनिवार्य : सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी/नई दिल्ली

अपने तरह के पहले फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने देश के राष्ट्रपति के लिए भी समय सीमा तय की है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राज्यपाल की तरफ से भेजे गए बिल पर राष्ट्रपति को 3 महीने के भीतर फैसला लेना होगा। दरअसल, 8 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार और राज्यपाल के मामले में ऐतिहासिक फैसला लिया था। अदालत ने कहा था कि राज्यपाल को विधानसभा की ओर से भेजे गए बिल पर एक महीने के भीतर फैसला लेना होगा। इसी फैसले के दौरान अदालत ने राज्यपालों की ओर से राष्ट्रपति को भेजे गए बिल पर भी स्थिति स्पष्ट की। यह ऑर्डर 11 अप्रैल को सार्वजनिक किया गया। सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के अनुच्छेद 201 का हवाला दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा-राज्यपालों की ओर से भेजे गए बिल के मामले में राष्ट्रपति के पास पूर्ण वीटो या पॉकेट वीटो का अधिकार नहीं है। उनके फैसले की न्यायिक समीक्षा की जा सकती है और न्यायपालिका बिल की संवैधानिकता का फैसला न्यायपालिका करेगी। गवर्नर की ओर से राष्ट्रपति को भेजे गए बिल पर सुप्रीम कोर्ट ने कुछ पहलू दिये है जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अनुच्छेद 201 कहता है कि जब विधानसभा किसी बिल को पास कर दे। उसे राज्यपाल के पास भेजा जाए और राज्यपाल उसे राष्ट्रपति के पास विचार के लिए भेज दे। इस स्थिति में राष्ट्रपति को बिल पर मंजूरी देनी होगी या फिर बताना होगा कि मंजूरी नहीं दे रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आर्टिकल 201 के तहत राष्ट्रपति का निर्णय की न्यायिक समीक्षा की जा सकती है। अगर बिल में केंद्र सरकार के निर्णय को प्राथमिकता दी गई हो, तो कोर्ट मनमानी या दुर्भावना के आधार पर बिल की समीक्षा करेगा। अदालत ने कहा कि बिल में राज्य की कैबिनेट को प्राथमिकता दी गई हो और राज्यपाल ने विधेयक को मंत्रिपरिषद की सहायता और सलाह के विपरीत जाकर फैसला किया हो तो कोर्ट के पास बिल की कानूनी रूप से जांच करने का अधिकार होगा।

डिप्टी सीएम ने लालू परिवार पर साधा निशाना, पूछा... आरजेडी के शासन में क्या मिला?

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एनडीए के नेता हैं और आगे भी रहेंगे : सम्राट चौधरी

केटी न्यूज/पटना

पटना में शनिवार को बीजेपी ऑफिस में एनडीए की बैठक हुई। इस मीटिंग में एनडीए में शामिल घटक दलों के बड़े नेता शामिल हुए। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान भी इस बैठक में शामिल हुए। इसके बाद शिवराज सिंह सचिवालय में मंत्रियों के साथ मीटिंग में शामिल होने के लिए निकल गए। बैठक के बाद डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि नीतीश कुमार एनडीए के नेता हैं और आगे भी रहेंगे। उन्होंने कहा कि बैठक में प्रधानमंत्री मोदी के दौरे को लेकर चर्चा हुई है। प्रधानमंत्री लगातार बिहार और मिथिला पर विशेष फोकस कर रहे हैं।

नीतीश कुमार ने पिछले 5 सालों में 50 लाख से अधिक लोगों को नौकरी और रोजगार दिया है। 2030 तक बिहार कहां होगा, इसकी कल्पना भाजपा और एनडीए कर रही है। सम्राट चौधरी ने कहा कि लालू यादव के राज में बिहार को क्या मिला। मेडिकल कॉलेज नहीं था, स्कूल नहीं था और यूनिवर्सिटी नहीं था, लेकिन आज आप देख लीजिए स्थिति क्या है।वहीं बैठक को लेकर जब पत्रकारों ने ललन सिंह से पूछा- क्या प्रधानमंत्री बिहार एनडीए के एकजुट होने का भी संदेश देने आ रहे हैं। इस सवाल पर ललन सिंह भड़क गए।उन्होंने कहा- आप नरेटिव सेट कर रहे हैं क्या। वो पंचायत दिवस में शामिल होने के लिए आ रहे हैं। क्या बोलेंगे नहीं बोलेंगे, वो क्या आपसे लिखवाकर बोलेंगे क्या। इधर सचिवालय में मंत्रियों के साथ मीटिंग के बाद केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा, देश में हमेशा चुनाव की तैयारी में नेता जुटे रहते हैं। 4 राज्यों के चुनाव परिणाम आने के बाद दिल्ली विधानसभा चुनाव के परिणाम आए। अब बिहार चुनाव आने वाला है। इसके बाद बंगाल में चुनाव होगा। पीएम, सीएम और मंत्री हर किसी को समय देना पड़ता है। अगर सरकार को सिर्फ जनता की सेवा में समय देना होता तो कितना काम होता।हर समय चुनाव से समय का नुकसान होता है, पैसे खर्च होते है। 5 साल में 4 लाख करोड़ से लेकर 7 लाख करोड़ चुनाव पर खर्च होता है। जो पैसा जनता टैक्स के रूप में सरकारी खजाने में जमा करती। वह चुनाव के लिए खर्च कर दिए जाते हैं। वहीं डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे को लेकर हमारे जिले के साथी ब्लॉक स्तर पर बैठक कर रहे हैं। जिलों में भी मीटिंग हो रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 24 अप्रैल को बिहार दौरे पर रहेंगे। मधुबनी में पंचायती राज दिवस के अवसर पर विकास कार्यों का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। ग्रामीण विकास विभाग की ओर से कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में मधुबनी के अलावा सीतामढ़ी, शिवहर, मुजफ्फरपुर, मधेपुरा, समस्तीपुर, दरभंगा, अररिया, सहरसा और सुपौल के पंचायती राज प्रतिनिधि शामिल होंगे। भाजपा सांसद और भोजपुरी कलाकार मनोज तिवारी शनिवार को बक्सर पहुंचे। उन्होंने कहा कि बिहार में एनडीए की मजबूती से विपक्ष बौखलाया हुआ है। तिवारी ने दावा किया कि बिहार में एक बार फिर एनडीए पूर्ण बहुमत से सरकार बनाएगी। बिहार की जनता विकास की राजनीति को समर्थन देती है। प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए को जनता का समर्थन मिलेगा।

केंद्र और राज्य सरकार का मिथिला पर खास ध्यान: जदयू

जेडीयू के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय झा ने कहा कि पीएम के मधुबनी दौरे को लेकर मीटिंग हो रही है। ये दौरा ऐतिहासिक इसलिए भी है, क्योंकि केंद्र का मिथिला पर विशेष ध्यान रहा है। बाढ़ को लेकर, एम्स को लेकर कई घोषणा हुई। मखाना बोर्ड भी बना है। बैठक में जदयू राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा, जदयू मंत्री श्रवण कुमार, प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा, रत्नेश सदा शामिल हैं। वहीं लोजपा रामविलास के प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी सहित एनडीए के संसद और विधायक बैठक में शामिल थे। साथ ही बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल के साथ दोनों डिप्टी सीएम भी मीटिंग में मौजूद थे।

मधेपुरा में चल रहा था सेक्स रैकेट, 12 गिरफ्तार

केटी न्यूज/मधेपुरा

मधेपुरा के उदाकिशुनगंज और सिंहेश्वर में पुलिस ने दो अलग-अलग जगहों पर छापेमारी कर देह व्यापार के धंधे का खुलासा किया है। पहला मामला उदाकिशुनगंज थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर पांच का है। जहां बियाडा के पास एनएच-106 के किनारे एक निजी नर्सिंग होम के बगल स्थित किराए के मकान में देह व्यापार चलने की सूचना पर पुलिस ने कार्रवाई की। मौके से एक युवती, एक महिला और दो युवक गिरफ्तार किए गए। गिरफ्तार युवती सिंहेश्वर की रहने वाली है, जबकि अन्य आरोपी बिहारीगंज क्षेत्र से हैं। एक युवक सलाउद्दीन ने खुद को ई-रिक्शा चालक बताया, लेकिन उसका बयान पुलिस को संदिग्ध लगा है। पुलिस ने उसका रिक्शा और मौके से दो बाइक जब्त की है। कमरे से आपत्तिजनक सामान भी बरामद किए गए हैं। दूसरा मामला सिंहेश्वर मुख्य बाजार स्थित बस स्टैंड के पास का है। जहां गृहशोभा गैस चूल्हा एंड बर्तन सेंटर नाम की दुकान में भी गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी की गई। यहां भी देह व्यापार संचालित होने की पुष्टि हुई है। पुलिस ने दुकान की संचालिका, उसकी बेटी और बेटे सहित 6 महिलाओं को पकड़ा है।दोनों मामलों में पुलिस ने आपत्तिजनक वस्तुएं बरामद की हैं और पूछताछ जारी है।

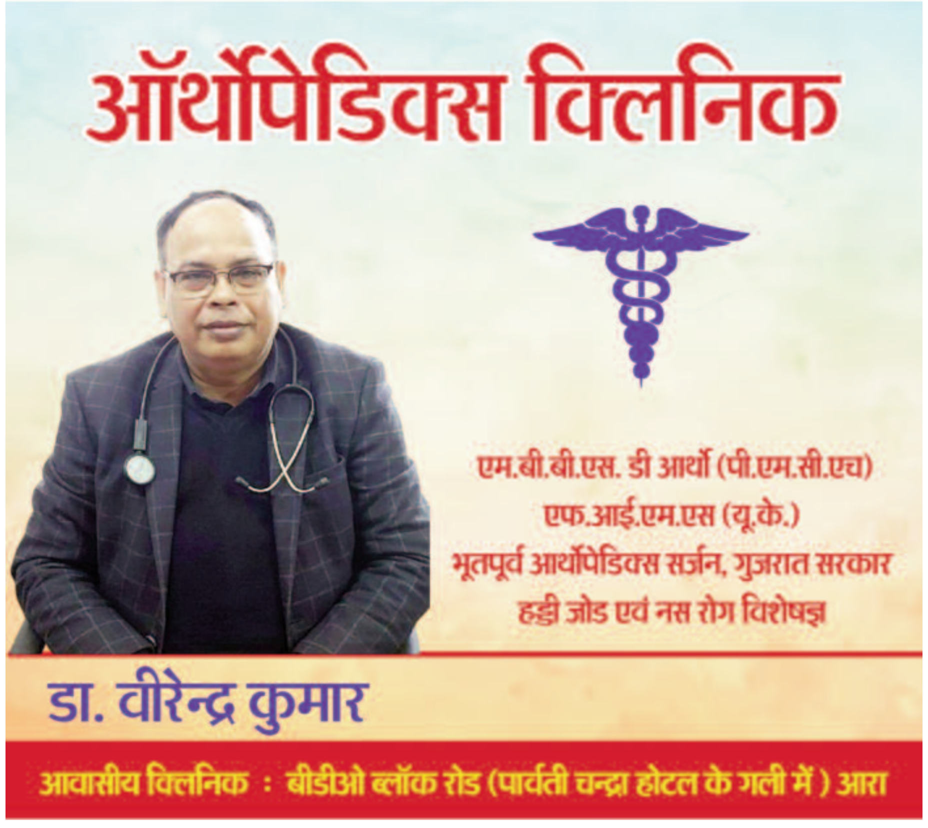

पटना में कन्हैया समेत 41 कांग्रेस कार्यकताओं पर प्राथमिकी, पुलिसकर्मियों से धक्का-मुक्की का आरोप

केटी न्यूज/पटना

बिना परमिशन प्रदर्शन करने और पटना पुलिस ने कांग्रेस के मार्च पर बड़ा एक्शन लिया है। श्रीकृष्णापुरी थाने में कन्हैया कुमार समेत 41 कार्यकताओं और अज्ञात लोगों के ऊपर केस दर्ज हुआ है। आरोप है कि प्रदर्शन के लिए परमिशन नहीं लिया गया था। जिससे सड़क जाम की स्थिति बन गई थी। इस दौरान लोगों को काफी परेशानी हुई। पुलिसकर्मियों के साथ भी धक्का मुक्की भी की गई। इसकी पुष्टि थानेदार प्रभात कुमार ने की है। एडीपीओ साकेत कुमार ने बताया कि मजिस्ट्रेट के आवेदन पर केस दर्ज हुआ है। बेलेबल धारा लगी थी।

जिसके चलते थाने से ही सबको पीआर बॉन्ड भरवाकर जमानत दे दी गई है।**सीएम से मिलना चाहते थे प्रदर्शनकारी** : दरअसल, कन्हैया कुमार ने पलायन रोको, नौकरी दो के नारे के साथ 26 दिनों तक बिहार में पदयात्रा की। शुक्रवार को पटना में इसका समापन था। प्रदर्शनकारी कन्हैया के नेतृत्व में सीएम नीतीश कुमार से मुलाकात करना चाहते थे। सीएम हाउस से 3 किलोमीटर पहले ही पुलिस ने कांग्रेसियों को रोक दिया।पुलिस और प्रदर्शनकारियों में थोड़ी देर नोकझोंक हुई। इस दौरान वाटर कैनन के जरिए भीड़ को कंट्रोल किया। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भान को पुलिस ने हिरासत में लेकर कोतवाली थाने पहुंची। हालांकि, दोनों को एक घंटे बाद छोड़ दिया गया।

पटना में दिनदहाड़े कारोबारी की हत्या

पटना। पटना में दिनदहाड़े कारोबारी की हत्या कर गई। अपराधियों ने कारोबारी को पांच गोली मारी। शनिवार दोपहर मसौढ़ी इलाके में पावर ग्रिड के पास जहानाबाद रोड में इस वारदात से इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। इधर, दुकानदारों ने अपनी-अपनी दुकानों का शटर गिरा दिया। वहीं सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। मृत कारोबारी की पहचान मुकेश कुमार के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जगदीश यादव मसौढ़ी बाजार में कपड़े की दुकान चलाते हैं। मुकेश भी अपने पिता के साथ दुकान में बैठता था। इधर, दो-तीन महीने उसने जमीन खरीद-बिक्री का काम शुरू किया था।

पर्यवेक्षण गृह में बाल बंदी की संदिग्ध मौत

दरभंगा। दरभंगा के पर्यवेक्षण गृह में बाल बंदी की संदिग्ध मौत हो गई। मृतक की पहचान समस्तीपुर जिला के रोसरा थाना क्षेत्र के टेहटा गांव निवासी अमरजीत यादव (16) के रूप में हुई। हालांकि, मौत कैसे हुई यह कोई बताने को तैयार नहीं। मौत का खुलासा तब हुआ जब पर्यवेक्षण गृह के कर्मियों ने रात इसे डीएमसीएच में इलाज में लिए लाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हालांकि, इस दौरान मृतक चेहरे और शरीर पर गहरे जख्म और चोट के निशान दिख रहे थे। हालांकि, मौके पर मजिस्ट्रेट के सामने पूछताछ थानेदार दीपक कुमार द्वारा करने पर प्रथम द्दष्टया मारपीट की बात सामने आ रही है। इसका जांच के बाद ही खुलासा हो पाएगा। पर्यवेक्षण गृह उक्त बाल बंदी शुक्रवार सुबह फरार हो गया था। लेकिन, बाद में उसे पकड़ लिया गया था।

बोली रीतलाल यादव की पत्नी... विधायक के एनकाउंटर के इरादे से आयी थी पुलिस

केटी न्यूज/पटना

विधायक रीतलाल यादव का एनकाउंटर करने के इरादे से आई थी पुलिस। यह गंभीर आरोप रीतलाल यादव पत्नी ने लगाया है। उनका कहना है कि इतना फोर्स तो आतंकवादी के यहां आता है। आरजेडी के चर्चित विधायक रीतलाल यादव के 11 ठिकानों पर शुक्रवार को छापेमारी की गयी। पटना पुलिस और एसटीएफ ने मिलकर यह कार्रवाई की। इस दौरान 10.5 लाख रुपये कैश, 77.5 लाख रुपये के ब्लैंक चेक, 4 संदिग्ध चेक समेत कई चीजों की बरामदगी की गयी।

पुलिस की रेड पर रीतलाल यादव की पत्नी रिंकू कुमारी का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि विधायक का एनकाउंटर करने की योजना थी।

आरजेडी के बाहुबली विधायक रीतलाल यादव की पत्नी रिंकू कुमारी आज पहली बार मीडिया से सामने आईं। उन्होंने अपने पति का बचाव करते हुए कहा कि सारी दुनियां देख रही है और मीडिया वाले भी देख रहे हैं कि किस तरह से मेरे घर पर पुलिस की फोर्स आई। इतने फोर्स की विधायक के यहां क्या जरूरत थी। इतना फोर्स तो आतंकवादी के यहां आता है। मेरे पति आतंकवादी नहीं हैं वो दानापुर के विधायक हैं। उनकों यहां की जनता ने चुना है। वो जनता के नेता हैं। रिंकू कुमारी ने कहा कि मेरे पति की हत्या करने के लिए लोग 6 महीने से लगे हुए हैं। उनको मालूम था कि मेरे पति घर में हैं। इसलिए पूरी तैयारी के साथ मेरे घर पर आए हुए थे। पुलिस की यह योजना थी कि विधायक को मारकर उनके हाथ में बंदूक थमा कर एनकाउंटर का रूप दिया जाए। 6 महीने बाद बिहार में विधानसभा चुनाव है। ये लोग चाहते हैं कि किसी तरह रीतलाल यादव को खत्म कर दिया जाए। रिंकू देवी ने कहा कि मेरे पति जेल से आने के बाद किसी का कुछ नहीं बिगाड़े हैं। राजनीति के वजह से ऐसा किया जा रहा है। घर में घुसकर हम लोग को बेइज्जत किया जा रहा है। बेटी की शादी के गिफ्ट को फाड़ कर सारा पैसा निकाल लिया गया।

बिहार के लोगों को 5 लाख 20 हजार और मकान दिए जाने का रखा गया है लक्ष्य

8 महीने में गरीबों को मिलेंगे 14 लाख पक्के घर: शिवराज

केटी न्यूज/पटना

बिहार के कच्चे मकान में रहने वाले गरीबों को आने वाले 7 से 8 महीने में करीब 15 लाख पक्के मकान मिलेंगे। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत ये आवास दिए जाएंगे। इस वर्ष अब तक 5 लाख 20 हजार पक्के मकान दिए गए हैं। 5 लाख 20 हजार और मकान दिए जाएंगे। पिछले वर्ष इस योजना के तहत 7 लाख 90 हजार मकान गरीबों को दिए गए थे। मकान के निर्माण पर 8 हजार करोड़ रुपये का खर्च आएगा।

यह घोषणा केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को पटना में पत्रकारों से बात करने के दौरान कही। केंद्रीय मंत्री एक दिवसीय

बिहार दौरे पर दोपहर को पटना पहुंचे। सबसे पहले भाजपा कार्यालय में एनडीए के नेताओं के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने मधुबनी में 24 अप्रैल को प्रधानमंत्री के कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लिया। इसके बाद मुख्य सचिवालय स्थित सभागार में ग्रामीण विकास मंत्रालय के योजनाओं की समीक्षा की। केंद्रीय मंत्री ने ग्रामीण विकास विभाग की योजनाओं के बिहार में क्रियान्वयन की स्थिति की प्रशंसा करते हुए कहा कि बेहतर एवं आदर्श तरीके से सभी योजनाओं का संचालन हो रहा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में विकास एवं कल्याण के अनेकों कार्यक्रम चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि बिहार में अब तक 3 लाख लखपति दीदी बन चुकी हैं। इस वर्ष के अंत तक इनकी संख्या बढ़ाकर 20 लाख करने का लक्ष्य रखा गया है, जिसे प्राप्त करने की पूरी संभावना है। उन्होंने कहा कि 24 अप्रैल को पंचायती राज दिवस है। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिहार दौरे पर आ रहे हैं। विकसित भारत का निर्माण प्रधानमंत्री का संकल्प है। विकसित भारत की अवधारणा विकसित बिहार से ही संभव है। केंद्र और राज्य दोनों सरकार मिलकर इसके लिए कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री पहले भी बिहार को अनेकों सौगातें दे चुके हैं। 24 अप्रैल के कार्यक्रम में भी वे अनेकों सौगातें देंगे। कई योजनाओं के लोकार्पण, उद्घाटन और शिलान्यास होंगे। इस अवसर पर पंचायती राज के चुने हुए प्रतिनिधियों का सम्मेलन होगा। पूरे देश के प्रतिनिधि इसमें जुड़ेंगे। उन्होंने कहा कि ग्रामीण विकास विभाग की कई योजनाओं का लाभ भी बिहार की जनता को दिया जाएगा।

जालंधर से दरभंगा ले जाई जा रही शराब लदी कंटेनर जब्त, 36 लाख रूपए की शराब बरामद

- कृष्णाब्रह्म मेंदूसरे दिन पकड़ी गई भारी मात्रा में शराब, एक गिरफ्तार, एसडीपीओ ने प्रेस वार्ता में दी जानकारी
- शुक्रवार को भी पुलिस ने पकड़ी थी शराब लदी कार

केटी न्यूज/डुमरांव

शराब तस्करों व पुलिस ने के बीच तू डाल-डाल तो मै पात-पात का खेल चल रहा है। शनिवार को कृष्णाब्रह्म थाने की पुलिस ने गुप्त सूचना पर शराब लदी एक कंटेनर को पकड़ा है। पुलिस ने तस्करी के आरोप में ट्रक चालक को भी गिरफ्तार किया है।

कंटेनर से कुल 2012.25 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद हुई है, जिसका मूल्य 36 लाख रूपए आंका गया है। शराब की यह खेप पंजाब के जालंधर से बिहार के दरभंगा ले जाई जा रही थी। गिरफ्तार तस्कर विकास कुमार पिता बलबीर कुमार हरियाणा के सोनीपत जिला अंतर्गत खरखोदा थाना क्षेत्र के अशरफपुर भटिंग गांव का निवासी है। एसडीपीओ अफाक अख्तर अंसारी ने प्रेस वार्ता आयोजित कर इस संबंध में जानकारी दी।

एसडीपीओ ने बताया कि शनिवार को अहले सुबह गुप्त सूचना मिली कि शराब लदी एक कंटेनर बक्सर से आगे निकल गई है। इस सूचना पर तुरंत कृष्णाब्रह्म थानाध्यक्ष नीतीश कुमार को अलर्ट किया गया। वे एनएच 922 पर बड़का ढकाईच के पास सुबह में वाहन जांच अभियान शुरू कर दिए। इसी दौरान एक कंटेनर जिसका रजिस्टेज्शन नंबर यूपी 16 एलटी 2781 था आते दिखाई पड़ी। पुलिस टीम ने जब उसे रोक तलाशी ली तो उसमें अंग्रेजी शराब की पेटियां नजर आई। इसके बाद पुलिस ने उक्त कंटेनर को जब्त कर थाने लाई तथा चालक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की। इसके बाद चालक ने बताया कि कंटेनर में शराब भरी है तथा इसे जालंधर से लेकर दरभंगा जा रहा था।

एसडीपीओ ने बताया कि बरामद शराब की गिनती की गई। कुल 222 कॉर्टन के अलावे कंटेनर में एक खुले कॉर्टन से 19 बोतल शराब समेत कुल 2013.25 लीटर शराब मिली। इसके बाद चालक को गिरफ्तार कर लिया गया। प्रेस वार्ता के दौरान कृष्णाब्रह्म थानाध्यक्ष नीतीश कुमार भी मौजूद थे।

दो दिन में दूसरी व 12 दिन में तीसरी बार पकड़ी गई शराब की खेप : बता दें कि कृष्णाब्रह्म पुलिस द्वारा लगातार दूसरे दिन शराब की बड़ी खेप पकड़ी गई है। शुक्रवार को भी चौकियां गांव के पास एक कार से करीब सात लाख रूपए की शराब पकड़ी गई थी। वहीं, 12 दिन पहले नया भोजपुर पुलिस ने एक ट्रक पर लदे करीब 40 लाख रूपए की शराब बरामद की थी। नया भोजपुर से कृष्णाब्रह्म तक लगातार हो रही शराब की बरामदगी से उत्पाद विभाग की कार्यशैली पर सवाल उठने लगे है। लोग अब दबे जुबां यह कह रहे है कि मैनेज के खेल में शराब लदे वाहन वीर कुंवर सिंह सेतु से गुजर जा रहे है। हालांकि, डुमरांव एसडीपीओ की मुश्तैदी से शराब तस्करों के मंसूबे फेल हो रहे है।

मामले में चालक को किया गया है गिरफ्तार

“ गुप्त सूचना मिली थी कि शराब लदी एक कंटेनर एनएच 922 से गुजर रही है। इस सूचना पर कृष्णाब्रह्म पुलिस को अलर्ट किया गया। कृष्णाब्रह्म पुलिस ने बड़का ढकाईच के पास से उक्त कंटेनर को पकड़ लिया। इस मामले में चालक को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार चालक से पूछताछ के आधार पर पुलिस मुख्य तस्कर तक पहुंचने के प्रयास में जुट गई है। शराब तस्करों का नेटवर्क तोड़ने के लिए स्पेशल अभियान चलाया जा रहा है।

– अफाक अख्तर अंसारी, एसडीपीओ, डुमरांव

खबरें फटाफट

सात वारंटियों को पुलिस ने पकड़ा

डुमरांव। डुमरांव पुलिस ने फरार चल रहे सात वारंटियों को धर पकड़ा है। स्थानीय पुलिस के अनुसार पकड़े गए वारंटियों में खिरौली के रहने वाले गुलाब राय, बालक राय, सियाराम सिंह, नंदन के शिवजी तिवारी, लाखनडिहरा के अरविंद चतुर्वेदी और डुमरांव के भगवान प्रसाद, राजेश कुमार शामिल है। पुलिस ने बताया कि इन वारंटियों के खिलाफ कोर्ट ने वारंट जारी किया था। जिसके आलोक में उन्हें जेल भेज दिया गया।

110 ली. देशी शराब बरामद, एक गिरफ्तार

चक्की। चक्की थाने की पुलिस ने वाहन चेकिंग अभियान के दौरान एक ऑटो से 110 लीटर देशी चुलाई शराब बरामद किया है। इस मामले में पुलिस ने एक अभियुक्त को भी गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। एसडीपीओ अफाक अख्तर अंसारी ने इस संबंध में बताया कि गुप्त सूचना मिली कि एक ऑटो पर एक तस्कर देसी शराब लेकर जा रहा है। मामले में जगदीशपुर निवासी मुन्ना बैठा को जेल भेज दिया है। एसडीपीओ ने बताया कि शराब की यह खेप यूपी के जवही से भोजपुर जिले के जगदीशपुर ले जाई जा रही थी।

चौसा मोहनिया पथ पर बनारपुर गांव के पास हुआ हादसा; ग्रामीणों ने किया सड़क जाम

तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक में पीछे से मारी टक्कर, पत्नी की मौत, पति घायल

- स्नातक तृतीय खंड की परीक्षा देकर लौटने के दौरान हादसे का शिकार हुए दंपति

केटी न्यूज/चौसा

ट्रक व बाइक की टक्कर में एक महिला की जहां मौके पर ही मौत हो गई, वहीं इस दुर्घटना में उसका पति गंभीर रूप से जख्मी हो गया। घटना शनिवार की दोपहर चौसा-मोहनिया पथ पर स्थित बनारपुर गांव के पास की है। घटना स्थल से कुछ दूर आगे जाकर ट्रक चालक अपना वाहन छोड़कर फरार हो गया। वहीं, इस घटना के विरोध में लोगों ने मुआवजे की मांग पर चौसा मोहनिया पथ को जाम कर दिया। बाद में पुलिस के समझाने के बाद जाम हटाया गया। इसके बाद महिला के शव को कब्जे में ले पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल बक्सर भेजी।

मृतका की पहचान राजपुर थाना क्षेत्र के बारूपुर गांव निवासी 24 वर्षीय सरिता देवी के रूप में हुई है, जबकि उसका 27 वर्षीय पति सुनील कुमार राजभर इस हादसे में जख्मी हो गया है। जिसका इलाज स्थानीय सीएचसी में करवाया गया। पुलिस दुर्घटना को अंजाम देने वाली ट्रक को कब्जे में ले आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

मिली जानकारी के अनुसार सरिता का स्नातक तृतीय खंड का परीक्षा चल रहा था। वह शनिवार को अपने पति के साथ बाइक पर बैठ परीक्षा देने बक्सर गई थी। दोपहर में लौटने के दौरान चौसा-मोहनिया पथ पर जैसे ही उनकी बाइक अखौरीपुर गोला से आगे बढ़ी तथा बनारपुर गांव के करीब पहुंची थी कि पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दिया। इस दौरान बाइक के पीछे बैठी सरिता उछलकर ट्रक के पीछेवाले पहिया के नीचे आ गिरी तथा ट्रक उसे रौंदते हुए निकल गई। वहीं, सुनील सड़क किनारे जा गिरा था, जिससे उसे मामूली चोटें आई।

इस घटना के बाद स्थानीय लोगों ने ट्रक को रोकने के लिए पीछा किया, खुद को ग्रामीणों से घिरता देख ट्रक चालक बनारपुर सीमा के पास पहुंच वाहन छोड़कर फरार हो गया।

घटना की जानकारी मिलते ही मुफस्सिल थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेने के साथ ही घायल सुनील कुमार को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। इधर, घटना की जानकारी के बाद दंपति के घर से रोते-बिलखते स्वजन पहुंचे तथा शव से लिपट विलाप करने लगे।

वहीं, मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने मुआवजे को लेकर सड़क जाम कर दिया। बाद में पुलिस व ग्रामीणों के समझाने के बाद सड़क जाम हटाया गया। इस दौरान करीब एक घंटे तक सड़क जाम रहा तथा वाहनों का परिचालन ठप हो गया था।

स्वजनों ने बताया कि अभी तीन वर्ष पूर्व ही सुनील और सरिता की शादी हुई थी तथा दोनों से एक बच्चा भी है। इस घटना ने एक मासूम से मां की ममता को छिन लिया है।

वहीं, पुलिस जब्त ट्रक के रजिस्टेज्शन नंबर के आधार पर फरार चालक की पहचान में जुट गई थी। मुफस्सिल थानाध्यक्ष अरविंद कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। जब्त ट्रक के नंबर के आधार पर चालक की शिनाख्त का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ट्रेलर और ट्रक की भिड़ंत, कोई हताहत नहीं

डुमरांव। बक्सर-पटना एनएच- 922 पर शनिवार को प्रतापसागर से 200 मीटर पूर्व एक ट्रेलर और एक बालू लदा ट्रक की टक्कर हो गई। घटना में ट्रक बुरी तरह दुर्घटनाग्रस्त हो गया। गनीमत यह रही कि ट्रक का चालक बाल बाल बच गया। जानकारी के अनुसार ट्रक नासरीगंज से बालू लेकर गोरखपुर की तरफ जा रही थी। प्रतापसागर के समीप पहुंचते ही ट्रक चालक वाहन से नियंत्रण खो बैठा और ट्रक अपने आगे चल रहे ट्रेलर से टकरा गई। घटना के बाद मोतिहारी के ट्रक चालक नीतेश यादव ने इसकी सूचना अपने मालिक को दी। वहीं, मौके पर पहुंची नया भोजपुर की पुलिस भी मामले की पड़ताल में जुटी हुई है।

एक नजर

डुमरांव में आज से शुरू होगी राज्य स्तरीय कॉम्बेक्ट कुश्ती प्रतियोगिता, तैयारी पूरी

डुमरांव। डुमरांव के संत जॉन सीनियर सेकेन्ड्री स्कूल परिसर के खेल मैदान में रविवार से स्टेट चैंपियनशीप कॉम्बेक्ट कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन होगा। यह प्रतियोगिता दो दिनों तक चलेगी तथा सोमवार को संपन्न होगा। जानकारी देते हुए बिहार कांबेक्ट फेडरेशन के अध्यक्ष सह संत जॉन सीनियर सेकन्ड्री स्कूल के निदेशक डॉ. रमेश सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता के तहत सीनियर, जुनियर व सब जुनियर तीन स्तर की कुश्ती प्रतियोगिताएं कराई जाएगी। तीनों स्तर के महिला व पुरूष पहलवान इस प्रतियोगिता में शिरकत करेंगे तथा कुश्ती के दांव पेच अजमाएंगे। उन्होंने कहा कि तीनों विधाओं के सर्वश्रेष्ठ महिला व पुरूष पहलवान को राष्ट्रीय स्तर की कांबेक्ट प्रतियोगिता में मौका मिलेगा। उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता की तैयारी पूरी कर ली गई है तथा रविवार को सुबह 10 बजे से 12 बजे तक पहलवानों का वजन मापा जाएगा। वहीं, अपराह्न तीन बजे से प्रतियोगिता शुरू हो जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी स्तर के मिलाकर कुल 150 पहलवान इस कुश्ती प्रतियोगिता में शिरकत करेंगे। वहीं, कांबेक्ट प्रतियोगिता के निर्णायक व तनकीकी स्टाफ भी पहुंच चुके है। शनिवार की शाम आयोजन समिति की एक बैठक एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. सिंह की अध्यक्षता में आयोजित हुई। जिसमें तैयारियों पर चर्चा किया गया। बैठक में सचिव अरूण सिंह पहलवान, कोषाध्यक्ष मुनजी पासवान, उपाध्यक्ष रामचरण सिंह यादव, छोटू सिंह समेत कई अन्य मौजूद रहे। बैठक के बाद श्री सिंह ने बताया कि इस आयोजन की तैयारी पूरी कर ली गई है तथा रविवार को अपने निर्धारित समय पर स्टेट चैंपियनशीप शुरू हो जाएगी। उन्होंने कहा कि यह प्रतियोगिता युवा पहलवानों को अपने कौशल व दमखम दिखाने का बेहतरीन मंच साबित होगा।

तीन चरणों में शुरू होगी जनता एग्रीमेंट यात्रा

डुमरांव। जदयू डुमरांव विधान सभा क्षेत्र के पूर्व विधान सभा प्रभारी रवि उज्जवल कुशवाहा ने जनता एग्रीमेंट यात्रा शुरू करने के लिये 14 अप्रैल 2025 निर्धारित किया था। इस यात्रा में पर्व-त्योहारों को लेकर लगातार नहीं करते हुए तीन चरणों में करने का फैसला किया गया है। इसकी जानकारी देते हुए रवि ने बताया की पहला चरण जो 14 अप्रैल से प्रखंड के नुआंव पंचायत से शुरू होकर छह पंचायत तक जाएगा। फिर चौंगाईं और केसठ पंचायतों में चलेगा। दूसरा चरण में डुमरांव के दो पंचायत के साथ नावानगर के 14 पंचायत शामिल हैं। उसी तरह से तीसरा चरण डुमरांव शहर का 35 वार्ड होंगे, जिसकी सारी तैयरी पूरी कर ली गई है।

ब्लैक शीशे की स्कार्पियो लेकर थाने में आना पड़ा महंगा, एसडीपीओ ने काटा चलान

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव थाने में उस वक्त हडंप मच गया जब एसडीपीओ ने थाना परिसर में पहले से एक स्कार्पियो का चलान कटवा दिया। इस दौरान एसडीपीओ के तेवर देख ओडी पदाधिकारी भी सहमें रहे। एसडीपीओ ने कहा कि किसी को भी नियमों में छूट नहीं दी जाएगी। काला शीशा लगाकर चलना परिवहन नियमों के खिलाफ है।

दरअसल शनिवार को थाने में आयोजित होने वाले जमीन विवाद के दौरान इलाके का एक बड़ा टांसपोर्टर ब्लैक फिल्म वाले स्कार्पियो लेकर थाना में चला आया। वह, थाना परिसर में ही अपनी गाड़ी पार्क कर जमीन विवाद सुलझाने बैठा था। संयोग से इसी दौरान डुमरांव एसडीओ अफाक अख्तर अंसारी चले आए। थाना परिसर में ब्लैक शीशा लगे वाहन को देख एसडीपीओ भड़क उठे। उन्होंने कहा कि यह नियमों के खिलाफ है, इस पर कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने लगे हाथ ओडी पदाधिकारी का बुला उक्त वाहन का चलान काटने तथा उसके वाहन से काले शीशे को उतरवा ही वाहन छोड़ने का निर्देश दिया। उनके इस फरमान के बाद पुलिसकर्मियों में भी हड़कंप मच गया, वहीं उक्त वाहन मालिक भी मायूश हो गया। बहरहाल डुमरांव एसडीपीओ के इस त्वरित ऐक्शन की शहर में चर्चा हो रही है। लोगों को कहना है कि ऐसे पुलिस पदाधिकारी के रहते चाहे कोई कितना भी रसूख वाला क्यों न हो, नियम तोड़ने की हिम्मत नहीं जुटा पाएगा।

नैनीजोर पुलिस टीम पर हमले का आरोपी गिरफ्तार, भेजा जेल

केटी न्यूज/ब्रह्मपुर

नैनीजोर थाने की पुलिस ने एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। गिरफ्तार अभियुक्त घनश्याम तिवारी पिता शिवबदन तिवारी बड़की नैनीजोर का रहने वाला है। उसकी गिरफ्तारी एकडार गांव के समीप से हुई है।

गिरफ्तार आरोपित पर एक बैंक डिफाल्टर को पकड़ने गई पुलिस टीम पर हमला करने का आरोप था। थानाध्यक्ष मो. फिरोज ने बताया कि 30 जनवरी को नैनीजोर थाने की पुलिस टीम स्थानीय गांव निवासी राधाकिशुन तिवारी को पकड़ने गई थी। उस पर दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक से ट्रैक्टर लोन नहीं चूकाने पर कोर्ट द्वारा वारंट निर्गत किया गया था, लेकिन ग्रामीणों ने पुलिस टीम पर हमला कर उन्हें छुड़ा लिया था।

इस हमले में नैनीजोर थाने के पुलिस अवर निरीक्षक हरीचरण राम, कांस्टेबल कुंदन कुमार एवं हवलदार सहित अन्य पुलिस जवान जख्मी हो गए थे। इस मामले में पुलिस ने बारह लोगों के खिलाफ नामजद तथा कुछ अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज किया था। पुलिस ने तत्काल दो लोगों को गिरफ्तार किया था, लेकिन घनश्याम समेत कई अन्य अभियुक्त फरार चल रहे है। थानाध्यक्ष ने बताया कि उसकी गिरफ्तारी गुप्त सूचना पर की गई है। थानाध्यक्ष ने बताया कि फरार चल रहे अन्य अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी की जा रही है।

रसोई गैस, डीजल व पेट्रोल की मूल्य वृद्धि पर कांग्रेस ने फूंका प्रधानमंत्री का पुतला, बोले...

देश को गलत रास्ते पर लेकर चल रहे हैं मोदी

केटी न्यूज/बक्सर

केंद्र सरकार द्वारा घरेलू गैस सिलेंडर, डीजल व पेट्रोल के अचानक दाम बढ़ा देने के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का पुतला दहन किया गया। इस पुतला दहन कार्यक्रम की अध्यक्षता बक्सर कांग्रेस के जिलाध्यक्ष डॉ. मनोज पांडेय ने किया।

पुतला दहन के बाद डॉ. पांडेय ने आमजन मानस को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र में बैठी हुई तानाशाह की सरकार आम जनता के ध्यान को भटकाकर दिग्भ्रमित कर रही है। जनता को बरगला असली मुद्दे से ध्यान हटा रही है। उन्होंने कहा कि महंगाई हटाने का बहाना बनाकर ही मोदी सरकार सत्ता में आई थी, लेकिन आज चहुंओर महंगाई से जनता त्रस्त है।

उन्होंने कहा कि मोदी सरकार गलत निर्णय लेकर देश को बबार्दी की कगार पर पहुंचाने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री एक ओर शासन में आने के पहले महंगाई गैस सिलेंडर किसान सहित विभिन्न मुद्दों को लेकर जनता से समर्थन मांगे थे, लेकिन सारे ध्यान को भटकाकर आम जनमानस के साथ खिलवाड़ करने का काम देश में बैठी हुई मोदी सरकार कर रही है। मोदी सरकार सत्ता में आने के पहले हर परिवार के सदस्यों को 15-15 लाख रुपए देने का वादा किया था। किसानों की आय दुगनी करने, हर साल बेरोजगार युवाओं को 2 करोड़ नौकरी सहित कई वादे किए, लेकिन हर वादे पर मोदी सरकार विफल साबित हुई है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार झूठ की पराकाष्ठा को पार कर चुकी है। देश में हिन्दू-मुसलमान, पाकिस्तान, मंदिर व मस्जिद के नाम पर राजनीति करके लोगों का ध्यान एवं एक दूसरे को लड़ाकर शासन सत्ता पर काबिज रहने का हथकंडा अपना ली है। डॉ. पांडेय ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि देश के कुशल एवं निर्भीक तथा ईमानदार प्रधानमंत्री रहे डॉ. मनमोहन सिंह पर भी टीका टिप्पणी करने में पीछे नहीं हटने वाली भाजपा सरकार आज खुद महंगाई पर काबू पाने में असफल है, इस सरकार को तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए।

पुतला दहन कार्यक्रम में डॉ. प्रमोद ओझा, डॉ. सत्येन्द्र ओझा, वीरेंद्र राम, संजय पांडेय, महिमा उपाध्याय, निर्मला देवी, पुष्पा वर्मा, राजा रमन पांडेय, कुमकुम देवी, संजय कुमार दुबे, रुनी देवी सहित कई अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता एवं समाजसेवी उपस्थित थे।

बक्सर में आयोजित भगवत कथा में पूज्य श्रीदेवकीनंदन ठाकुर जी महाराज ने की गंगा को साफ करने की अपील, कहा-

मां गंगा को स्वच्छ बनाए रखना हम सबकी जिम्मेदारी

- नरेन्द्र मोदी के पीएम बनने के बाद धर्म के प्रति बोलने का मिला है साहस व सामर्थ्य : सतीश दूबे
- केन्द्रीय कोयला व खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दूबे हुए कथा में शामिल

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर में पूज्य श्री देवकीनंदन ठाकुर जी महाराज का भगवत कथा जारी है।

कथा के दौरान महाराज श्री ने कहा कि यदि हर नेता धार्मिक और नैतिक मूल्यों से युक्त हो, तो भारत निश्चय ही एक बार फिर विश्व गुरु बन सकता है। उन्होंने धर्म का अर्थ केवल पूजा-पाठ या रीति-रिवाजों तक सीमित न रखते हुए, इसे एक जीवन पद्धति बताया। जो सत्य, अहिंसा, सेवा, और न्याय पर आधारित हो। आज की कथा में भारत सरकार के कोयला एवं खान राज्यमंत्री सतीश चन्द्र दुबे शामिल होकर व्यासपीठ का आशीर्वाद प्राप्त कर कथा श्रवण किया एवं कथा पंडाल में उपस्थित भक्तों को संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि हम भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का साधुवाद करते हैं जिनके आने के बाद सभी सनातनियों के मन में धर्म के प्रति बोलने का साहस और सामर्थ्य उत्पन्न हुआ है। उन्होने अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भी भारतीयता और सनातन मूल्यों को गर्व से प्रस्तुत किया है। उनके कार्यकाल में अयोध्या में श्रीराम मंदिर का निर्माण, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, महाकाल लोक जैसे ऐतिहासिक धार्मिक स्थलों का पुनरुत्थान और संरक्षण हुआ, जो भारत के सांस्कृतिक पुनर्जागरण का प्रतीक हैं। हमें धर्म और देश के लिए संघर्ष करने वाले नेताओं के साथ खड़ा होना चाहिए। जो नेता रात के दो बजे तक देश, धर्म, और संस्कृति की रक्षा के लिए लड़ते हैं, उनके लिए हमें भी 24 घंटे तत्पर रहना चाहिए। ठाकुरजी महाराज ने कहा कि हमें तन, मन और धन से भगवान की भक्ति करनी चाहिए। जब हम भगवान की कथा सुनने बैठते हैं, तो वह समय केवल श्रवण का नहीं, आत्मा के उत्थान का होता है। कभी भी कथा को बीच में छोड़कर नहीं जाना चाहिए, क्योंकि वह क्षण स्वयं भगवान का आह्वान होता है।

यदि मन में शांति है, तो संसार में भी शांति है। संसार की सभी समस्याओं की जड़ हमारे भीतर की अशांति है। जब मन भगवान में स्थिर होता है, तब संसार की सभी चिंताए गौण हो जाती हैं। उन्होंने कहा कि जिसने 22 एकादशियों का व्रत श्रद्धा और नियमपूर्वक कर लिया, उसे यमराज भी छूने का सामर्थ्य नहीं रखते। एकादशी व्रत आत्मशुद्धि और मोक्ष का सीधा मार्ग है। इसलिए हर सनातनी को एकादशी व्रत अवश्य रखना चाहिए। यह केवल शरीर का उपवास नहीं, बल्कि आत्मा का उत्सव है। उन्होंने माता-पिता से आग्रह किया कि अपने बच्चों को सादा, सात्विक भोजन दें, और उन्हें धर्म, व्रत, पूजा जैसे संस्कारों से जोड़ें। बच्चों में यदि बचपन से ही व्रत-नियम का भाव डाला जाए, तो वे जीवन भर सद्मार्ग पर चलेंगे। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री सतीश चंद्र दुबे के अलावे दिल्ली के सांसद व सिने स्टार मनोज तिवारी समेत सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

गंगा में स्नान करने से पापों का होता है क्षय

वहीं, ठाकुर जी महाराज ने कहा कि गंगा जी के जल में स्नान करने से जन्मों-जन्मों के पापों का क्षय होता है और व्यक्ति को मोक्ष की ओर मार्गदर्शन प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि आज कुछ लोग गंगा जी की पवित्रता को भंग कर रहे हैं। वे गंगा जल में पूजा सामग्री, प्लास्टिक, कूड़ा-कचरा और अन्य गंदगी डाल देते हैं, जिससे यह पावन नदी भी प्रदूषित होती जा रही है। कुछ लोग तो गंगा जी में बर्तन और कपड़े धोते हैं, जिससे न केवल जल अशुद्ध होता है, बल्कि यह धार्मिक अपमान भी है। महाराज श्री ने श्रद्धालुओं से विनम्र अपील की कि गंगा को केवल नदी नहीं, मां समझें। जिस प्रकार हम अपनी माता के पास गंदगी नहीं फेंकते, उसी प्रकार हमें गंगा माता का भी सम्मान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि पूजा सामग्री प्लास्टिक व कूड़े को गंगा से दूर रखें। गंगा की स्वच्छता हमारी जिम्मेदारी है, और यह कार्य भी एक प्रकार का पुण्य और राष्ट्रसेवा है।

श्री देवकीनंदन जी का डुमरांव में हुआ भव्य स्वागत

डुमरांव। अंतर्राष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त संत और श्रीमद्भागवत कथावाचक श्री देवकीनंदन ठाकुर जी महाराज का शनिवार को डुमरांव आगमन पर भक्तों ने श्रद्धा, उल्लास और भक्तिपूर्ण तरीके से जोरदार स्वागत किया। नया थाना के समीप से उनका काफिला स्टेशन रोड, गोला रोड व चौक रोड होते हुए राजगढ़ स्थित बांके बिहारी मंदिर पहुंचा, जहां उन्होंने मंदिर में विराजमान बांके बिहार का दर्शन व पूजन किया। इस दौरान सैकड़ों की संख्या में महिला व पुरुष श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। नगर भ्रमण के दौरान लोगों ने उन पर पुष्प वर्षा कर जगह-जगह अंग वस्त्र देकर उनका डुमरांव की भूमि पर स्वागत किया। इस दौरान नगरवासियों में भारी उत्साह देखने को मिला। हरि बोल और राधे-राधे के जयघोष से वातावरण गूंज उठा। महिला और पुरुष श्रद्धालु उनके दर्शन को आतुर दिखाई दिए। देवकीनंदन ठाकुर जी महाराज ने भी सभी भक्तों का अभिवादन स्वीकार किया।

डुमरांव के वुड स्टॉक स्कूल पहुंचे देवकीनंदन ठाकुर जी

डुमरांव। बक्सर में कथावाचन करने आए अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक देवकीनंदन ठाकुर शनिवार को डुमरांव पहुंचे। इस दौरान वे नगर के चाणक्या कॉलोनी स्थित न्यू वुड स्टॉक स्कूल परिसर भी गए। यहां पहुंचते ही विद्यालय के डायरेक्टर राजीव कुमार उर्फ बब्लू पाठक ने पुष्प वर्षा व माल्यापर्ण कर उनका जोरदार स्वागत किया। वहीं, स्कूल के शिक्षकों तथा छात्रों ने राधे-राधे के करतल ध्वनियों से उनका अभिवादन किया।

इस दौरान देवकीनंदन ठाकुरजी महाराज ने शिक्षकों व छात्रों को संबोधित करते हुए नैतिक शिक्षा का महत्व बताया और कहा कि धर्म व संस्कृति की रक्षा के लिए जरूरी है कि हम अपने बच्चों को नैतिक शिक्षा दे तथा उन्हें पढ़ाई के साथ ही माता-पिता, गुरू व अपने श्रेष्ठजनों का आदर करना सिखाए। कथावाचक ने कहा कि बच्चों को संस्कारयुक्त शिक्षा देकर ही देश को फिर से विश्वगुरू बना सकते है।

देवकीनंदन जी महाराज ने बाबा ब्रह्मेश्वर नाथ मंदिर में की पूजा

केटी न्यूज/ब्रह्मपुर

ब्रह्मपुर प्रखंड अंतर्गत प्रसिद्द बाबा ब्रह्मेश्वरनाथ मंदिर में शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय कथावाचक श्री देवकीनंदन जी महाराज ने पूजा अर्चना कर आशीर्वाद लिया।

महाराज जी सुबह 10 बजे ब्रह्मपुर धाम स्थित बाबा ब्रह्मेश्वर नाथ मंदिर पहुंचे। इस दौरान मंदिर परिसर में देवकीनंदन के दर्शन के लिए महिला एवं पुरुष श्रद्धालुओं की भारी भीड़ इकठ्ठी हो गई थी। विधि व्यवस्था संभालने के लिए थाना प्रभारी सुरेश चौधरी स्वयं मंदिर परिसर में मौजूद थे। गंगा समग्र दक्षिण बिहार के प्रांत संयोजक शंभू पांडेय, मंदिर के पुजारी चिंताहरण पांडये, विवेकानंद पांडेय, डमरू पांडेय, सुशील ओझा, तुलसी विचार मंच के संयोजक शैलेश ओझा द्वारा अंगवस्त्र और मोमेंटो देकर उनका स्वागत किया।

श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। मंदिर के विद्वान पंडितों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधिवत पूजन करवाया गया। इस बीच पूरा मंदिर परिसर हर हर महादेव के नारों से गुंजायमान हो रहा था। इस अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय कथावाचक देवकीनंदन जी ने शिव जी को एक सर्वव्यापी, दयालु, और कल्याणकारी भगवान बताया। उनके अनुसार, शिवजी भक्तों के कष्टों को दूर करने वाले और उन्हें सही मार्ग दिखाने वाले हैं। शिवजी भक्तों पर अपनी कृपा बरसाते हैं और उन्हें हर परेशानी से बचाते हैं।

तुलसी विचार मंच के संयोजक और पर्यावरण कार्यकता शैलेश ओझा ने श्री देवकीनंदन महाराज को तुलसी आश्रम रघुनाथपुर स्थित महाकालेश्वर मंदिर का मोमेंटो उपहारस्वरूप देकर महाराज जी को तुलसी स्थान आने का निमंत्रण भी दिया। उन्होंने बताया कि तुलसी आश्रम ऐतिहासिक और पौराणिक महत्व वाला रमणीय जगह है। संत तुलसीदास जी महाराज ने रघुनाथपुर प्रवास के दौरान यही रहकर रामचरित मानस के कुछ अंशों की रचना की थी। यहां प्राचीन राम जानकी मंदिर के अलावा तुलसीदास की मूर्ति भी स्थापित है। हाल ही में यहां बहुत ही सुंदर और भव्य महाकाल के मंदिर का निर्माण भी हुआ है।

महासंघ गोपगुट के राज्य अध्यक्ष बने निरंजन सिन्हा एवं सचिव लवकुश सिंह

केटी न्यूज/बक्सर

बिहार राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ गोप गुट का नगर भवन में तीन दिवसीय 23वां राज्य सम्मेलन राज्य स्तरीय इकाई की घोषणा के साथ संपन्न हुआ। इसके पूर्व तीन दिनों तक महासंघ के पूरे प्रदेश से जुटे कर्मी नेताओं ने चर्चा में कर्मियों की समस्याओं पर विस्तृत रूप से चर्चा किया। साथ ही, आगे के सत्र में किये जाने वाले आंदोलन व समस्याओं को दूर करने की लड़ाई पर गहन रूप से विचार किया। वहीं महासचिव के प्रतिवेदन पर सभी प्रतिनिधियों ने पूरे सत्र के दौरान अपनी बातों को रखा।

तीन दिवसीय सम्मेलन में विभिन्न जिलों एवं सम्बद्ध संघ- यूनियन के 50 से भी अधिक प्रतिनिधियों, प्रेक्षकों ने तीन दिनों में कर्मचारियों-शिक्षकों के समस्याओं पर विस्तार से विचार रखा। अंत में नई राज्य कमिटी का गठन किया। जिसमें निरंजन कुमार सिन्हा को अध्यक्ष, प्रेमचंद कुमार सिन्हा को महासचिव तथा लवकुश सिंह को राज्य सचिव, नितेश आनंद को कोषाध्यक्ष पद पर निर्वाचित किया गया। उनके अलावे पांच उपाध्यक्ष, पांच राज्य सचिव, मुख्य संरक्षक, सम्मानित अध्यक्ष, छह सदस्यीय सलाहकार मण्डल, दो सदस्यीय संघर्ष कोष पर्षद, निर्वाचित किये गये। इस अवसर पर महासंघ गोप गुट के राज्य सचिव लवकुश सिंह ने बताया कि शनिवार 12 अप्रैल को महासचिव एवं कोषाध्यक्ष के प्रतिवेदन पर प्रतिनिधि, प्रेक्षक के विचार रखने के बाद राज्य कमिटी के कई वरीय नेताओं यथा रामबली प्रसाद, महेंद्र राय, जियालाल प्रसाद, नागेंद्र सिंह, शत्रुघ्न प्रसाद सिंह, उमेश कुमार सुमन, भूपेंद्र कुमार लाल, उमेश शर्मा, सूर्यवंशी सिंह आदि ने बात रखा। उसके बाद पुरानी कमिटी को भंग किया गया एवं तीन सदस्यों की चुनाव कमिटी जिसमें माधव प्रसाद सिंह, ललन सिंह एवं अभय कुमार पाण्डेय की गठित की गयी। उनकी देख रेख में अगले सत्र के लिए चुनाव सम्पन्न हुआ। सम्मेलन में नव निर्वाचित पदाधिकारियों को अंग वस्त्र देकर एवं पुष्प का माला पहनाकर सम्मानित किया गया।

पीएम इंटर्नशिप योजना के तहत युवाओं को किया जाएगा प्रशिक्षित

केटी न्यूज/बक्सर

कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय भारत सरकार द्वारा बजट 2024-25 की घोषणा की अनुपालन में प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना प्रारंभ की गई है। इस योजना के तहत 21 से 24 वर्ष आयु के एक करोड़ युवाओं को टॉप 500 कंपनियों के साथ व्यापार अनुभव सीखने के लिए एक वर्ष तक इंटर्नशिप के रूप में कार्य करने का अनुभव प्रदान करेगा। इसका संचालन नप के माध्यम से किया जाएगा।

इसको लेकर ऑन लाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसके लिए शैक्षणिक योग्यता इंटर से स्नातक एवं कंप्यूटर में डिप्लोमा करने वाले युवाओं को मौका मिलेगा। इंटर्नशिप के दौरान 12 माह तक सरकार द्वारा चयन के बाद अभ्यर्थियों को पांच हजार रुपए प्रतिमाह दिया जाएगा। इसके साथ ही चयन होने के साथ ही छह हजार रुपए अभ्यर्थी को दिया जाएगा। वहीं युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए इस योजना की शुरूआत की गई है। इस योजना से वह भविष्य में एक सफल कार्मिक व एक सफल बिजनेसमैन के रूप में विकसित हो सके।

एईएस को ले आशाओं को किया जा रहा प्रशिक्षित

बक्सर। बढ़ती गर्मी को देखकर आगामी दिनों में चमकी बुखार के संक्रमण की संभावना है। इसके तहत डीएम अंशुल अग्रवाल के निर्देश पर जिले में सभी प्रखंडों में एएनएम, आशा फैसिलिटेटर व आशा कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। ताकि, एईएस/चमकी बुखार के संक्रमण को रोका जा सके। साथ ही, प्रभावित बच्चों को समय से इलाज मुहैया कराया जा सके।

सड़क निर्माण का काम बंद, हो रही परेशानी

केटी न्यूज/डुमरांव

नगर को सुव्यवस्थित करने के लिये नाली, गली और पीसीसी रोड का निर्माण किया जा रहा है। निर्माण में अनियमितता बरतने की शिकायत मिल रही है। किसी-किसी वार्ड में संवेदक के द्वारा रोड पर ही रोड बनाना शुरू कर दिया जाता है।

इसकी शिकायत लोगों के द्वारा किये जाने पर पहले के खराब पीसीसी रोड को उखाड़कर नये रोड की ढलाई की जा रही है। इसी तरह से नप के वार्ड 22 में पीसीसी रोड का निर्माण किया जा रहा था, जिसमें अनियमितता बरतने की शिकायत की गई थी। शिकायत करने के बाद प्रशासन हरक्कत में आया और काम बंद करा दिया। रोड बनाने का काम लगभग 20-25 रोज से बंद है। इधर पीसीसी निर्माण के लिये रोड की ऊंचाई बढ़ाने के लिये ईंट का टूकड़ा और पीसीसी रोड के उखाड़े गए मलवा को रोड पर गिरा दिये जाने से लोगों को आने-जाने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मोहल्लेवासियों द्वारा इसकी शिकायत नप में करने के बाद भी काम पूरा करने की दिशा में कोई पहले नहीं की गई है। रोड पर मलवा गिरा दिये जाने से मोहल्ले की महिलाओं और स्कूल जाने वाले बच्चों को भारी परेशानी होती है। इतना ही नहीं इससे सटे एक और उत्तर की तरफ निकलता है, उसकी भी स्थिति इसी तरह की बनी हुई है। जो रोड का मलवा है, उसी रोड में फेंक दिया गया है। रोड के ऊंच-नीच हो जाने से वाहनों को इस रोड से गुजरने में भी परेशानी होती है। ऐसे में सहज अनुमान लगाया जा सकता है कि मोहल्ले में रहने वाले लोग कितने परेशान हैं।

सरेंजा में आयोजित हुई कुश्ती प्रतियोगिता, पहलवानों के दांव पेंच पर खूब बजी तालियां

ग्रामीण क्षेत्र में खेल को बढ़ावा देने के लिए मैदान के साथ संसाधन भी जरूरी: पूजा देवी

केटी न्यूज/चौसा

चैत्र पूर्णिमा सह महावीरी पूजा के अवसर पर प्रखंड के सरेंजा स्थित बजरंग मंदिर परिसर स्थित अखाड़े पर शनिवार को प्रति वर्ष की भांति विराट दंगल का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बिहार केशरी, दिल्ली, अयोध्या, वाराणसी, आजमगढ़, राजगीर, बलिया, गाजीपुर, मऊ सहित कई जिलों के नामी-गिरामी पहलवानों ने भाग लिया। साथ ही महिला कुश्ती का आयोजन भी आकर्षण का केंद्र रहा।

प्रतियोगिता का उद्घाटन अरुण पहलवान और जिला परिषद सदस्य पूजा देवी ने पहलवानों से हाथ मिलाकर किया। इस अवसर पर पूजा देवी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में खेल के लिए मैदान और संसाधनों की उपलब्धता जरूरी है, तभी प्रतिभाएं आगे बढ़ सकेंगी।

दंगल में दिल्ली अखाड़ा के शमशेर पहलवान, बिहार केशरी भोला पहलवान और अयोध्या के बाबा बजरंगी विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। हालांकि, इन पहलवानों की कुश्तियाँ निर्णायक नहीं हो सकीं। कई मुकाबले बराबरी पर छूटे, लेकिन पहलवानों ने अपने दांव-पेंच से दर्शकों की खूब तालियाँ बटोरीं। वहीं कुछ मुकाबलों में नामी पहलवानों को मिनटों में हार का सामना करना पड़ा और विजेता पहलवानों ने हजारों रुपये के इनाम भी जीते।

महिला कुश्ती में राजगीर की पहलवानों का दबदबा इस बार दंगल में महिला कुश्ती भी आयोजित की गई, जिसमें राजगीर, बक्सर, मऊ (यूपी) सहित अन्य स्थानों की महिला पहलवानों ने भाग लिया। राजगीर की काजल ने बक्सर की शिवांगी को हराया, जबकि पल्लवी ने मऊ की सपना यादव को पटखनी दी। अन्य मुकाबलों में भी राजगीर की महिला पहलवानों का प्रदर्शन शानदार रहा।

निर्णायक और आयोजक मंडली इस कुश्ती प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका देवराज सिंह यादव ने निभाई, जबकि उद्घोषणा की जिम्मेदारी बबलू चंदौली और बाबा अयोध्या ने संभाली। आयोजन समिति में संजय यादव, राकेश कुमार, मुन्ना यादव, चुनमुन यादव, रामनिवास यादव, राजू प्रसाद, पंकज राय, उपेंद्र सिंह, अनिल चौधरी और आनंद पहलवान समेत कई लोग सक्रिय रूप से शामिल रहे।

बक्सर एसपी समेत शाहाबाद के चार जिलों के 35 पुलिसकर्मी समेत पांच नागरिक सम्मानित

♦ बक्सर जिले में हत्या के सफल उद्भेदन पर तत्कालीन एसपी मनीष व एसडीपीओ धीरज कुमार हुए सम्मानित

केटी न्यूज/रोहतास

अब बेहतर पुलिस कर्मियों के साथ साथ बिहार पुलिस आम नागरिकों को सम्मानित करेगी। इसकी शुरूआत शाहाबाद रेंज के डीआईजी सत्य प्रकाश के कार्यालय से की गई है। शनिवार को शाहाबाद पुलिस रेंज के चारों जिलों रोहतास, भोजपुर, बक्सर व कैमूर में बेहतर कार्य करने वाले 35 पुलिस कर्मियों व पांच नागरिकों को डीआईजी सत्य प्रकाश ने सम्मानित किया।

मुख्यालय के निर्देश पर सम्मानित होने वाले पुलिस अधिकारियों में रोहतास जिला बल के 12, बक्सर के 10, कैमूर जिला बल के 13 पुलिस कर्मी शामिल हैं। जिन्होंने घटना के उद्भेदन में बेहतर कार्य किया था। वहीं बक्सर जिले के दो नागरिकों, भोजपुर जिले के तीन नागरिकों को भी पुलिस के सहयोग के लिए सम्मानित किया गया। बताया कि रोहतास जिला बल के एसपी राहुल कुमार के नेतृत्व में बिक्रमगंज थाना क्षेत्र में दो लोगों की गोली मार कर हत्या करने से संबंधित गठित विशेष टीम द्वारा तकनीकी साक्ष्य के आधार पर घटना में शामिल तीन आरोपितों को गिरफ्तार करने के लिए सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वाले टीम के अन्य सदस्यों में पुलिस निरीक्षक ललन प्रसाद, बृजेश कुमार सिंह, सुशांत कुमार मंडल, सिपाही अमरेश कुमार, सुनील कुमार, मुकेश कुमार, राजीव रंजन कुमार, अविनाश कुमार, अमित कुमार, धर्मेंद्र कुमार, पंकज कुमार पांडेय शामिल हैं। इन्हें नगद राशि और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। वहीं बक्सर जिले की बक्सर थाना में जमीनी विवाद को लेकर मारपीट में एक की मौत हो गई थी। मामले में गठित टीम में शामिल बक्सर के एसपी मनीष कुमार, एसडीपीओ सदर धीरज कुमार, पुलिस निरीक्षक सुधीर कुमार, राकेश कुमार, अरविंद कुमार, यूसुफ अंसारी, मंगलेश कुमार मधुकर, एसआई विकास कुमार, चंदन कुमार व सिपाही विकास कुमार को प्रशस्ति पत्र व नगद राशि देकर सम्मानित किया। कैमूर जिले की दो मामलों के उद्भेदन में एसपी ललित मोहन शर्मा, भभुआ एसडीपीओ शिव शंकर कुमार को प्रशस्ति पत्र और पुलिस निरीक्षक अवधेश कुमार, सिपाही टिंकू कुमार, बंटी शर्मा, कृष्ण मुरारी कुमार को प्रशस्ति पत्र व नगद राशि देकर सम्मानित किया। एक अन्य मामले में पुलिस निरीक्षक संजय कुमार रजक, एसआई विकास कुमार, सिपाही अमिनुल हक, अरुण कुमार, रवि राजन अकेला, कृष्ण मुरारी कुमार को सम्मानित किया गया। भोजपुर जिले की तीन नागरिकों को भी सम्मानित किया गया है। मौके पर रोहतास एसपी रौशन कुमार, कैमूर के हरिमोहन शुक्ला, बक्सर के शुभम आर्य व भोजपुर के श्री राज शामिल थे।

बड़हरा में नेताओं ने विस चुनाव में एनडीए की जीत की भरी हुंकार

2025 में 225 पार का आंकड़ा पार करेंगे: अमरेन्द्र प्रताप सिंह

♦ बखोरापुर में भाजपा का बड़हरा विधानसभा सक्रिय कार्यकर्ता सम्मेलन हुआ संपन्न

केओ न्यूज/आरा

बड़हरा विधानसभा के बखोरापुर गायत्री होटल परिसर में बड़हरा विधानसभा सक्रिय कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम बड़हरा विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह के नेतृत्व मे सफल आयोजन हुआ।

कार्यकर्ता सम्मेलन में बतौर मुख्य वक्ता आरा विधायक पूर्व मंत्री अमरेन्द्र प्रताप सिंह शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पं. दीनदयाल उपाध्याय के तैलीय चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। उसके बाद वंदेमातरम के सामुहिक गान के साथ कार्यक्रम की शुरूआत की गई। सभी मंडल अध्यक्षो द्वारा आगत अतिथियों का भव्य माला पहना कर स्वागत किया गया। सम्मेलन मे आए सभी अतिथियों व कार्यकताओं का अंगवस्त्र के साथ स्वागत किया गया।

भाजपा एक पार्टी नहीं विचारधारा है: कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता अमरेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की नीति जनसंघ काल से ही राष्ट्र सर्वोपरि रहा है। भाजपा एक पार्टी नहीं विचारधारा है। यह अन्य पार्टियों से विशेष है। विशेष इसलिए है कि लोकतंत्र मे सभी पार्टियां कहती है,लेकिन कोई जरूरी नही कि वह करेगी,लेकिन भाजपा जो कहती है वह कर के दिखाती है। देश मे एक निशान एक प्रधान कहने वाली पार्टी ने धारा 370 को हटा दिया। मंदिर वहीं बनाएंगे के नारे लगाने पर लोग कहते थे कि तारीख नहीं बताएंगे, लेकिन मंदिर भी बना और तारीख भी तय हुआ। देश में एक कानून लागू करने के लिए हम प्रयत्नशील है। भाजपा कार्यकताओं की पार्टी है और कार्यकताओं के बल पर ही हम जीतते है। 2025 बिहार विधानसभा चुनाव मे हम अवश्य 225 का आंकड़ा पार करेंगे और इसमें एक सीट बड़हरा का भी रहेगा।

यह कार्यकर्ता सम्मेलन ऐतिहासिक रहा: वहीं बड़हरा विधायक और कार्यक्रम के नेतृत्वकर्ता पूर्व मंत्री राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि आज का यह कार्यकर्ता सम्मेलन ऐतिहासिक रहा। ऐसा सम्मेलन बिहार में बड़हरा में सबसे अधिक सफल रहा। आज आप ही लोगों की बदौलत भाजपा विश्व की बड़ी पार्टी है। देश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और बिहार में एनडीए नेता मुख्यमंत्री नीतिश कुमार का संकल्प कि 2047 तक देश विकसित राष्ट्र होगा। यह संकल्प पूरा होते हुए दिख रहा है। आज देश और बिहार में प्रत्येक क्षेत्र मे विकास हो रहा है.हमारे देश के प्रधानमंत्री का नेतृत्व विश्व ने तब माना जब कोरोना के समय मे लोग ऑक्सीजन के लिए तबाह थे और विश्व में लोगों की जान बचानी मुश्किल थी। हमारे देश ने उस समय कोरोना का टीका लगा कर देश सहित विश्व के करोड़ों लोगों की जान बचायी। आयुष्मान योजना से आज गरीबो को मुफ्त मे पांच लाख तक का ईलाज हो रहा है। आज सभी गरीबो को मुफ्त मे पांच किलो अनाज मिल रहा है। सभी जगह सड़को का जाल बिछ गया है। बहुत तेजी से देश और बिहार आगे बढ रहा है। उन्होंने पूर्व ऊर्जा मंत्री आर के सिंह का नाम लेते हुए कहा कि जब आरके सिंह देश के ऊर्जा मंत्री बने साथ ही हमारे लोकसभा क्षेत्र के प्रतिनिधि भी थे, तब भोजपुर, बिहार ही नहीं पूरे देश में घर-घर बिजली पहुंच गया। आज बिजली कटने पर लोग आश्चर्यचकित होते है। उन्होंने कहा कि लालबिहारी मे कितना भी अवगुण हो, लेकिन बड़हरा की जनता ने दिखा दिया कि बड़हरा का सर्वमान्य नेता जनता का हितैषी राघवेन्द्र प्रताप सिंह ही है।

उद्योगपति भाई की हत्या का आरोपी गिरफ्तार

आरा। जिले के बखोरापुर गांव निवासी उद्योगपति अजय कुमार सिंह के बड़े भाई शैलेश सिंह की हत्या मे मामले मे पुलिस ने अप्राथमिकी अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। गिरफ्तार आरोपित कृष्णगढ़ थाना क्षेत्र के गुंडी गांव निवासी मनोज कुमार सिंह है। गिरफ्तार आरोपित की ओर से हाल में ही एक मोबाइल पर बात करने के दौरान अजय सिंह के बड़े भाई की हत्या करने की बात कही गई थी। इसका ऑडियो वायरल हुआ था। उद्योगपति की ओर से ऑडियो पुलिस प्रशासन को दिया गया था। इसके बाद पुलिस ने इस ऑडियो की जांच करते हुए आरोपित को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। थानाध्यक्ष शैलेश्वर प्रसाद ने बताया कि ऑडियो और प्राप्त आवेदन की जांच की जा रही है। इसी आधार पर मनोज कुमार सिंह को शैलेश सिंह की हत्या के मामले में अप्राथमिकी अभियुक्त बनाते हुए उसे जेल भेज दिया गया है। हालांकि धमकी का मामला बक्सर जिले का है। उधर, अपने बड़े भाई की हत्या करने का ऑडियो मिलने और फोन पर खुद को जान से मारने की धमकी को लेकर उद्योगपति ने बड़हरा थाने में शुक्रवार की शाम लिखित आवेदन दिया था।

@बक्सर: उत्पाद विभाग की टीम पर फायरिंग सीसीटीवी फुटेज से होगी अपराधी की पहचान

केटी न्यूज/बक्सर

जिले के शराब तस्करों का मनोबल बढ़ता ही जा रहा है। शराब तस्कर पर पुलिस व उत्पाद विभाग पर हमला बोलने लगे हैं। शनिवार को नगर थाना क्षेत्र के राज घाट पर कुछ ऐसा ही मामला प्रकाश में आया है। इसमें शराब तस्कारों ने छापेमारी को पहुंची उत्पाद विभाग की टीम पर शराब तस्करों ने तबातोड़ फायरिंग की। हालांकि, हमले में कोई भी पुलिस कर्मी जख्मी नहीं हुए, लेकिन इस वारदात से आम लोगों में दहशत का माहौल है।

वहीं, उत्पाद विभाग के सूत्रों की मानें तो पिछले कई दिनों से गुप्त सूचना मिल रही थी कि देर रात होते ही शराब तस्कर नावों के माध्यम से जहाज घाट, राज घाट समेत अन्य घाटों पर आए दिन शराब से लदी नावों को पार करा रहे हैं, जिसको लेकर उत्पाद विभाग की टीम टोह में लगी हुई थी। इस बीच शनिवार की अहले सुबह सूचना मिली की नगर थाना क्षेत्र के राज घाट पर शराब से लदी नाव आने वाली है। इसके बाद छापेमारी के लिए उत्पाद विभाग के अधिकारियों के निर्देश पर गठित टीम ने घेराबंदी की। इस क्रम में थोड़ी देर बाद ही तस्करों की नाव राज घाट पहुंची, लेकिन जैसे ही उत्पाद विभाग की टीम आगे बढ़ी शराब तस्करों ने टीम पर तबातोड़ फायरिंग शुरू कर दी। वारदात में अपराधियों ने टीम के शामिल अधिकारियों व कर्मियों पर निशाना लगाते हुए पांच राउंड गोलियां चलाई गईं। हालांकि, फायरिंग की इस घटना में किसी को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। घटना के बाद अंधेरे का फायदा उठाते हुए शराब तस्कर भागने में सफल हो गए। इसके बाद वरीय पदाधिकारियों को इस घटना की जानकारी दी गई। मौके से उत्पाद विभाग की पुलिस ने शराब से भरी दो बोरियां एवं छात्र संघ लिखी हुई निले रंग की यूपी नंबर की पल्सर बाइक जब्त की गई है। जिसके आधार पर तस्करों की पहचान की जा रही है।

वहीं, घटना की सूचना मिलने पर नगर थानाध्यक्ष मनोज सिंह दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और छानबीन शुरू की। मामले में थानाध्यक्ष ने बताया कि कुछ तस्करों की पहचान कर ली गई है। बक्सर जिले में लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से आरोपियों की पहचान की गई है। जिसके तहत उनके संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। पुलिस जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लेगी।

रोहतास में कार की टक्कर से डॉक्टर की मौत

केटी न्यूज/सासाराम

रोहतास के डेहरी नगर थाना क्षेत्र में सिक्स लेन कोल डिपो के पास एक सड़क हादसा हुआ। झारखंड नंबर की वरना कार ने एक बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई।

मृतक की पहचान रविंद्र सिंह के रूप में हुई। वह अकोढ़ीगोला थाना क्षेत्र के कौंआखोंच गांव के रहने वाले थे। रविंद्र तेंदुआ बोरिंग के पास अंशिका मेडिकल नाम की दवा की दुकान चलाते थे। वह डेहरी से होलसेल दवाएं लेकर अपनी दुकान जा रहे थे। हादसे के बाद बाइक कार में फंस गई। कार चालक भागने के चक्कर में बाइक को करीब 500 मीटर तक घसीटता रहा। इसके बाद कार छोड़कर मौके से फरार हो गया। मौके पर मौजूद लोगों ने रविंद्र को एंबुलेंस से अनुमंडलीय अस्पताल, डेहरी पहुंचाया। डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मृतक के परिवार में पत्नी अशर्फी देवी, मां बनिया देवी और चार बच्चे हैं। दो बेटे ज्योतिष और नीतीश व दो बेटियां सीता और गीता हैं। मौत की खबर सुनते ही परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने दुर्घटना में शामिल कार (नंबर खल्र10उइ 0052) को जब्त कर लिया है। थानाध्यक्ष के अनुसार फरार चालक की पहचान की जा रही है। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा गया है।

कैमूर के युवक का रोहतास में मिला शव

सासराम। जिले के कोचस थाना क्षेत्र एनएच-319 पर डांगरा पुल के पास शनिवार को यह शव सड़ी-गली हालत में मिला। मृतक की पहचान कैमूर के लोनार गांव निवासी लालू शाह के रूप में हुई है। मौके पर पहुंचे एसडीपीओ कुमार वैभव और थाना अध्यक्ष रंजीत कुमार सिन्हा ने जांच की। मृतक के पास से मोबाइल, डायरी और पर्स मिला, जिससे उसकी पहचान संभव हो सकी। थाना अध्यक्ष के अनुसार, शव करीब चार दिन पुराना लग रहा है। मृतक के पास से सल्फास की डिब्बी मिलने से आत्महत्या की आशंका है। हालांकि, चश्मदीदों का कहना है कि युवक के शरीर पर मोबिल ऑयल डालकर जलाया गया है।

पुराना भोजपुर में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हुई हनुमानजी के प्रतिमा का प्राण प्रतिष्ठा

भक्ति गीतों और जयकारे से गूंजा पूरा इलाका

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव नगर परिषद के विस्तारित क्षेत्र अंतर्गत पुराना भोजपुर स्थित वार्ड संख्या एक के महावीर मंदिर में महावीर जी के मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा का भव्य आयोजन किया गया। इस आयोजन की अध्यक्षता वार्ड पार्षद प्रतिनिधि धर्मेंद्र सिंह ने की। प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के उपलक्ष्य में एक विशाल शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। शोभायात्रा महावीर मंदिर मठिया से प्रारंभ होकर विभिन्न मार्गों से होते पुराना भोजपुर के काली मंदिर तक पहुंची। इस दौरान श्रद्धालुओं ने भक्ति गीतों और जयकारों के साथ पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। शोभायात्रा के दौरान जगह-जगह लोगों ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया और भंडारे का आयोजन कर प्रसाद वितरित किया।

मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधिवत पूजन-अर्चन किया गया। इस पावन अवसर पर समिति के सदस्यों सहित स्थानीय गणमान्य लोग, समाजसेवी एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि यह कार्यक्रम सामाजिक एकता, धार्मिक आस्था और लोक सहभागिता का अद्भुत उदाहरण है। उन्होंने बताया कि महावीर मंदिर को क्षेत्र का एक प्रमुख धार्मिक केंद्र बनाया जाएगा, जहाँ नियमित पूजा-अर्चना, सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। वार्ड पार्षद प्रतिनिधि अमित चौरसिया ने बताया कि पूरे आयोजन में समिति के सदस्यों ने अनुशासन और व्यवस्था का उत्कृष्ट परिचय दिया, जिससे कार्यक्रम सफल और भव्य रूप में संपन्न हो सका।

चौगाईं पहुंची किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर

चौगाईं। किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर गंगेश्वरी नंद गिरी शनिवार को चौगाईं पहुंची। इस दौरान उनका जोरदार स्वागत हुआ। उनके दर्शन के लिए चौगाईं में लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी थी। इस संबंध में उन्होंने बताया कि वे भोजपुर जिले में किसी माता के मंदिर की भूमि पूजन में आई थी, लौटने के दौरान उनका कारवां चौगाईं पहुंचा। जहां लोगों के द्वारा किए गए स्वागत से वे अभिभूत थी।

संक्षिप्त समाचार

हाइटेंशन तार के संपर्क से ट्रेलर और पॉकलेन जलकर राख

लोहरदगा, एजेंसी। प्रखंड क्षेत्र के बदला रोड में 11हजार वोल्ट हाइटेंशन तार के संपर्क में आने से मालवाहक ट्रेलर और पोकलेन जलकर राख हो गया। घटना में चालक एवं पॉकलेन मशीन के ऑपरेटर बाल-बाल बच गए। घटना लोहरदगा जिला अंतर्गत सेन्हा थाना क्षेत्र के बक्सीडीपा स्थित बदला रोड में मालवाहक ट्रेलर जेएच 02 एएफ 4864 से पोकलेन बदला की ओर ले जाया जा रहा था। इसी क्रम में वन विभाग के चहारदीवारी के समीप हाइटेंशन बिजली तार सड़क पार हुआ था। जिसके संपर्क में आने से बड़ी दुर्घटना हुई। इस घटना में टेलर के ड्राइवर ने कूदकर जान बचाई।

झारखंड सरकार ने बढ़ाया धान खरीद का समय, अब 30 अप्रैल तक होगी खरीदी; मंत्री का आदेश

रांची, एजेंसी। झारखंड में खरीफ विपणन मौसम 2025-2026 में हो रही धान की खरीद की समय सीमा 15 दिन बढ़ा दी गई है। राज्य में धान खरीद की तिथि 15 अप्रैल थी, जो बढ़ाकर 30 अप्रैल की गई है। विभागीय मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है। विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक, शुक्रवार रात आठ बजे तक राज्य के सभी 24 जिलों में 34 ।07 लाख क्विंटल धान की खरीद हुई है, जो लक्ष्य 60 लाख क्विंटल का 56 ।77 प्रतिशत है। विभाग के ई-उपार्जन पोर्टल में धान खरीद के कुल 2,47,836 किसान पंजीकृत हैं। धान खरीद में इन किसानों को राज्य सरकार द्वारा अभी तक 524 ।29 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया है। इसमें कुल न्यूनतम समर्थन मूल्य का 50 प्रतिशत पहली किस्त की राशि है, जो 340 ।31 करोड़ रुपए का है। दूसरे किस्त की राशि 170 ।06 करोड़ रुपए का भुगतान हुआ है। इसके अतिरिक्त 13 ।91 करोड़ रुपए दूसरे किस्त के बोनस का है।

ठाकुरगांव में अस्त्र-शस्त्र प्रतियोगिता संपन्न

रांची, एजेंसी। ठाकुरगांव थाना क्षेत्र के ऐतिहासिक धोरधोरा धाम परिसर में शुक्रवार को भगवान राम के छठी महोत्सव के मौके पर शस्त्र प्रतियोगिता सह मेला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन पूर्व सांसद रामटहल चौधरी, जिला परिषद सदस्य मनोज वाजपेयी, आजसू के प्रखंड अध्यक्ष लाल अमन शाहदेव ने संयुक्त रूप से किया। पूर्व सांसद ने कहा कि ऐसे आयोजन से धर्म में लोगों की आस्था बढ़ती है। कार्यक्रम में बुढ़मू, कांके, खलारी, लोहरदगा, चतरा, रातू और रामगढ़ आदि जगहों के अखाड़ेधारी शामिल हुए। अखाड़ेधारियों द्वारा देर शाम तक एक से बढ़कर एक करतब दिखाया गया। कार्यक्रम के आयोजन में बिहारीलाल महतो, विकास मुंडा, मोतीराम महतो, रामप्रसाद महतो, शिवशंकर महतो, फुलेश्वर महतो आदि की सराहनीय भूमिका रही।

अग्नि वीर भर्ती के लिए 21 अप्रैल से होगा रजिस्ट्रेशन

लातेहार, एजेंसी। लातेहार भारतीय वायुसेना में अग्नि वीर योजना के तहत संगीतकार पद के लिए भर्ती रैली आयोजित की जा रही है। इसके लिए युवक-युवतियां 21 अप्रैल से 11 मई तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। यह जानकारी शुक्रवार को जिला नियोजन पदाधिकारी संतोष कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि भर्ती रैली नई दिल्ली और बेंगलुरु में होगी। आवेदन वही युवा कर सकते हैं जिनका जन्म 1 जनवरी 2005 से 1 जुलाई 2008 के बीच हुआ हो। केवल उन्हीं उम्मीदवारों को रैली में शामिल होने की अनुमति मिलेगी, जिन्हें अस्थायी प्रवेश पत्र जारी किया जाएगा। प्रवेश पत्र में तिथि, समय और स्थान की जानकारी दी जाएगी। अधिक जानकारी के लिए संबंधित वेबसाइट देख सकते हैं।

फल विक्रेता की हादसे में मौत

धनबाद, एजेंसी। धनबाद में एक दर्दनाक सड़क हादसे में 45 वर्षीय फल विक्रेता की मौत हो गई। बरवा अड्डा हवाई अड्डा के पास सुधीर यादव को एक छह चक्का वाहन ने टक्कर मार दी। सुधीर यादव फल बेचने के बाद देर रात अपने ठेले के साथ बरवाअड्डा फल मंडी में अपने कमरे की ओर जा रहा था। इसी दौरान हादसा हो गया। गंभीर हालत में उन्हें एसएनएमएमसीएच में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान मौत हो गई।मृतक जमुई के रहने वाले थे और धनबाद में फल का व्यवसाय करते थे।

'हेमंत सरकार के कार्यकलापों की होनी चाहिए सीबीआई जांच'

देवघर, एजेंसी। भाजपा से राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश शुक्रवार देर शाम देवघर पहुंचे। रात्रि विश्राम के बाद शनिवार को राज्यसभा सांसद एक धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होंगे। राज्यसभा सांसद बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर बिहार दौरे पर हैं। उन्हें बिहार भाजपा का सह प्रभारी भी बनाया गया है।

बिहार से लौटने के दौरान वो देवघर में रात्रि विश्राम किया। देवघर प्रवास के दौरान उन्होंने कहा कि बिहार की उन्हें जिम्मेदारी दी गई है और वह पार्टी के द्वारा दिए गए जिम्मेदारी को निभाने में लगे हुए हैं।

नीतीश के नेतृत्व में लड़ेंगे चुनाव

राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश ने कहा कि इस बार नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में भारतीय जनता पार्टी और जनता दल यूनाइटेड रिकॉर्ड तोड़ मतों से जीतेगी। उन्होंने राष्ट्रीय जनता दल और लालू यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि बिहार की जनता ने लालू यादव के कार्यकाल को देखा है। जहां भ्रष्टाचार एक शिष्टाचार बन गया था। उन्होंने लालू यादव की पार्टी राजद पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके कार्यकाल में अपहरण एक उद्योग की तरह काम कर रहा था। महिलाएं और बच्चे खुद को सुरक्षित महसूस नहीं करते थे लेकिन नीतीश कुमार के आने के बाद बिहार में एक नया बदलाव आया है। इसलिए बिहार की जनता इस बार फिर नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए की सरकार को मौका देगी।

ताला मरांडी के झामुमो में जाने पर दी प्रतिक्रिया

वहीं उन्होंने भाजपा के पूर्व नेता ताला मरांडी के जेएमएम में शामिल होने पर नाराजगी जताते हुए कहा कि मैं उम्मीद करता हूं कि ताला मरांडी अब जेएमएम में अपने आगे की राजनीतिक सफर को पूरा करेंगे। ताला मरांडी को भारतीय जनता पार्टी ने बहुत कुछ दिया लेकिन जब वह भाजपा के नहीं हुए तो झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रति कितना ईमानदार होंगे यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा।

संथाल क्षेत्र में भाजपा होगी मजबूत

दीपक प्रकाश ने कहा कि संथाल क्षेत्र हमेशा ही भारतीय जनता पार्टी का रहा है। यहां के खेत, यहां के खलिहान, यहां के लोग, यहां के घर सब भाजपा से जुड़े हुए हैं। उन्हें उम्मीद है कि आने वाले समय में संथाल के 18 सीटों पर फिर से भाजपा जीत प्राप्त करेगी।

कोयले की लूट में जुटे हैं सरकार और पुलिस में शामिल लोग

वहीं हेमंत सोरेन के सरकार के कार्यकाल पर सवाल उठाते हुए राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश ने कहा कि यह सरकार निकम्मी सरकार है। नई सरकार के पिछले पांच से छह महीने के कार्यकाल को देखें तो सरकार ने सिर्फ आदिवासियों और मूलवासियों को लूटने का काम किया है। उन्होंने राज्य सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार में शामिल लोग और पुलिस महकमें के कई अधिकारी कोयले की लूट में शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि रांची, हजारीबाग, धनबाद, पिपरवार जैसे क्षेत्रों में प्रतिदिन सात से आठ सौ ट्रक अवैध तरीके से कोयले की ढुलाई कर रहे हैं। लेकिन सरकार के अधिकारियों की इस पर नजर नहीं जाती है क्योंकि अवैध तरीके से कोयले की निकासी में सरकार में शामिल लोगों की संलिप्ता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार में जिस तरह से भ्रष्टाचार चरम पर है वह मांग करेंगे कि सरकार के कार्यकलापों को सीबीआई से जांच कराया जाए।

उत्पाद विभाग की बड़ी कार्रवाई, नकली शराब बनाने का फैक्ट्री का उद्भेदन

हजारीबाग, एजेंसी। जिला उत्पाद विभाग ने अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। सहायक उत्पाद आयुक्त शिव प्रसाद साहू के नेतृत्व में दारू थाना क्षेत्र के कनजीया नामक स्थान पर बड़ी कार्रवाई करते हुए लाखों रुपये की अवैध शराब जब्त की है। गुप्त सूचना के आधार पर की गई इस छापेमारी में लगभग 50 से 60 लाख रुपये की अवैध शराब बरामद हुई है। हालांकि इस मामले में अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

कुछ दिनों पहले ही दारू थाना क्षेत्र में लाखों रुपये की अवैध शराब बरामद हुई थी। उत्पाद विभाग के सहायक आयुक्त शिव कुमार साहू ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि उसी समूह के लोगों ने फिर से अवैध शराब का भंडारण किया है।

छापेमारी के दौरान भारी मात्रा में अवैध शराब बरामद हुई, जिसकी अनुमानित कीमत 50 से 60 लाख रुपये है। हालांकि, शराब भंडारण करने वाले लोग मौके से फरार हो गए। उत्पाद विभाग उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रहा है। वह भी जानकारी मिल रही है कि अवैध रूप से दारू बनाने का फैक्ट्री का भी संचालन किया जा रहा था।

उत्पाद विभाग के सहायक आयुक्त शिव कुमार साहू ने बताया कि इस मामले में शामिल लोगों की पहचान की जा रही है और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि अवैध शराब के खिलाफ विभाग का अभियान जारी रहेगा और इस तरह के मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी। समय रहते भले ही प्रशासन की कार्रवाई हुई है लेकिन इस घटना ने एक बार फिर हजारीबाग जिला में अवैध शराब के कारोबार की पोल खोल दी है।

बेघर महिला को मिला आसरा, कई समस्याओं का ऑन स्पॉट समाधान

रांची, एजेंसी। उपायुक्त रांची मंजूनाथ भजंत्री ने शुक्रवार को जनता दरबार में लोगों की समस्याएं सुनीं। शहर और गांवों से आए लोगों ने अपनी शिकायतें रखीं। कई मामलों का मौके पर ही समाधान किया गया। इससे आवेदकों ने राहत की सांस ली। एक बेघर महिला डेढ़ साल के बच्चे के साथ जनता दरबार में पहुंची। महिला ने बताया कि उसके पति ने छोड़ दिया है। रिश्तेदार भी मदद नहीं करते। सड़क और पार्क में उसे रात बितानी पड़ती है। उपायुक्त ने महिला की पारिवारिक स्थिति की जानकारी ली। इसके बाद जिला समाज कल्याण पदाधिकारी को निर्देश दिया। महिला और बच्चे के रहने की व्यवस्था वन स्टॉप सेंटर में की गई।

मजदूरी करने वाली महिला के बच्चे का नामांकन स्कूल में कराने का निर्देश जनता दरबार में आई एक महिला ने बताया कि वह मजदूरी कर गुजारा करती है। उसने अपने बच्चे का स्कूल में नामांकन कराने की गुहार लगाई। उपायुक्त ने जिला शिक्षा अधीक्षक को निर्देश दिया कि बच्चे का नामांकन सुनिश्चित किया जाए। एक अन्य महिला ने आर्थिक तंगी के कारण स्कूल फीस माफ करने का आग्रह किया। उपायुक्त ने शिक्षा अधीक्षक को स्कूल प्रबंधन से बात कर समाधान निकालने को कहा। हिंदपीढ़ी के एक व्यक्ति ने राशन कार्ड में नाम की गलती की शिकायत की। उपायुक्त ने जिला आपूर्ति कार्यालय के कर्मियों को बुलाया। दस्तावेज जांच के बाद कार्ड में तुरंत सुधार किया गया। आवेदक ने खुशी जताई।

पलामू में वक्फ संशोधन बिल के विरोध में प्रदर्शन

लोगों ने कहा- किसान बिल की तरह इसे भी लेना होगा वापस

पलामू, एजेंसी। वक्फ कानून का विरोध पूरे देश में हो रहा है। इसी कड़ी में पलामू में भी इस कानून का विरोध शुरू हो गया है। पलामू के चैनपुर थाना क्षेत्र के नेउरा में सैकड़ों की संख्या में शुक्रवार को ग्रामीण जमा हुए और बिल का विरोध किया। इस दौरान लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, बिहार के सीएम नीतीश कुमार, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू और चिराग पासवान के खिलाफ नारेबाजी भी की।

विरोध प्रदर्शन से पहले ग्रामीणों ने एक जुलूस भी निकाला जो इलाके में भ्रमण किया। बिल के विरोध में सैकड़ों लोग सड़कों पर उतरे। विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व पलामू के चैनपुर के जिला परिषद सदस्य फजायल अहमद कर रहे थे। विरोध प्रदर्शन के दौरान लोगों ने कहा कि केंद्र की सरकार को इस बिल को वापस लेना होगा। जब तक वक्फ बिल वापस नहीं होता है तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

जिला परिषद सदस्य फजायल अहमद ने कहा कि केंद्र की सरकार को कृषि कानून की तरह ही इस बिल को भी वापस लेना होगा। जब तक बिल वापस नहीं होगा तब तक आंदोलन जारी रहेगा। वक्फ बिल एक तरफा है इसे वापस लेना होगा।

चैनपुर के अयूब अंसारी ने कहा कि यह धार्मिक संस्थाओं को लूटने वाला काला कानून है। अभी मुसलमानों के खिलाफ यह हुआ है बाद में यह दलितों के खिलाफ होगा और फिर पिछड़े वर्ग पर भी लागू होगा। एक-एक करके सबको लड़वाने का कार्य किया जाएगा। सदर ए आलम ने बताया कि इस कानून को वापस करने के लिए जहां भी उन्हें जाना होगा वे जाएंगे और आंदोलन करेंगे।

पोषण पखवारा रथ रवाना, करेगा लोगों को जागरूक

जमशेदपुर, एजेंसी। ।8 अप्रैल से 22 अप्रैल तक पूर्वी सिंहभूम जिला में पोषण पखवारा मनाया जा रहा है। इस क्रम में समाहरणालय परिसर से शनिवार को डीडीसी अनिकेत सचान तथा धालभूम की अनुमंडल पदाधिकारी शताब्दी मजूमदार ने पोषण पखवारा जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस मौके पर पोषण पखवाड़ा से संबंधित शपथ दिलाई गई।डीडीसी ने जिला समाज कल्याण पदाधिकारी से पोषण पखवाड़ा के तहत किए जा रहे कार्यों एवं जागरूकता रथ के रोस्टर की जानकारी ली। जागरूकता रथ के द्वारा प्रखंड के सुदूरवर्ती क्षेत्रों में जाकर ग्रामीणों को पोषण पखवाड़ा के उद्देश्यों, जैसे बच्चों के जीवन के प्रथम सुनहरे 1000 दिवस पर ध्यान, पोषण ट्रैकर में लाभार्थी मॉड्यूल का प्रचार-प्रसार, समर कार्यक्रम से समुदाय स्तर पर कुपोषण प्रबंधन, बच्चों में मोटापे के समाधान के लिए स्वस्थ जीवन शैली आदि के प्रति जागरूक किया जाएगा। साथ ही ग्रामीणों को खाने में हरी पत्तेदार सब्जियां, दूध, फल, अंडा आदि को शामिल करने के प्रति जागरूक किया जाएगा।

पोषण पखवारा से संबंधित शपथ दिलाई गई

डीडीसी ने इस मौके पर सभी को पोषण पखवारा की शपथ दिलाई। सभी ने शपथ ली कि भारत के बच्चों, किशोरों और महिलाओं को कुपोषण मुक्त, स्वस्थ और मजबूत करने, राष्ट्रीय पोषण पखवारा के दौरान हर घर तक सही पोषण का संदेश पहुंचाने, सही पोषण का अर्थ, पौष्टिक आहार, साफ पानी और सही प्रथाएं, पोषण अभियान को एक देशव्यापी जन आंदोलन बनाने, हर घर, हर विद्यालय, हर गांव, हर शहर में सही पोषण की गूंज उठाने, इस जन आंदोलन से मेरे भारतीय भाई और बहन और सब बच्चे स्वस्थ होंगे और पूरी क्षमता प्राप्त करेंगे। हम बाल विवाह नहीं करेंगे व हम ऐसे किसी आयोजन में शामिल नहीं होंगे, जहां बाल विवाह हो रहा हो। और हम यह प्रण करते हैं कि इसकी रोकथाम के लिए हर संभव प्रयास करेंगे, ताकि हर बच्चा सुरक्षित, मुक्त और शिक्षित बन सके।

चुटिया से दो नाबालिग लड़कियां घर से लापता

रांची, एजेंसी। पावर हाउस चौक चुटिया से दो नाबालिग लड़कियां 9 अप्रैल की शाम छह बजे से लापता हैं। दोनों बिना बताए घर से निकली थीं। परिजनों ने चुटिया थाना में गुमशुदगी की प्राथमिकी दर्ज कराई है। बताया है कि उनकी 14 साल की बेटी अपनी 15 साल की दोस्त के साथ घर से निकली थी। दोनों के जाने के बाद से कोई जानकारी नहीं मिली है। उन्हें शक है कि दो लड़के इस मामले में शामिल हो सकते हैं।

मां भद्रकाली की शृंगार पूजन में जुटी श्रद्धालुओं की भीड़

इटखोरी, एजेंसी। मां भद्रकाली की शुक्रवार सुबह राज्य की खुशहाली और समृद्धि के लिए विधि-विधान के साथ श्रंगार पूजन किया गया। मां की श्रंगार पूजन और आरती में श्रद्धालुओं की भीड़ जुटी रही। पुरोहितों ने वैदिक मंत्रोच्चार कर आरती पूजन की। फिर संध्या बेला में माता रानी की आरती विधि-विधान से हुई।

आरती के पश्चात श्रद्धालुओं ने माता रानी की जय घोष लगाए। जिससे पूरा मंदिर परिसर भक्ति की शक्ति में लीन हुआ। सुबह से लेकर 12 दिन तक मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ माता रानी की पूजा-पाठ के लिए जुटी रही। 12 बजे दिन मंदिर का पट्ट मां के भोग के लिए बंद कर दिया गया। फिर एक घंटे बाद 1 बजे दिन श्रद्धालुओं के पूजा पाठ के लिए मंदिर का पट्ट खोला गया। मंदिर आए श्रद्धालुओं के बीच भोग का महाप्रसाद खीर और फल वितरण किया गया।

वहीं संध्या प्रहर में भी मां के लगाए गए भोग का खीर और फल प्रसाद मंदिर आए श्रद्धालुओं के बीच वितरण किया गया। दिन भर श्रद्धालुओं द्वारा जय मां भद्रकाली, हर हर महादेव, जय वीर बजरंगबली एवं जय श्री राम के लगाए गए जयघोष से पूरा मंदिर परिसर में भक्ति की बयार बहती रही।

सिमडेगा- ब्रिलिएंट्स हाई स्कूल में नए सत्र में नामांकन जारी

लोहरदगा, एजेंसी। कल्याण विभाग लोहरदगा के बैनर तले अनुसूचित जाति जनजाति एवं पिछड़ा जाति अल्पसंख्यकों को भारतीय संविधान के प्रति जागरूक के लिए आगामी 14 अप्रैल को बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जयंती मनाई जाएगी। कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए उपायुक्त वाघमारे प्रसाद कृष्ण की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में जिला स्तरीय बैठक की गई। जिसमें निर्णय लिया गया कि इस दिन मोटरसाइकिल रैली आयोजित की जाएगी।

साथ ही समाहरणालय मैदान में जिला स्तरीय कार्यक्रम होगा। जिसमें पेंटिंग प्रतियोगिता वाद-विवाद एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।

जिले में शैक्षिक क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित भी किया जाएगा।

इसके साथ-साथ अन्य कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। बैठक में मुख्य रूप से उप विकास आयुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत, निदेशक आईटीडीए सुषमा नीलम सोरेंग, अनुमंडल पदाधिकारी अमित कुमार, पुलिस उपाधीक्षक श्रद्धा केरकेट्टा, एलआरडीसी सुजाता कुजूर सहित कई जिला स्तरीय पदाधिकारी एवं समाजसेवी उपस्थित थे।

सिमडेगा शहर के सैंपूर स्थित ब्रिलिएंट्स हाई स्कूल में नए सत्र में नामांकन जारी है। प्रधानाचार्य गोरखनाथ सिंह ने बताया कि स्कूल में एल के जी से लेकर कक्षा 10 तक की पढ़ाई होती है और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर ध्यान दिया जाता है। उन्होंने कहा कि विद्यालय में प्रातः कालीन कक्षाएं हो रही हैं। छात्र-छात्राओं के नामांकन के लिए इच्छुक अभिभावक इच्छुक अभिभावक सुबह के 7 बजे से दिन के 12 तक संपर्क कर सकते हैं।

अवैध बालू लोड करते ट्रैक्टर को किया जब्त

कुड़ू, एजेंसी। खनन विभाग और कुड़ू पुलिस ने अवैध बालू को लेकर छापामारी अभियान चलाया। इस दौरान कुड़ू थाना क्षेत्र के जिंगी पुल के समीप अवैध बालु लदा एक ट्रेक्टर को जब्त किया। पुलिस को देखते ही ट्रैक्टर चालक भाग निकला। पुलिस के अनुसार जिंगी बालू घाट से ट्रैक्टर पर बालू लोड कर बेचने के लिए बाहर ले जाया जा रहा था। कुड़ू पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। वही खनन पदाधिकारी ने खनन अधिनियम के तहत मामला दर्ज नहीं किया गया है।

ज्ञात हो इन दिनों दक्षिण कोयल नदी के उमरी घाट, दोबा घाट, जॉन्जरो घाट, नाम नगर घाट एवं लावागाई घाट सहित बड़की चांपी, सलगी अन्य बालू घाट से धड़ल्ले से बालु का उठाव हो रहा है। बालू ढोने वाले अधिकतर ट्रैक्टर बिना नंबर प्लेट के होते है या फिर नंबर मिटाए हुए होते हैं। सुबह पांच बजे और रात को दस बजे तक खुले ट्रेक्टर से बालु की ढुलाई होने के कारण सड़क पर बालू गिरता है और अक्सर दुर्घटना होती रहती है। मामले पर थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया अवैध बालु खनन और परिवहन की सूचना मिली थी सूचना कर अवर निरीक्षक दिनेश कुमार, सहायक अवर निरीक्षक अविनाश कुमार सिंह के साथ टीम बना कर छापामारी की गया। जिसमें जिंगी पुल के समीप एक ट्रैक्टर को अवैध बालू लोड करते जब्त किया गया है। खनन विभाग कार्रवाई कर रही है।

ट्रैफिक पुलिस और निगम ने फुटपाथ से अतिक्रमण हटाया, किया जुर्माना

बोकारो, एजेंसी। बोकारो ट्रैफिक पुलिस व चास नगर निगम की ओर से शुक्रवार को बेहतर यातायात व्यवस्था के लिए अतिक्रमण हटाओ अ?भयान चलाया गया। उक्त अभियान चास के धर्मशाला मोड़ से चेकपोस्ट गरगा पुल तक चलाया गया। इस दौरान फुटपाथ पर चल रहे दुकानों, कई दुकानदारों के सामान हटाया गया और उनसे जुर्माना भी वसूला गया। वहीं फुटपाथ पर बेतरतीब तरीके से खड़े वाहनों को भी जुर्माना किया गया। इस दौरान दर्जनों वाहनों से करीब 19 हजार रुपए जुर्माना वसूला गया। साथ ही निगम के अधिकारियों ने सख्त चेतावनी देते हुए सड़क व फुटपाथ पर रखे बिल्डिंग मेटेरियल सहित अन्य सामानों को हटाने का निर्देश दिया। वहीं ट्रैफिक इंस्पेक्टर आरके राणा ने बताया कि चास के मुख्य सड़क पर जाम की स्थिति नहीं बने इसके लिए फुटपाथ खाली होना जरूरी है। सड़क पर खड़े वाहन चालकों को चेतावनी दी गई है। मौके पर सिटी मैनेजर अनूप गुंजन, प्रवीन कुमार, मनीष हाजरा, अनिल रजवार, बंटी पाठक आदि थे।

बीजेपी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ताला मरांडी झामुमो में हुए शामिल, सीएम हेमंत सोरेन ने किया स्वागत

साहिबगंज, एजेंसी। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और बोरियो के पूर्व विधायक ताला मरांडी जेएमएम में शामिल हो गए हैं। उन्होंने शुक्रवार को बरहेट में सिदो कान्हू की जयंती पर आयोजित समारोह में झामुमो का दामन थामा। झामुमो के केंद्रीय समिति सदस्य पंकज मिश्रा ने उन्हें पार्टी में शामिल होने की घोषणा की। इसके बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने जेएमएम का पट्टा पहनाकर पार्टी में शामिल कराया।

ताला मरांडी को 2016 में भाजपा ने प्रदेश अध्यक्ष बनाया था। लेकिन पार्टी लाइन से हटकर स्टैंड लेने की वजह से उन्हें प्रदेश अध्यक्ष पद से हटा दिया गया था। 2005 से 2009 तथा 2014 से 2019 तक, वह बोरियो से भाजपा के टिकट पर विधायक बने थे। उन्होंने अपनी राजनीतिक यात्रा झामुमो से शुरू की थी। लेकिन कुछ समय ही पार्टी में रहे। ताला मरांडी 2000 में कांग्रेस के टिकट पर विधानसभा चुनाव लड़ा था, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद उन्होंने 2003 में भाजपा का दामन थामा और 2005 के चुनाव में पहली बार भाजपा के टिकट पर वह विधायक चुने गए।

ताला मरांडी झामुमो के दिग्गज नेता लोबिन हेंम्ब्रम को हराया था। लेकिन 2019 में भाजपा ने उन्हें टिकट नहीं दिया था। इसके बाद उन्होंने आजसू के टिकट पर चुनाव लड़ा, लेकिन हार गए। 2019 चुनाव हार के बाद ताला मरांडी पुन~भाजपा का दामन थाम लिया और भाजपा ने उन्हें 2024 में हुए लोकसभा चुनाव में राजमहल से प्रत्याशी बनाया था। लेकिन ताला मरांडी को जेएमएम प्रत्याशी विजय हंसदा के सामने रिकार्ड मतों से हार का सामना करना पड़ा। 2024 विधानसभा चुनाव में टिकट नहीं मिलने से ताला मरांडी नाराज चल रहे थे। हालांकि विधानसभा चुनाव के दौरान उनके बेटों ने झामुमो की सदस्यता ग्रहण कर ली थी।

ताला मरांडी के जेएमएम में जाने पर भाजपा नेता और पूर्व नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी महासमुद्र है और इस महासमुद्र में लोग विचारों के साथ आते हैं। कुछ लोग विचारों के साथ आते हैं और कुछ लोग स्वार्थ सिद्धि के लिए आते हैं। जिनका स्वार्थ सिद्ध नहीं होता है, वह रास्ते को छोड़कर चले जाते हैं। उन्होंने कहा कि लोग उद्देश्यों के साथ, राष्ट्रवादी विचारों के साथ भाजपा में जुड़ते हैं। उन्होंने कहा कि बीजेपी के लिए गरीब कल्याण साध्य नहीं साधन है।

सुभाषितम्

मुट्ठी भर संकल्पवान लोग जिनकी अपने लक्ष्य में दृढ़ आस्था है, इतिहास की धारा को बदल सकते हैं। -महात्मा गांधी

प्राइवेट सिस्टम का खेल: आम आदमी की जेब पर हमला

भारत में शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे बुनियादी अधिकार आज निजी संस्थानों के लिए मुनाफे का जरिया बन चुके हैं। प्राइवेट स्कूल सुविधाओं की आड़ में अभिभावकों से मनमाने शुल्क वसूलते हैं—ड्रेस, किताबें, यूनिफॉर्म, कोचिंग—सब कुछ महँगा और अनिवार्य बना दिया गया है। वहीं, प्राइवेट हॉस्पिटल डर और भ्रम का माहौल बनाकर मरीजों से मोटी रकम वसूलते हैं। सामान्य बीमारी को गंभीर बताकर महंगी जांच, दवाइयाँ और भर्ती का दबाव बनाया जाता है। इन संस्थानों के पीछे राजनीतिक संरक्षण है, जिस कारण कोई कठोर कार्रवाई नहीं होती। सबसे अधिक संकट में मध्यम वर्ग है, जिसे न सरकारी सेवाओं पर भरोसा है, न प्राइवेट सिस्टम से राहत। यह एक चेतावनी है कि यदि जनता ने अब भी आवाज नहीं उठाई, तो शिक्षा और स्वास्थ्य सिर्फ विशेषाधिकार बनकर रह जाएंगे। भारत एक ऐसा देश है जहाँ शिक्षा और स्वास्थ्य को बुनियादी अधिकार माना जाता है। लेकिन जब यही अधिकार एक व्यापार का रूप ले लें, तो आम आदमी की जिंदगी में यह अधिकार बोझ बन जाते हैं। आज के दौर में प्राइवेट स्कूल और प्राइवेट हॉस्पिटल सुविधाओं के नाम पर ऐसी व्यवस्था खड़ी कर चुके हैं जो आम नागरिक की जेब पर सीधा हमला करती है। यह हमला सिर्फ आर्थिक नहीं, मानसिक और सामाजिक भी है। प्राइवेट स्कूलों की बात करें तो अब ये शिक्षण संस्थान कम और फाइव स्टार होटल ज्यादा लगते हैं। स्कूल में दाखिले के लिए लाखों की डोनेशन, एडमिशन फीस, एनुअल चार्जेस, ड्रेस, किताबें, जूते, बस फीस झ्र हर चीज में अलग-अलग मदों के नाम पर वसूली होती है। किताबें स्कूल के किसी ह्यअधिकृत वेंडरह्ण से ही खरीदनी होती हैं, जिनका मूल्य बाजार दर से दोगुना होता है क्योंकि उसमें स्कूल का कमीशन जुड़ा होता है। स्कूल यूनिफॉर्म भी उन्हीं से लेनी पड़ती है, जो आम बाजार में मिलती ही नहीं। यह सब इसलिए नहीं कि अभिभावक इन सुविधाओं की मांग करते हैं, बल्कि इसलिए क्योंकि स्कूलों ने इसे ह्यअनिवार्यह्ण बना दिया है। पढ़ाई नाम की चीज अब कक्षा में कम और कोचिंग संस्थानों में ज्यादा होती है झ्र और दिलचस्प बात ये है कि उन कोचिंग संस्थानों के मालिक भी कई बार उन्हीं स्कूल संचालकों से जुड़े होते हैं। बच्चा दिनभर स्कूल, फिर कोचिंग, फिर होमवर्क, और फिर ट्यूशन झ्र खुद के लिए ना समय, ना सोच, ना बचपन। इन सबका उद्देश्य एक ही होता है 99% लाओ। और जब ये नंबर नहीं आते, तो बच्चे हीन भावना से ग्रस्त हो जाते हैं। अभिभावक दूसरों के बच्चों से तुलना करने लगते हैं, और ये पूरी प्रक्रिया मानसिक उत्पीड़न में बदल जाती है। अब अगर शिक्षा में ये स्थिति है, तो स्वास्थ्य क्षेत्र उससे भी भयावह है। प्राइवेट हॉस्पिटल्स का ढांचा अब इलाज से ज्यादा कमाई पर केंद्रित हो गया है। अस्पताल में घुसते ही पर्ची कटती है, फिर तरह-तरह की जाँचें, महंगी दवाइयाँ, क्ष्व, और एडवांस पेमेंट की माँग और वो भी बिना यह बताए कि मरीज की स्थिति क्या है। सामान्य सर्दी-खांसी या बुखार को भी डॉक्टर ऐसा बताते हैं मानो जीवन संकट में हो। डर दिखाकर लोगों को लंबी दवाओं और भर्ती की सलाह दी जाती है। मरीज ठीक भी हो जाए, तब भी बिल देखकर परिवार बीमार हो जाता है। जो दवा बाहर 10 रुपए में मिलती है, वही अस्पताल के बिल में 200 से 300 रुपए की होती है। यहाँ तक कि मौत के बाद भी लाश को एक-दो दिन रोककर मचुर्री चार्जेस, फ्रीजर चार्जेस आदि के नाम पर अंतिम सांस तक पैसा वसूला जाता है। यह एक क्रूर मजाक है उस परिवार के साथ जो पहले ही अपनों को खो चुका होता है। इस लूट का सबसे दुखद पहलू यह है कि यह सब किसी को छिपकर नहीं करना पड़ता झ्र सब कुछ खुलेआम होता है। अखबार, सोशल मीडिया, न्यूज चैनल झ्र हर जगह यह मुद्दा उठता है। हर साल प्राइवेट स्कूलों की फीस बढ़ोतरी और हॉस्पिटल बिलों पर शोर होता है, लेकिन हर बार यह शोर धीरे-धीरे दबा दिया जाता है। क्यों? क्योंकि अधिकतर प्राइवेट स्कूल, कॉलेज, हॉस्पिटल झ्र इन सबके पीछे किसी ना किसी नेता का हाथ होता है। चाहे वह सत्ता पक्ष का हो या विपक्ष का झ्र सिस्टम में बैठे अधिकतर लोग कहीं ना कहीं इस खेल में हिस्सेदार होते हैं। नियम-कानून बनते हैं, लेकिन उन पर अमल नहीं होता। आरटीई (शिक्षा का अधिकार कानून), सीजीएचएस (स्वास्थ्य सुविधा योजना), नैशनल मेडिकल काउंसिल झ्र ये सब नाम भर हैं, जिनका प्रयोग प्रचार में होता है, न कि आम आदमी को राहत देने में।

चिंतन-मनन

शुद्ध भक्त सर्वोत्तम

निर्विशेषवादी के लिए ब्रह्मभूत अवस्था अर्थात ब्रह्म से तदाकार होना परम लक्ष्म होता है। लेकिन साकारवादी शुद्धभक्त को इससे भी आगे शुद्ध भक्ति में प्रवृत्त होना होता है। इसका अर्थ हुआ जो भगवद्भक्ति में रत है, वह पहले ही मुक्ति की अवस्था, जिसे ब्रह्मभूत या ब्रह्म से तादात्म्य कहते हैं, प्राप्त कर चुका होता है। परमेर या परब्रह्म से तदाकार हुए बिना कोई उनकी सेवा नहीं कर सकता। परम ज्ञान होने पर सेव्य तथा सेवक में कोई अन्तर नहीं कर सकता, फिर भी उच्चतर आध्यात्मिक दृष्टि से अन्तर रहता ही है। देहात्मबुद्धि के अन्तर्गत, जब कोई इन्द्रियतृप्ति के लिए कर्म करता है, तो दुख का भागी होता है, लेकिन परम जगत में शुद्ध भक्ति में रत रहने पर कोई दुख नहीं रह जाता। चूंकि ईश्वर पूर्ण है, अतएव ईश्वर से सेवारत जीव भी कृष्णभावना में रहकर अपने में पूर्ण रहता है। वह ऐसी नदी के तुल्य है, जिसके जल की सारी गंदगी साफ कर दी गई है। चूंकि शुद्ध भक्त में कृष्ण के अतिरिक्त कोई विचार ही नहीं उठते, अतएव वह प्रसन्न रहता है। वह न किसी भौतिक क्षति पर शोक करता है, न किसी लाभ की आकांक्षा करता है, क्योंकि वह भगवद् भक्ति से पूर्ण होता है। वह भौतिक जगत में न किसी को अपने से उच्च देखता है और न निम्न। ये उच्च तथा निम्न पद क्षणभंगुर है और भक्त को क्षणभंगुर प्राकट? या तिरोधान से कुछ लेना-देना नहीं रहता। उसके लिए पत्थर तथा सोना बराबर होते हैं।

नर और नारी एक समान दरिंदो से सावधान

- संजय गोस्वामी

नर और नारी एक समान दरिंदो से सावधान रहिये क्योंकि ऐ एक गलत और क्राइम का विचार है जो किसी के लिए भी हो सकता है किसी भी देश का अपना इतिहास होता है,और अपनी परम्परा होती है। यदि देश को शरीर माने तो संस्कृति उसकी आत्मा है। किसी भी संस्कृति में आदर्श होते हैं, मूल्य होते हैं। इन मूल्यों की संवाहक संस्कृति होती है। अपराध कोई भी करे वो अपराध ही है चाहे वो पुरुष करे या महिला, पंडित राम कृष्ण शर्मा आचार्य कहते हैं नर और नारी आप बदलोगे तो विचार बदलेगा आपके संस्कार मिडिया ना तो किसी की वकालत करती है ना कोई भ्रम फैलाती है वो जो कहती है उसके आधार होता है तथ्यों पर आधारित होता है और उसके कोर्ट के भी सबूत रहते हैं बहुत से घटना तो उजागर होता ही नहीं बहुत पहले मेरा एक मित्र था जो किसी सरकारी संस्थान में टेक्निकल पद पर था और उसकी पत्नी मैट्रिक पास उसने उसको पढ़ाया बीऐड कराया और टीचर में नौकरी मिली और मुझे उसकी खुशी में ऐसा लगा कि वो अपनी खुशी जाहिर कर रहा है लेकिन बाद में टीचर की नौकरी के बाद उसने अपने पति पर बात बात में गुस्सा करने लगी और उसका किसी और के साथ सम्बन्ध बन गया और तलाक ले ली वो बन्दा इतने सदमे में चला गया जैसे लगा उससे सब कुछ छीन गया और रोने लगा और ड्रप्रेस हो गया पत्नी छोड़ कर भाग गई एक उसका बच्चा भी था उसे भी अपने पास रख लिया वह अकेले ही रहने लगा एक दो बार आत्महत्या की कोशिश भी की और असफल रहा मैंने उसे समझाया देखो ऐ दुनिया मतलबी है तुम अपना जीवन क्यों बर्बाद कर रहें हो तुम भी शादी कर एक नए जीवन की शुरूआत करो और मस्त रहो जो जैसा करे तुम भी वैसा करो मोह छोड़ो तुम्हारे पास दो ही रास्ता है या तो सबकुछ छोड़ कर भगवान के ध्यान में लीन हो जाओ या फिर संस्कार की चिंता है तो ताली दोनों हाथ से बजनी चाहिए घर एक बार टूट गया है तो दोबारा बसा सकते हो बस उसका नाम अपने दिमाग से मिटा दो और दूसरी शादी कर किसी गरीब लड़की को अपना लों और घर बस जायेगा लेकिन उसके दिमाग में उसका भूत सवार था जब तक मैं वहाँ था उसे समझाया और चाणक्य नीति अपनाओं लेकिन जब मै किसी काम से कहीं बाहर गया तो उसने कुएँ में कूद कर जान दे दी और तब मुझे बहुत दुःख हुआ सच सच ही होता है मानवता आनी चाहिए अगर आप भारतीय संस्कृति को अपना रहें हैं तो पालन भी करना चाहिए जिसमें में 4 बातें प्रमुख हैं—धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष। यह बात अलग है कि पाश्चात्य संस्कृति में अर्थ और काम की प्रमुखता है। सादा जीवन उच्च विचार हमारी संस्कृति की परम्परा समझी जाती थी परन्तु आधुनिकता की अंधी दौड़ एवं पाश्चात्य संस्कृति का जीवन में प्रवेश होने से वह परिभाषा कहाँ चली गई पता ही नहीं। आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज द्वारा रचित मूकमाटी महाकाव्य में वह परिभाषा हमें मिलती हैं—

इस युग के दो मानव अपने को खोना चाहते हैं एक भोग रोग मद्यपान को चुनता है और एक योग त्याग आत्मध्यान को धुनता है। कुछ ही क्षणों में दोनों होते विकल्पों से मुक्त फिर क्या कहना एक शव के समान निरा पड़ा है और एक शिव के समान खरा उतरा है।

सच यही है वे दोनों संस्कृतियाँ जिनमें से हमें क्या चुनना है यह हमारे ऊपर निर्भर है। वर्तमान में सामाजिक बदलाव को देखकर ऐसा लगने लगा है कि जैसे न ही हमारी संस्कृति रह गई है न ही हमारी सभ्यता। जहाँ तक सवाल है पश्चिमी सभ्यता का तो हम लोगों ने उन बातों को अपनाया जो भारतीय संस्कृति के प्रतिकूल थीं। जिस भारतीय समाज में हम रहते हैं वहाँ का वातावरण, सभ्यताएँ, मयार्दाएँ नैतिक मूल्य कुछ और ही हैं। ऐसे में जब हम पहनावे में उसकी खुली सोच और खुलेपन का अंधानुकरण करते हैं तो हमारे वातावरण में नग्नता दिखाई देती है। हवा में अजीब-सी गंदगी घुल गई है मानव मस्तिष्क पर विपरीत असर कर रही है बात मैं हवा की नहीं कर रही हूँ। मैं हवा के माध्यम से हमारे चारों ओर के सामाजिक परिवेश की चर्चा कर रहा हूँ। पाश्चात्य से बटोरा है हमने काम—ग्रसित समाज जिसने हमारी भावनाओं को काम के वशीभूत किया है। हमने पाश्चात्य से अतिमहत्वाकांक्षी होने का मन्त्र जिसने हमें हमारे सामाजिक परिवेश में अनुशासनहीन जीवन जीने की ओर अग्रसर किया है जाना है हमने पाश्चात्य से न्यूक्लीयर युक्त समाज में जीवन जीने का तंत्र की ओर बढ़ रहें हैं जिससे रिस्तेदार सही के बजाय गलत मिल रहें है क्योंकि उनका काम है लोगों को बहलाने की लेकिन मन को नियंत्रण करना आपका काम है इससे धन की बहुत मात्रा में अवश्यकता होती है और धन के लालच में गलत काम कर रहें हैं इसलिए आज भाई भाई का माता पिता का बच्चों से सम्बन्ध बनने के बजाये बिगड़ रहा है यदि आप का पोशाक कम पैसे में ही अच्छा हो जाता है तो अधिक पैसे देकर फटे हुए ब्रांडेड जींस पहनकर क्या होगा जब ज्ञान ही होगा तो आपकी अज्ञानी होने पर आपका ही मजाक लोग उड़ा सकते हैं । पैसे ज्यादा कमाए या कम लेकिन बचत कितना कर पाते हैं यही आपकी असली कमाई है पिजा, बर्गर, हॉट डॉग से अच्छा है दो लिट्टी खा लीजिये पेट भी ठीक रहेगा और पैसा भी बचेगा अतः इसपाश्चात्य संस्कृति से बढ़ रहें हैं अपराध

किसी भी देश का अपना इतिहास होता है, परम्परा होती है। यदि देश को शरीर माने तो संस्कृति उसकी आत्मा है। किसी भी संस्कृति में आदर्श होते हैं, मूल्य होते हैं। इन मूल्यों की संवाहक संस्कृति होती है। भारतीय संस्कृति में चार मूल्य प्रमुख हैं—धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष। यह बात अलग है कि पाश्चात्य संस्कृति में अर्थ और काम की प्रमुखता है। सादा जीवन उच्च विचार हमारी संस्कृति की परम्परा समझी जाती थी परन्तु आधुनिकता की अंधी दौड़ एवं पाश्चात्य संस्कृति का जीवन में प्रवेश होने से वह परिभाषा कहाँ चली गई पता ही नहीं। आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज द्वारा रचित मूकमाटी महाकाव्य में वह परिभाषा हमें मिलती हैं—

इस युग के दो मानव अपने को खोना चाहते हैं एक भोग रोग मद्यपान को चुनता है और एक योग त्याग आत्मध्यान को धुनता है। कुछ ही क्षणों में दोनों होते विकल्पों से मुक्त फिर क्या कहना एक शव के समान निरा पड़ा है और एक शिव के समान खरा उतरा है।

सच यही है वे दोनों संस्कृतियाँ जिनमें से हमें क्या चुनना है यह हमारे ऊपर निर्भर है। वर्तमान में सामाजिक बदलाव को देखकर ऐसा लगने लगा है कि जैसे न ही हमारी संस्कृति रह गई है न ही हमारी सभ्यता। जहाँ तक सवाल है पश्चिमी सभ्यता का तो हम लोगों ने उन बातों को अपनाया जो भारतीय संस्कृति के प्रतिकूल थीं। जिस भारतीय समाज में हम रहते हैं वहाँ का वातावरण, सभ्यताएँ, मयार्दाएँ नैतिक मूल्य कुछ और ही हैं। ऐसे में जब हम पहनावे में उसकी खुली सोच और खुलेपन का अंधानुकरण करते हैं तो हमारे वातावरण में नग्नता दिखाई देती है। हवा में अजीब-सी गंदगी घुल गई है मानव मस्तिष्क पर विपरीत असर कर रही है बात मैं हवा की नहीं कर रही हूँ। मैं हवा के माध्यम से हमारे चारों ओर के सामाजिक परिवेश की चर्चा कर रहा हूँ। पाश्चात्य से बटोरा है हमने काम—ग्रसित समाज जिसने हमारी भावनाओं को काम के वशीभूत किया है। हमने पाश्चात्य से अतिमहत्वाकांक्षी होने का मन्त्र जिसने हमें हमारे सामाजिक परिवेश में अनुशासनहीन जीवन जीने की ओर अग्रसर किया है जाना है हमने पाश्चात्य से न्यूक्लीयर युक्त समाज में जीवन जीने का तंत्र की ओर बढ़ रहें हैं जिससे रिस्तेदार सही के बजाय गलत मिल रहें है।

बैसाखी के दिन का उत्सव कृषि समाज व धर्म के संगम का प्रतीक है

- किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर भारत सर्वधर्म समभाव का सटीक प्रतीक माना जाता है, क्योंकि यहां हर धर्म के त्योहारों का आनंद सब मिलकर लेते हैं, जो विदेशी सैलानी भी लेने आते हैं, व पूर्ण रूप से प्रभावित व संतुष्ट होकर जाते हैं। अभी हमने कुछ दोनों पूर्व ही महाकुंभ उत्सव चेट्रीचंड्र, ईद, रामनवमी का उत्साह देखे हैं जो अलग-अलग जाति धर्म समाजों के त्यौहार है, परंतु हमने देखे कि इन्हें सभी ने मिलकर मनाया, जो हमारी सामाजिक और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है, इसी कड़ी में 13 अप्रैल 2025 को एक और अध्याय जुड़ गया है, क्योंकि इसदिन पूरा भारत विशेष रूप से पंजाब हरियाणा उत्तरप्रदेश उत्तराखंड हिमाचल प्रदेश जम्मू कश्मीर सहित अनेको राज्यों में मनाया जा रहाहै।हमारी राईसिटी गोंदिया में भी बड़े धूमधाम से,बैसाखी पर्व कोमनाया जाता है, इस दिन मैं स्वयं भी गुरुद्वारे जाकर दर्शन लाभ उठाता हूं, अमृत वेले प्रभातीवेले से ही प्रभात फेरी सहित अनेकों कार्यक्रम शुरू हो जाते हैं, जहां भक्तों के भाव देखकर मैं भी भावभोर हो जाता हूं। हालांकि यह विशेष रूप से सिख समाज व किसानों के ही त्यौहार है, परंतु इसे मनाता सारा मानव समाज है। चूँकि बैसाखी उत्सव, समाज और धर्म के संगम का प्रतीक है, इसलिए आज हम मीडिया उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, बैसाखी पर्व 13 अप्रैल 2025, खुशहाली और समृद्धि का प्रतीक है, खालसा पंथ की स्थापना व नई फसल कटाई की शुरूआत का प्रतीक है तथा बैसाखी के दिन गुरुद्वारोंमें विशेषपूजाअर्चना,अरदास,भजनकीर्तन व प्रभात फेरी कणाह प्रसाद है का अत्यधिक विशेष महत्व है। साथियों बात अगर हम भारत में बैसाखी पर्व मनाए जाने की करें तो, बैसाखी के पर्व को वैसाखी के नाम से भी जाना जाता है।बैसाखी का त्योहार पूरे हर्षोल्लास के साथ करीब करीब पूरे भारत में मनाया जाता है। हर साल बैसाखी 13 या 14 अप्रैल को ही मनाया जाता है, हर वर्ष बैसाखी के दिन सूर्य मेष राशि में करते हैं। बैसाखी के त्योहार से पंजाब और हरियाणा के क्षेत्रों में फसलों की कटाई शुरू हो जाती है। बैसाखी के पर्व को वैसाखी के नाम से भी जाना जाता है, और इस साल यह पर्व 13 अप्रैल को ही मनाया जा रहा है।बैसाखी के दिन गुरुद्वारों को सजाया जाता है। सिख समुदाय के लोग गुरुवाणी सुनते हैं,घरों में भी लोग इस दिन विशेष पूजा-अर्चना करते हैं। खीर, शरबत आदि पकवान बनाए जाते हैं, इस दिन शाम के समय घर के बाहर लकड़ियां जलाई जाती हैं, जलती हुई लकड़ियों का घेरा बनाकर गिद्दा और भांगड़ा कर अपनी प्रसन्नता जाहिर करते हैं। लोग गले लगकर एक दूसरे को बैसाखी की शुभकामनाएं देते हैं।बता दें बैसाखी के समय आकाश में विशाखा नक्षत्र होता है विशाखा नक्षत्र पूर्णिमा में होने के कारण इस माह को बैसाख कहते हैं, वैशाख माह के पहले दिन को बैसाखी कहा गया है। इस दिन सूर्य मेष राशि में गोचर करते हैं जिस कारण इसे मेष संक्रांति के नाम से भी जाना जाता है। बैसाखी को पोइला, बौइशाख, विशु, और बीहू जैसे नामों से भी जाना जाता है। बैसाखी सिखों का महत्वपूर्ण त्योहार है।1699 में इसी दिन गुरु गोबिंद सिंह जी ने खालसा पंथ की स्थापना की थी। मान्यतानुसार इस पंथ की स्थापना का लक्ष्य धर्म और नेकी के रास्ते पर चलना और उसका पालन करना था। किसान अपनी फसल काटने की खुशी में यह त्योहार मनाते हैं तो वहीं पंजाब में इस दिन गिद्दा-भांगड़ा किया जाता है, इस दिन को सिक्खों के नए साल के रूप में भी मनाया जाता। इस दिन नगर कीर्तन निकाले जाते हैं और समाज में भाईचारे का संदेश दिया जाता है। इसके अलावा, लोग इस दिन नई फसल के आगमन की खुशी में एक-दूसरे को शुभकामनाएं देते हैं और पारंपरिक गीत गाते हैं। साथियों बात अगर हम बैसाखी उत्सव पर्व के महत्व की करें तो, बैसाखी का पर्व सिख धर्म में विशेष धार्मिक महत्व रखता है। यह दिन सिखों के दसवें गुरु, गुरु गोबिंद सिंह जी द्वारा खालसा पंथ की स्थापना का प्रतीक है। गुरु जी ने इस दिन सभी जातिगत भेदभावों को समाप्त कर दिया था और एकता का संदेश दिया था। यह पर्व सिखों के लिए एक नया अध्याय, एक नई शुरूआत और धार्मिक सिद्धांतों के पालन का दिन है। गुरु गोबिंद सिंह जी के नेतृत्व में खालसा पंथ की स्थापना ने समाज को एकजुट करने के लिए एक मजबूत कदम उठाया था। बैसाखी पर सिख धर्मावलंबी गुरुद्वारों में विशेष पूजा और अरदास करते हैं। इस दिन विशेष रूप से गुरुद्वारों में भजन-कीर्तन का आयोजन किया जाता है और नगर कीर्तन की परंपरा निभाई जाती है। लोग इस दिन को अपने पवित्र कर्तव्यों को याद करने, गुरु के बताए मार्ग पर चलने और धर्म के प्रति अपनी आस्था को और गहरा करने का अवसर मानते हैं। बैसाखी का पर्व सिख धर्म के लिए एक समय होता है जब वे अपने गुरु की शिक्षा औरखालसा पंथ के महत्व को मानते हुए एकजुट होते हैं और समाज में शांति, भाईचारे और समानता का प्रचार करते हैं।

टेरिफ वॉर से दुनिया में आर्थिक मंदी और महंगाई की दस्तक

- सनत जैन

अमेरिका और चीन के बीच चल रहा टेरिफ वॉर अब वैश्विक अर्थ व्यवस्था के लिए गंभीर खतरे का कारण बन गया है। यह टकराव केवल दो महाशक्तियों तक सीमित नहीं रहा है बल्कि इसके दुष्प्रभाव पूरी दुनिया के देशों में महसूस किए जा रहे हैं। अमेरिका द्वारा चीनी वस्तुओं पर 125प्रतिशत तक का टैरिफ लगाने के जवाब में चीन ने भी अमेरिकी उत्पादों पर भारी शुल्क लगा दिए हैं। यह व्यापारिक जंग अब ऐसे मोड़ पर पहुंच गई है, जहां इसका समाधान आसान नहीं रहा। इस टेरिफ युद्ध का सबसे बड़ा असर वैश्विक आर्थिक मंदी के रूप में सामने आ रहा है। जब दो बड़े देश एक-दूसरे के उत्पादों पर भारी कर लगाते हैं। इससे न केवल उत्पादन लागत बढ़ती है, बल्कि उपभोक्ताओं पर आर्थिक भार भी पड़ता है। अमेरिका में चीन से आने वाले सस्ते उत्पादों पर भारी टैक्स के चलते अमेरिका में महंगाई बढ़ना शुरू हो गई है। वहीं चीन में भी अमेरिकी तकनीक और कृषि उत्पादों की कीमते बढ़ना शुरू हो गई हैं। इस का असर आम जनता पर पढ़ रहा है। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) की रिपोर्ट स्पष्ट रूप से इस ओर इशारा कर रही है। वैश्विक व्यापार की गति धीमी पड़ रही है। विकासशील देशों पर इसका असर सबसे ज्यादा हो रहा है। विकासशील देशों की अर्थव्यवस्था आयात-निर्यात पर आधारित होती है। टेरिफ वॉर के कारण वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला बाधित हो रही है, जिससे उत्पादन में गिरावट और बेरोजगारी जैसी समस्या बढ़ रही हैं। महंगाई भी एक बड़ी चुनौती बन गई है। जब आयातित वस्तुओं पर भारी टैक्स लगता है। घरेलू बाजार में वस्तुओं की कीमत और टैक्स स्वतः बढ़ जाता है। इससे आम जनता की क्रय शक्ति घटती है। उपभोक्ता मांग कमजोर होना शुरू हो जाती है। यह स्थिति आर्थिक मंदी को और भी बढ़ा देती है। इस समस्या का समाधान केवल संवाद और समझदारी से ही संभव है। अमेरिका और चीन को वर्चस्व की होड़ से बाहर आकर अपने देश के साथ-साथ वैश्विक हितों का ध्यान रखना होगा। इस तरह के व्यापार युद्ध से कोई भी देश दीर्घकालिक लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। मांग और आपूर्ति का सिद्धांत है, जरूरत होने पर ही मांग सामने आती है। समय रहते यह विवाद वैश्विक स्तर पर नहीं सुलझाया गया, तो पूरी दुनिया को इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। टेरिफ वॉर सिर्फ. व्यापारिक लड़ाई नहीं है, बल्कि यह वैश्विक आर्थिक संतुलन को बनाए रखने की सबसे बड़ी चुनौती है। इसका समाधान सहयोग और शांतिपूर्ण वार्ता में ही निहित है। अमेरिका और चीन की मध्यस्थता करने के लिए वैश्विक संस्थाओं को भी आगे आना पड़ेगा। इसके अलावा दुनिया के वह देश जो चीन और अमेरिका के साथ अपने बेहतर रिश्ते रखते हैं, उन्हें भी आगे आकर इस गतिरोध को समाप्त करने की दिशा में बेहतर भूमिका का निर्वाह करना होगा। जिस तरीके के हालात वर्तमान में बन रहे हैं, उससे सारी दुनिया में तीसरे विश्व युद्ध की आशंका बनने लगी हैं, जो पूरी मानव जाति के लिए खतरा है।

आज का राशिफल

मेष — आज दिन अच्छा है और आप काफी बेहतर महसूस करेंगे। आपके अंदर आत्मविश्वास भरा रहेगा।

तुला — आज दिन शुभ है। छात्रों को पढ़ाई या किसी कॉम्पिटिशन में अच्छा रिजल्ट मिल सकता है।

वृषभ — बहुत ही अच्छा साबित हो सकता है। परिवार के लोगों के साथ मिलकर कोई नई पहल कर सकते हैं।

वृश्चिक — स्थिति मजबूत रहेगी और इज्जत भी बढ़ेगी। काफी समय से अटका कोई काम पूरा हो सकता है।

मिथुन — दिन खास हो सकता है और आपको पिता के आशीर्वाद से हर कार्य में सफलता प्राप्त होगी।

धनु — आज दिन सामान्?य है और आपका घर के काम पर काफी पैसा खर्च हो सकता है।

कर्क — आज तरक्की के शुभ योग बन रहे हैं, आपको अचानक से कहीं से पैसा मिल सकता है।

मकर — आज भाग्य साथ दे रहा है और आपको बिजनस में बढ़िया मुनाफा हो सकता है।

सिंह — कारोबार में भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। राजनीति या सामाजिक कार्य में आपकी रुचि बढ़ेगी।

कुंभ — आज रियर के मामले में लाभ होगा और आपकी धन से जुड़ी योजनाएं आरंभ हो सकती हैं।

कन्या — आज भाग्य साथ दे रहा है और आपका काम तेजी से आगे बढ़ेगा। आपको बड़ा फायदा होने की उम्मीद है।

मीन — आज दिन शुभ है। आपको घूमने-फिरने का मौका मिलेगा, चाहे पास ही क्यों न हो।

विशेष

सैन्य तैनाती बता रही कैसे होगी डील

अमेरिका ने ईरान के खिलाफ जो सैन्य तैनाती शुरू की है, वह सिर्फ एक सामान्य डिफेंस स्ट्रैटजी नहीं, बल्कि ये एक चेतावनी भी है

एक तरफ दुनियां की महाशक्तियां पिछड़े और विकासशील देशों को शांति का पाठ पढ़ाती नजर आती हैं तो दूसरी तरफ ये खुद युद्ध को बढ़ावा देने जैसा काम करती दिख रही हैं। दरअसल मध्य पूर्व की उथल-पुथल भरी धरती फिर हथियारों की गर्जना से गूंज उठी है। अमेरिका ने ईरान के खिलाफ जो सैन्य तैनाती शुरू की है, वह सिर्फ एक सामान्य डिफेंस स्ट्रैटजी नहीं, बल्कि ये एक चेतावनी भी है। एक ऐसी चेतावनी कि यदि बात नहीं मानी तो अपनी मौत खुद बुलाओगे। असल में अमेरिका ने जिस तरह से ईरान को चारों ओर से घेरा है। बी-2 स्टील्थ बॉम्बर्स से लेकर फुल कैपेबिलिटी एयरक्राफ्ट कैरियर्स और साइप्रस से लेकर इजराइल तक...जिस तरह का मिलिट्री कॉर्डिनेशन अमेरिका ने तैयार किया है, उससे तो यही लगता है कि अमेरिका अब सिर्फ फारमेल्टी पूरी कर रहा है और बैठक असफल होने की घोषणा का मात्र इंतजार है। कुल मिलाकर धमकी देते-देते अमेरिका अब खुद युद्ध में उतरने के मूड में नजर आ रहा है। अमेरिका ने ईरान से बातचीत से पहले जिस तरह से इस क्षेत्र में फोर्स तैनात की है, उससे आशंका है कि अगर ये बातचीत फेल होती है तो फिर एक बड़े युद्ध का आगाज हो जाएगा?

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1528 इंग्लैंड के हेनरी अष्टम और अरागान का कैथरीन के विवाह की वैधता जांचने के लिए पोप ने एक आयोग का गठन किया. 1589 ब्रिटेन के फ्रांसिस ड्रेक और जान नोरस ने 50 जहाज और 18 हजार लोगों के साथ पुर्तगाल अभियान शुरू किया. 1605 थियोडोर द्वितीय रूस के जार बने. 1699 सिख गुरुगोविंद सिंह ने खालसा पंथ की स्थापना की. 1743 अमेरिकी राष्ट्रपति थामस जेफरसन का जन्म हुआ. 1772 बारेन हेस्टिंग्स ईस्ट इंडिया कंपनी की बंगाल परिषद् के अध्यक्ष चुने गये. 1796 नेपोलियन बोनापार्ट के नेतृत्व में फ्रांस ने आसट्रियायी फौजों को उत्तरी इटली में पराजित किया. 1919 ब्रिगेडियर जनरल आर. ई.एच. डायर ने जलियंवाला बाग में 'निहत्थों पर गोलियां चलवाई जिसमें 389 लोग मारे गये और 56 अन्य घायल हो गये.

दैनिक पंचांग

13 अप्रैल 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

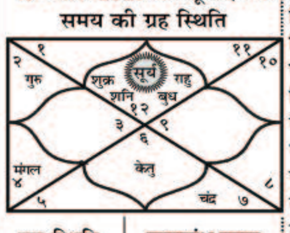

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	05.48 बजे से
चंद्र	तुला में	वृष	07.28 बजे से
मंगल	कर्क में	मिथुन	09.26 बजे से
बुध	मीन में	कर्क	11.39 बजे से
गुरु	वृष में	सिंह	13.55 बजे से
शुक्र	मीन में	कन्या	16.07 बजे से
शनि	मीन में	तुला	18.18 बजे से
राहु	मीन में	वृश्चिक	20.33 ब.से
केतु	कन्या में	धनु	22.49 बजे से
		मकर	00.54 बजे से
		कुंभ	02.40 बजे से
		मीन	04.13 बजे से

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

रविवार 2025 वर्ष का 103 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** बसंत। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1946 **मास** चैत्र **पक्ष** शुक्ल **तिथि** पूर्णिमा 05.52 बजे प्रात: को समाप्त। **नक्षत्र** चित्रा 21.11 बजे को समाप्त। **योग** हर्षण 21.39 बजे को समाप्त। **करण** बव 05.52 बजे तदनन्तर बालव 19.09 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 14.6 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 09° 04' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872313 **जूलियन दिन** 2460778.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** सव्वाल **तारीख** 14 **विशेष** ईस्टर।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
उद्वेग	05.56	से	07.23 बजे तक	शुभ	05.36	से	07.09 बजे तक
चर	07.23	से	08.51 बजे तक	अमृत	07.09	से	08.41 बजे तक
लाभ	08.51	से	10.18 बजे तक	चर	08.41	से	10.14 बजे तक
अमृत	10.18	से	11.46 बजे तक	रोग	10.14	से	11.46 बजे तक
काल	11.46	से	01.14 बजे तक	काल	11.46	से	01.19 बजे तक
शुभ	01.14	से	02.41 बजे तक	लाभ	01.19	से	02.51 बजे तक
रोग	02.41	से	04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51	से	04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09	से	05.36 बजे तक	शुभ	04.24	से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

विदेश जाकर करें फैशन डिजाइनिंग का कोर्स

अगर आपको फैशन डिजाइनर बनने में इंटरेस्ट है और आप विदेश जाकर इसका कोर्स करना चाहती हैं, तो यहां हम आपको ऐसी 4 यूनिवर्सिटी के बारे में बताएंगे जहां से आप फैशन डिजाइनिंग का कोर्स कर सकते हैं।

आज के समय में फैशन डिजाइनिंग कोर्स की डिमांड काफी बढ़ गई है। इस कोर्स को करने के बाद कैंडिडेट न केवल आउटफिट डिजाइनर बनते हैं, बल्कि आप इसके बाद जूते, हैंडबैग, आईवियर, टेक्सटाइल आदि किसी भी चीज के लिए डिजाइनर बन सकते हैं। अगर आपको भी फैशन डिजाइनिंग कोर्स करने और डिजाइनर बनने में दिलचस्पी है और आप इसके लिए फॉरेन जाकर पढ़ाई करना चाहते हैं, तो यहां हम आपके लिए विदेश स्थित कुछ ऐसे विश्वविद्यालय के बारे में बताएंगे, जहां से आप इसकी पढ़ाई कर सकते हैं। तो चलिए इस बारे में विस्तार से जानते हैं।

मैनचेस्टर विश्वविद्यालय

मैनचेस्टर विश्वविद्यालय, फैशन डिजाइनिंग के लिए दुनिया के टॉप 5 विश्वविद्यालयों में से एक है। इंग्लैंड के मैनचेस्टर में स्थित इस यूनिवर्सिटी में मास्टर ऑफ साइंस (एमएससी), इंटरनेशनल फैशन मार्केटिंग, फैशन टेक्नोलॉजी में बैचलर ऑफ साइंस, फैशन मार्केटिंग में बैचलर ऑफ साइंस और फैशन में बैचलर ऑफ साइंस जैसे पाठ्यक्रम की पढ़ाई होती है। बात इसकी फीस की करें तो यहां की सालाना फीस करीब 32.62 लाख रुपये है।

हांगकांग पॉलिटेक्निक यूनिवर्सिटी

द हांगकांग पॉलिटेक्निक विश्वविद्यालय, फैशन और टेक्सटाइल्स में बैचलर ऑफ आर्ट्स जैसे कई पाठ्यक्रमों प्रदान करता है। यहां की सालाना फीस करीब 33.9 लाख रुपये है। अगर आप विदेश जाकर पढ़ना चाहते हैं, तो इसके लिए आपको अपना समर्थ भी देखना होगा।

यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी सिडनी

ऑस्ट्रेलिया की यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी सिडनी से आप फैशन का कोर्स कर सकते हैं। वे बैचलर ऑफ डिज़ाइन, फैशन एंड टेक्सटाइल्स में बैचलर ऑफ आर्ट्स, बैचलर ऑफ क्रिएटिव इंटेलिजेंस एंड इनोवेशन, इंटरनेशनल स्टडीज और बैचलर ऑफ डिजाइन (फैशन एंड टेक्सटाइल्स) जैसे पाठ्यक्रम प्रदान करता है। यहां की सालाना फीस करीब 12.36 लाख रुपये है।

कॉर्नेल विश्वविद्यालय, इथाका

संयुक्त राज्य अमेरिका में स्थित कॉर्नेल विश्वविद्यालय भी फैशन डिजाइनिंग का कोर्स करने के लिए एक अच्छा ऑप्शन है। यह बैचलर ऑफ फैशन डिजाइन मैनेजमेंट और बैचलर ऑफ आर्ट्स फैशन डिजाइन नामक दो प्रमुख पाठ्यक्रम प्रदान करता है। इस यूनिवर्सिटी की सालाना फीस करीब 54.43 लाख रुपये है।

इन सस्ते और बेहतरीन कोर्स से बना सकते हैं करियर

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में कर्मचारियों से कुछ एक्स्ट्रा सभी को अच्छा लगता है, लेकिन कंपनियों की उम्मीदों पर खरा उतर पाना शायद किसी के लिए आसान नहीं। इंटरव्यू की बात हो या पहले से ही की जा रही नौकरी में प्रमोशन की हर जगह कुछ एक्स्ट्रा की मांग होती है। यही नहीं अब तो घर में बैठे फ्रीलांस करना हो तो भी लोगों से कई तरह से सर्टिफिकेट मांगे जाते हैं। तो क्यों न फ्यूचर की प्लानिंग हो जाए। अगर आप आगे चलकर कोई कोर्स करने का सोच रही हैं तो हम आपको बताते हैं कुछ बेहतरीन कोर्सेस के बारे में।

कई कोर्स आपको घर बैठे कमाने का मौका भी देंगे। चाहें ऑफिस में कुछ एक्स्ट्रा अपने सीवी में दिखाना हो या फिर घर बैठकर काम करना हो, हर जरूरत के हिसाब से एक कोर्स मिल जाएगा। इन सभी कोर्स के जरिए आप नए ट्रेंड के हिसाब से खुद को अपडेट भी कर सकते हैं।

SEO Course

सर्च इंजन ऑपरेशन यानी SEO कोर्स भले ही सुनने में काफी मुश्किल लगता हो पर ये है नहीं। अगर आप थोड़ा भी डिजिटल वर्ल्ड में एक्टिव हैं और गूगल, फेसबुक, सोशल मीडिया आदि के बारे में थोड़ी बेहतर समझ रखती हैं तो ये प्रोफेशनल कोर्स न सिर्फ किसी कंपनी में अच्छी नौकरी दिलवा सकता है बल्कि ये कोर्स आपको बेहतरीन फ्रीलांस का मौका भी दे सकता है। इस कोर्स में आपको सिखाया जाएगा कि कैसे अपनी वेबसाइट की विजिबिलिटी बढ़ाई जाए। अगर आप नोएडा, दिल्ली, गुड़गांव, मुंबई, बेंगलुरु जैसे कई अन्य बड़ी जगहों पर रहती हैं तो 3-6 महीने के कोर्स प्रोवाइड करवाती हैं। अगर किसी छोटे शहर में रह रही हैं जैसे लखनऊ, भोपाल आदि तो भी वहां कई इंस्टिट्यूट ऐसे हैं जो ये कोर्स ऑनलाइन भी करवाते हैं। इसमें भी अलग-अलग तरह के कोर्स हो सकते हैं जैसे मोबाइल मार्केटिंग, ईमेल मार्केटिंग, कीवर्ड प्लानर आदि सब कुछ। इनमें से कुछ फ्रीलांस और कुछ कंपनियों के लिए बेहतर होते हैं।

फीस - इस कोर्स की फीस जगह के हिसाब से बदल सकती है। ये 7000 रुपए से शुरू होकर 25000 तक जा सकती है।

PPC Course

ये उन लोगों के लिए सबसे बेहतर है जिन्हें फ्रीलांस करना है। इसका मतलब है Pay Per Click, जिसमें सेल्स का काम होता है। सर्च इंजन की मदद से आप पेड एडवर्टाइजिंग का काम करते हैं। इसका सबसे अच्छा फायदा ये है कि रिजल्ट जल्दी मिल जाता है। आजकल लगभग हर बिजनेस इस तरीके का इस्तेमाल कर रहा है। ब्रांड को बढ़ाने के लिए भी इसका इस्तेमाल होता है। इसके लिए PPC कोर्स या गूगल एडवर्ड कोर्स के नाम से अपने लिए बेहतर ऑप्शन चुन सकती हैं आप।

फीस - इसकी फीस 15000 से शुरू हो सकती है। ये इस बात पर निर्भर करती है कि आप कौन से शहर में रहती हैं।

Content Writing Course

फ्रीलांसिंग के लिए सबसे अच्छे कुछ कोर्स में से एक है कंटेंट राइटिंग कोर्स। अगर आपको लिखने का शौख है तो आप अपने पैशन को करियर भी बना सकती हैं। इसमें सिर्फ फ्रीलांसिंग ही नहीं बल्कि फुल टाइम जॉब के भी बहुत विकल्प होते हैं। साथ ही, कई मीडिया हाउस बेहतरीन मौका दे सकते हैं। यही नहीं अगर इंग्लिश और हिंदी दोनों ही अच्छी हैं तो आपके लिए कई तरह से मुमकिन है कि न सिर्फ मीडिया हाउस में बल्कि आप कई कंपनियों में फ्रीलांसिंग के लिए अप्लाई कर सकती हैं।

फीस - कंटेंट राइटिंग के लिए वीकएंड क्लास और वीकडे क्लास दोनों वाला कोर्स उपलब्ध है। इसकी फीस भी 8000 रुपए से शुरू हो सकती है।

Makeup Course

मेकअप का मतलब यहां रोजमर्रा के लिए सज कर जाना या ब्यूटीपार्लर के सेल्फ कोर्स से नहीं है। यहां बात हो रही है प्रोफेशनल मेकअप इंस्टिट्यूट से कोर्स करने की। इसमें ब्राइडल मेकअप, एयरब्रश मेकअप आदि के कोर्स उपलब्ध हैं। कई एप्स जैसे अर्बनक्लैप आदि ऐसे प्रोफेशनल्स को बहुत बेहतरीन मौका देते हैं और महीने का 1.5 लाख तक कमाया जा सकता है। पर शर्त ये है कि ये कोर्स प्रोफेशनल इंस्टिट्यूट से किया गया हो।

फीस - इस कोर्स की फीस आपकी जरूरत के हिसाब से हो सकती है। इसकी कीमत 15000 रुपए से शुरू होती है, लेकिन अगर इंस्टिट्यूट काफी अच्छा है तो ये महंगा भी साबित हो सकता है।

Nail Art Course

ये शॉर्ट टर्म कोर्स है और अगर आपने ब्यूटी इंडस्ट्री में करियर बनाने का सोच लिया है तो फिर नेल आर्ट और नेल एक्सटेंशन कोर्स एक ट्रेंडी विकल्प साबित हो सकता है। ये काफी डिमांड में है और कई सारे ब्यूटी इंस्टिट्यूट प्रोफेशनल ट्रेनिंग भी देते हैं। इसमें सिर्फ नेल आर्ट ही नहीं बल्कि नाखूनों से जुड़ी बीमारियों आदि की जानकारी भी दी जाएगी।

फीस - इस कोर्स की फीस 3000 रुपए से शुरू हो सकती है।

अपनी जरूरत के हिसाब से आप अपना कोर्स चुन सकते हैं और सबसे अच्छा तरीका ये होगा कि जिस भी इंस्टिट्यूट को चुनें उसके बारे में पूरी जानकारी ले लें। सर्टिफिकेशन कोर्स ही बेहतर होते हैं इसलिए बिना सर्टिफिकेट वाला कोई कोर्स न चुनें।

कम समय में चाहते हैं शानदार करियर ग्रोथ? तो लाइफस्टाइल में शामिल करें ये 4 आदतें

करियर में करना चाहती हैं ग्रोथ? लाख कोशिशों के बाद भी नहीं बढ़ पा रही हैं आगे, तो चलिए हम आपको यहां बताते हैं कि इसके लिए आपको अपनी किन आदतों में बदलाव करना चाहिए।

करियर में आगे बढ़ने के लिए बहुत संघर्षों का सामना करना पड़ता है। हालांकि, कुछ लोग सफल व्यक्ति को देखकर ये सोच लेते हैं कि उनके साथ शायद वह समस्या नहीं रही होगी, जिन परेशानियों से मैं गुजर रही हूं। पर, ये सोच ही गलत है क्योंकि प्रॉब्लम हर जगह होती है। हर किसी को परिश्रम और संघर्ष के दौर से गुजरना ही पड़ता है। सफल लोग के पास भी हफ्ते के 7 दिन और एक दिन में 24 घंटे ही होते हैं। फर्क बस इतना है कि ऐसे लोग अपनी लाइफस्टाइल को लेकर काफी सख्त होते हैं और हर चीज को एक रूटीन के हिसाब से करते हैं। अगर आप भी करियर में ग्रोथ चाहते हैं, तो आपको भी अपनी लाइफस्टाइल में कुछ आदतों को शामिल कर लेना बेहद जरूरी है। इसी के साथ आइए हम आपको यहां 4 आदतों के बारे में बताते हैं, उनमें सुधार लाने के बाद आप काफी आगे बढ़ सकते हैं।

टालमटोल की आदत बदलें

हर काम के लिए एक समय तय करना जरूरी होता है, क्योंकि जिंदगी के हर मोड़ पर सेल्फ डिसिप्लिन होना बेहद महत्वपूर्ण होता है। अगर आप हर छोटे-बड़े काम को टालते रहेंगे, तो यह भविष्य के लिए बहुत गलत साबित हो सकता है। बेहतर यही होगा कि टालने की आदत को बदलें और आप अपने काम का समय रहते पूरा कर लें।

लक्ष्य बनाकर करें काम

अपने लिए शॉर्ट टर्म और लॉन्ग टर्म गोलतय करने की आदत डालें। इससे आपको अपनी मंजिल तक पहुंचने में आसानी हो सकती है। ये हैबिट आपके काम के स्पीड और समझ में तेजी ला सकता है। साथ ही, आपका दिमाग भी इससे खुलेगा, जिससे आपको जॉब में आगे बढ़ने के रास्ते खुलते जाएंगे।

दूसरे पर न रहें निर्भर

करियर में सही मुकाम हासिल करने के लिए स्वयं कुछ नियम-कायदे बनाना और उसे फॉलो करना बेहद जरूरी है। इसके लिए आपको अपनी योग्यता के अनुसार, खुद को समझना होगा और बेहतर करने के लिए निर्णय खुद लेने की आदत डालनी होगी। अगर आप हर चीज के लिए दूसरों पर निर्भर रहेंगे तो आगे का रास्ता मुश्किल हो सकता है।

नई चीजें सीखने की डालें आदत

अपने करियर में आगे बढ़ने के लिए, आपको लगातार नई चीजें सीखते रहना होगा। अपने क्षेत्र में नवीनतम रुझानों और विकासों से अपडेट रहें। नए कौशल सीखने के लिए ऑनलाइन पाठ्यक्रम या कार्यशालाओं में भाग लें। आपकी नॉलेज आपकी ग्रोथ में काम आ सकते हैं।

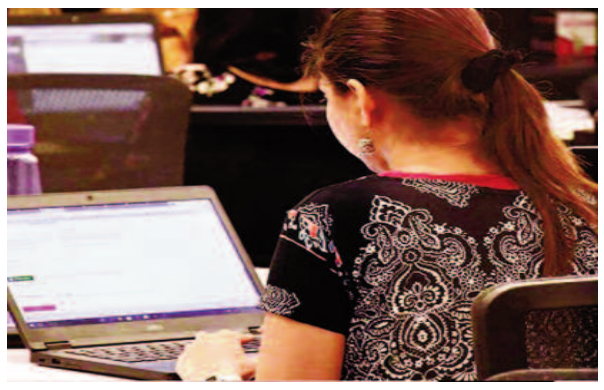

महिलाएं घर बैठे ही शुरू कर सकती हैं मेहंदी कोन बनाने का बिजनेस

अगर आप कोई लघु उद्योग शुरू करने की सोच रही हैं तो आप मेहंदी के कोन बनाने का व्यवसाय शुरू कर सकती हैं। तो आइए जानें, इस व्यवसाय से जुड़ी चुनौतियों और संभावनाओं के बारे में।

हमारे देश में किसी भी तीज त्योहार या शादी में मेहंदी लगाना जरूरी होता है, क्योंकि मेहंदी को शुभ माना जाता है। हमारे देश में मेहंदी का इस्तेमाल बहुत पुराने समय से होता आ रहा हैं और यह हमारी संस्कृति की हिस्सा बन चुकी। वैसे, मेहंदी शब्द की उत्पत्ति संस्कृत के शब्द मेंधिका से मानी जाती हैं। पहले के समय में मेहंदी के पौधे की पत्तियां तोड़कर उसे पीसा जाता था, फिर उसे पोलीथीन से कोन में भरकर हाथों में लगाया जाता था। फिर बाद में मार्केट में मेहंदी पाउडर बिकने का चलन शुरू हुआ। अब लोग मेहंदी पाउडर लाकर इसे छानकर घोल बनाते थे और फिर इसे पोलीथीन के कोन में भरकर हाथों में मेहंदी लगाई जाती थी। लेकिन फिर मार्केट में बने बनाये कोन मिलने लगे और साथ ही मेहंदी लगाने वाले लोग भी मार्केट में बैठने लगे। ऐसे में अब हर वह महिला जो मेहंदी केवल किसी खास मौके पर लगाती थी अब जब मन हो तब मेहंदी लगा लेती हैं या लगवा लेती हैं। अगर आप कोई लघु उद्योग शुरू करने की सोच रही हैं तो आप मेहंदी के कोन बनाने का व्यवसाय शुरू कर सकती हैं।

मेहंदी व्यवसाय में संभावनाएं कितनी हैं

मेहंदी के साथ सबसे अच्छी बात यह है कि मेहंदी अभी तक किसी ब्रांड नेम का शिकार नहीं हुआ है। इसलिए मार्केट में उपभोक्ताओं को मेहंदी लेने के लिए किसी ब्रांड नेम की अभी तक जरूरत नहीं पड़ती है, सिर्फ दुकान पर जाकर मेहंदी मांगने पर मेहंदी मिल जाती हैं। इससे आप समझ सकती हैं कि किसी एक ब्रांड का वर्चस्व इस क्षेत्र में अभी तक नहीं हैं। ऐसे में अगर आप मेहंदी व्यवसाय में हाथ आजमाना चाहती हैं तो आपके सामने चैलेंज कम होंगे। ऐसे में अगर आपकी डिस्ट्रीब्यूटरशिप बेहतर हैं तो आप ज्यादा से ज्यादा माल दुकानों तक पहुंचा सकती हैं। साथ ही सुखी मेहंदी की सीमित शेल्फ लाइफ नहीं होती यानि इसे पैक होने के काफी समय बाद तक भी इस्तेमाल किया जा सकता हैं। ये बात भी व्यवसायी के पक्ष में जाती हैं और बिजनस के जोखिम को कम करती हैं।

मेहंदी मैन्युफैक्चरिंग यूनिट शुरू करने के लिए क्या चाहिए

मेहंदी व्यवसाय की सबसे अच्छी बात यह है कि मेहंदी व्यवसाय शुरू करने के लिए ज्यादा पैसों या चीजों की जरूरत नहीं पड़ती। मेहंदी मैन्युफैक्चरिंग के लिए जो सबसे जरूरी है वह है इसका कच्चा माल, यानि मेहंदी के पत्ते। इसके अलावा मेहंदी के साथ मिक्स करने के लिए कुछ अन्य हर्ब शुगर और पीसी हुई मेहंदी को पैक करने के लिए जरूरी पैकिंग सामग्री इत्यादी।

मेहंदी मैन्युफैक्चरिंग यूनिट शुरू करने के लिए जरूरी मशीनरी

मेहंदी मैन्युफैक्चरिंग यूनिट शुरू करने के लिए ज्यादा मशीनरी की जरूरत नहीं पड़ती। मेहंदी व्यवसाय में आपको पल्वराईजर मशीन और मोटर की जरूरत पड़ेगी। साथ ही, मेहंदी से कचरा अलग करने के लिए छलनी, मेहंदी का भार तोलने के लिए वेट मशीन और मेहंदी के पाउच की पैकिंग करने के लिए पाउच सीलिंग मशीन की जरूरत होगी।

मेहंदी मैन्युफैक्चरिंग यूनिट कैसे शुरू करें

मेहंदी पाउडर बनाने की यूनिट लगाना बहुत आसान है। इसकी यूनिट लगाने के लिए बहुत ज्यादा बड़ी जगह की जरूरत नहीं पड़ती। लेकिन आप जिस जगह अपनी यूनिट लगाने जा रहे हैं वहां अच्छी धूप आना बहुत जरूरी हैं। साथ ही मेहंदी के पत्ते जिस जगह ग्राइंड किये जा रहे हो वहां धूल और मिट्टी बिल्कुल नहीं होनी चाहिए, क्योंकि मेहंदी पर धूल और मिट्टी पड़ने से मेहंदी की क्वालिटी खराब हो सकती हैं।

मेहंदी मैन्युफैक्चरिंग का प्रोसेस क्या है

अगर आपको कच्चा माल यानि मेहंदी के पत्ते किसी डीलर से मिल जाते हैं तो आपका मेहंदी पाउडर मैन्युफैक्चरिंग प्रोसेस आसान हो जाएगा। अगर आपके आसपास कोई डीलर नहीं है तो आपको मेहंदी का उत्पादन खुद करना होगा। मेहंदी का उत्पादन करने पर आपको सबसे पहले खेतों से मेहंदी के पत्ते चुनवाने होंगे। मेहंदी के पत्ते तीन प्रकार के होते हैं- सबसे कम क्वालिटी वाले काले धब्बों वाले पत्ते, कुछ सुनहरी आभा लिए मध्यम क्वालिटी वाले पत्ते और सबसे अच्छी क्वालिटी वाले हरे पत्ते। इन तीनों प्रकार के पत्तों को उनके रंगों के अनुसार अगल-अलग कर लें और इनको अच्छे से सुखा लें। सुख जाने के बाद पत्तों को पीसने के लिए मशीन में डालें। पीसे गए पाउडर को छलनी से छानकर अशुद्धियों को दूर कर लें। इसके बाद मेहंदी का वेट करके पैक करें। अब आप मेहंदी को मार्केट में बेच सकती हैं, इसे आप दुकानों में सप्लाई भी कर सकती हैं।

दो दोस्त अलग नहीं हुए और 5 साल में ही खड़ी कर दी 66 करोड़ की कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। अश्विन पाटिल और चैतन्य कोरगाओंकर बचपन के दोस्त हैं। वे महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र के अमरावती जिले से हैं। 2018 में दोनों ने बायोफ्यूल्स जंक्शन की शुरुआत की। यह कंपनी उद्योगों में डीजल और कोयले की जगह साफ ईंधन इस्तेमाल करने के लिए काम कर रही है। वे कृषि कचरे को इको-फ्रेंडली पैलेट्स में बदलते हैं। इससे प्रदूषण कम होता है। किसानों को फायदा होता है। पर्यावरण भी बेहतर होता है। यह स्टार्टअप शुरू से ही फायदे में है। वित्त वर्ष 2022-23 तक केवल 5 सालों में इसका टर्नओवर 66.5 करोड़ रुपये पर पहुंच गया था। कंपनी भविष्य में अपना कारोबार बढ़ाना चाहती है। आइए, यहां अश्विन पाटिल और चैतन्य

कोरगाओंकर की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

अलग-अलग सेक्टर का अनुभव- अश्विन पाटिल अमरावती जिले से ताल्लुक रखते हैं। उनका परिवार पीढ़ियों से खेती करता आ रहा है। उन्होंने मुंबई के वीरमाता जीजाबाई टेक्नोलॉजिकल इंस्टीट्यूट से प्रोडक्शन इंजीनियरिंग की पढ़ाई की। इसके बाद उन्होंने पुणे के पास और आंध्र प्रदेश में कुछ सालों तक अप्लायंस इंडस्ट्री में काम किया। फिर उन्होंने एमबीए किया और लगभग 18 साल तक इक्विटी इन्वेस्टमेंट बैंकिंग में काम किया। चैतन्य कोरगाओंकर आश्विन के 2000 से करीबी पारिवारिक दोस्त हैं। उन्होंने सरकारी बैंकिंग, रणनीति और लायजनिंग में विशेषज्ञता के साथ कई कंपनियों के साथ काम किया है।

2018 में रखी बायोफ्यूल्स जंक्शन की नींव- साल 2018 में अश्विन पाटिल और चैतन्य कोरगाओंकर ने बायोफ्यूल्स जंक्शन की नींव रखी थी। बायोफ्यूल्स जंक्शन कृषि कचरे को उपयोगी ईंधन में बदलती है। इससे किसानों को अपनी फसल के बाद बचे कचरे को ठिकाने लगाने का एक अच्छा तरीका मिल जाता है। यह कचरा पहले बेकार माना जाता था। कंपनी का नेटवर्क बहुत बड़ा है। 450 बायोफ्यूल मैन्युफैक्चरर्स एक साथ मिलकर काम करते हैं। इससे कंपनी को कचरा इकट्ठा करने और उसे ईंधन में बदलने में आसानी होती है।

ग्राहकों की लिस्ट में बड़े-बड़े नाम- बायोफ्यूल्स जंक्शन का दावा है कि उसका बायोफ्यूल सस्ता है। कंपनी के बड़े-बड़े ग्राहक हैं। इनमें हिंदुस्तान यूनिलीवर और रिलायंस जैसी कंपनियां शामिल हैं। बायोफ्यूल्स जंक्शन शुरू से फायदे में चल रही है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी का कारोबार 66.5 करोड़ रुपये पर पहुंच गया था। बायोफ्यूल्स जंक्शन के 450 बायोफ्यूल मैन्युफैक्चरर्स कचरे के स्रोतों के 30-40 किलोमीटर के दायरे में हैं। इससे काम तेजी से होता है। स्थानीय लोगों को रोजगार मिलता है। कंपनी का दावा है कि उसके बायोफ्यूल आयातित कोयले से 10 प्रतिशत सस्ते हैं।

इस सेक्टर को चुनने की यह थी वजह- अश्विन और चैतन्य ने बायोफ्यूल पर शोध करते हुए महसूस किया कि कोई भी बड़ा या पैन-इंडिया खिलाड़ी सेक्टर में नहीं था। इसके अलावा, डिमांड और सप्लाई में तीन प्रमुख कारणों से अंतर था - क्वालिटी, सप्लाई स्टेबिलिटी और प्रोडक्टों का कम्प्लायंस। अश्विन ने क्लास 12 तक अपने गृहनगर में कृषि पद्धतियां देखी थीं। चैतन्य और वह अपना कुछ काम करना चाहते थे। अपनी नौकरियों में व्यस्त रहते हुए उन्होंने 2016-17 में व्यावसायिक अवसरों की तलाश शुरू कर दी। अंत में उन्हें सफलता मिली।

संक्षिप्त समाचार

पीयूष गोयल बोले-

हम चीन से नहीं चाहते ज्यादा निवेश

नईदिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि भारत में अब तक चीन से ज्यादा निवेश नहीं आया है और सरकार भी चीन से कोई बड़ा निवेश लाने के पक्ष लाने के पक्ष नहीं है। उन्होंने कहा, हमारी कोशिश है कि भारत की अर्थव्यवस्था को उन विकसित देशों से जोड़ा जाए, जो निष्पक्ष व्यापार में भरोसा रखते हैं और जहां हमें व्यापार और निवेश का बराबरी का मौका मिले। कार्नेगी इंडिया वर्ल्ड टेक्नोलॉजी समिट को संबोधित करते हुए गोयल ने कहा, हर चीज आपसी भरोसे, पारस्पिक लाभ और बराबरी के आधार पर होगी।गोयल ने

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से लगाए गए टैरिफ से वैश्विक व्यापार व्यवस्था में आए बदलावों का जिक्र किया। उन्होंने कहा, उन्हें इसमें कोई बड़ी परेशान नहीं दिखती, बल्क यह बदलाव दुनिया के लिए फायदेमंद है।
केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा, भारत अपने हितों की रक्षा करेगा। हमारे लिए सबसे पहले भारत है। जो भी हमारे हित में होगा, हम अपनी नीतियों को उसी अनुसार बदलेंगे। इस समय चीन से भारत में शायद ही कोई प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) आ रहा है। पिछले 25 वर्षों में भी यही स्थिति रही है। जब चीन के लिए रास्ते खुले थे, तब भी भारत में ज्यादा निवेश नहीं आया। फिलहाल हम चीन से कोई बड़ा निवेश प्रोत्साहित भी नहीं कर रहे। यही हमारी वर्तमान नीति है। उन्होंने कहा, हमारी कोशिश है कि हम अपनी अर्थव्यवस्था को विकसित देशों के साथ जोड़ें, जो निष्पक्ष व्यापार में विश्वास रखते हैं, ईमानदार व्यापारिक तरीकों को मानते हैं और जहां हमें व्यापार और निवेश करने के लिए समान अवसर मिलते हैं। सब कुछ आपसी भरोसे, आपसी लाभ और लेन-देन की भावना पर आधारित होगा। इसलिए मुझे नहीं लगता कि इससे कोई बड़ा संकट पैदा होगा, सिवाय थोड़े समय की अस्थिरता के। मेरा मानना है कि दुनिया में जो बदलाव आ रहे हैं, वे वास्तव में पूरी दुनिया के लिए अच्छे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 9 अप्रैल को उन देशों पर 90 दिनों के लिए टैरिफ पर अस्थायी लगाई, जो अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता में शामिल हैं। इस दौरान इन देशों पर केवल 10 प्रतिशत शुल्क लगाया जाएगा। लेकिन चीन पर उन्होंने 145 प्रतिशत तक टैरिफ लगा दिया। इसके जवाब में चीन ने भी जवाबी शुल्क लगा दिए।

140 रुपये तक जा सकते हैं विशाल मेगा मार्ट के शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। रिटेल चेन विशाल मेगा मार्ट के शेयर शुक्रवार को तेजी के साथ 104.35 रुपये पर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में बंद हुए हैं। ब्रोकरेज हाउस आईसीआईसीआईसिक्योरिटीज विशाल मेगा मार्ट पर बुलिश है। ब्रोकरेज हाउस ने कंपनी के शेयरों पर बाय रेटिंग बनाए रखी है। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज ने कंपनी के शेयरों के लिए 140 रुपये का टारगेट प्राइस दिया है। यानी, शुक्रवार के क्लोजिंग लेवल से रिटेल कंपनी के शेयरों में 30 पर्सेंट से अधिक का उछाल देखने को मिल सकता है। विशाल मेगा मार्ट के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 126.85 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 96.05 रुपये है।

भारत अमेरिका - रूस के साथ व्यापार संबंध मजबूत कर रहा

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया में उथल-पुथल मची है। इसका कारण अमेरिका और चीन के बीच बढ़ता व्यापार तनाव है। दोनों एक-दूसरे के खिलाफ टैरिफ की दीवार खड़ी कर चुके हैं। उनके बीच अब व्यापार करीब-करीब नामुमकिन जैसा हो गया है। लेकिन, इस रस्साकशी में भारत पार्टी नहीं बनना चाहता है। उसका पूरा फोकस अपनी प्राथमिकताओं पर है। यही कारण है कि वह सभी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के साथ संतुलन बनाकर चल रहा है। एक तरफ जहां वह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मिली 90-दिनों की टैरिफ मोहलत में अमेरिका के साथ बाइलेटरल ट्रेड एग्रीमेंट (बीटीए) को अमलीजामा पहनाने की कोशिश में जुट गया है। वहीं, अपने पूराने दोस्त रूस के साथ भी रिश्तों को जोड़कर रखा है। रूस के साथ भारत की कई प्रोजेक्टों पर बात हो रही है।

भारत और रूस ने आपसी निवेश को बढ़ावा देने के लिए छह नए प्रोजेक्ट पर सहमति जताई है। यह फैसला भारत-रूस वर्किंग ग्रुप ऑन प्रायोरिटी इन्वेस्टमेंट प्रोजेक्ट्स के 8वें सेशन में लिया गया। इस मीटिंग में दोनों देशों ने मिलकर काम करने और आर्थिक रिश्तों को मजबूत करने पर जोर दिया। साथ ही, पुराने प्रोजेक्ट्स की प्रोग्रेस पर भी बात की। इस सेशन के बाद इंडिया-रूस इन्वेस्टमेंट फोरम का दूसरा एडिशन भी हुआ। इसमें कई कंपनियों और अधिकारियों ने हिस्सा लिया। बीते दिनों दिल्ली में यह सेशन हुआ। इसका मकसद भारत और रूस के बीच व्यापार, अर्थव्यवस्था, विज्ञान, तकनीक और संस्कृति जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाना है। सेशन में तय किए गए प्रोजेक्ट्स को लेकर एक एग्रीमेंट पर साइन भी किए गए।

भारत की तरफ से कॉमर्स एंड इंडस्ट्री मिनिस्ट्री के डिपार्टमेंट फॉर प्रमोशन ऑफ इंडस्ट्री एंड इंटरनल ट्रेड के सेक्रेटरी अमरदीप सिंह भाटिया और रूस की ओर से

मिनिस्ट्री फॉर इकोनॉमिक डेवलपमेंट के डिप्टी मिनिस्टर व्लादिमीर इलिचेव ने सेशन की अध्यक्षता की। दोनों ने माना कि इन्वेस्टमेंट और ट्रेड में लगातार सहयोग से दोनों देशों की आर्थिक साझेदारी मजबूत होगी।

बीटीए को अंतिम रूप देने में लगे हैं भारत और अमेरिका

उधर, भारत और अमेरिका एक द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) को अंतिम रूप देने में लगे हैं। दोनों देशों का लक्ष्य है कि इस साल सितंबर-अक्टूबर तक समझौते का पहला चरण पूरा हो जाए। वे द्विपक्षीय व्यापार को 191 अरब डॉलर से बढ़ाकर 2030 तक 500 अरब डॉलर करना चाहते हैं।

डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने भारत पर लगाए 26 फीसदी जवाबी टैरिफ को 90 दिनों के लिए टाल दिया है। दोनों देशों ने बातचीत शुरू करने के लिए नियम और शर्तें तय कर ली हैं। भारत और अमेरिका के बीच 90 दिनों में एक अंतरिम व्यापार समझौता हो सकता है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को कहा कि यह समझौता तभी होगा जब दोनों देशों को इससे फायदा होगा। अमेरिका ने 2 अप्रैल को भारतीय वस्तुओं पर 26 फीसदी अतिरिक्त शुल्क लगाने की घोषणा की थी। लेकिन, 9 अप्रैल को ट्रंप प्रशासन ने इसे 9 जुलाई तक यानी 90 दिनों के लिए रोक दिया। हालांकि, भारत पर 10 फीसदी का मूल शुल्क अभी भी लागू रहेगा। इसका मतलब है कि कुछ शुल्क अभी भी लगेंगे। अधिकारी ने कहा कि समझौते के शुरुआती बिंदुओं को तय करने की बहुत संभावना है। द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के स्वरूप और आकार को अंतिम रूप देने के लिए भी काफी संभावनाएं हैं। इसका मतलब है कि समझौते में कई चीजों पर बात हो सकती है।

अधिकारी ने जोर देकर कहा कि 90 दिनों में सब कुछ संभव है, लेकिन यह तभी होगा जब यह दोनों पक्षों के लिए फायदेमंद हो। उन्होंने कहा, अगर दोनों देशों को फायदा होगा तभी समझौता होगा। भारत और अमेरिका के बीच व्यापार को लेकर बातचीत चल रही है। दोनों देश चाहते हैं कि व्यापार बढ़े और दोनों को फायदा हो। अधिकारी ने यह भी कहा कि भारत अमेरिका से लगातार संपर्क में है। बातचीत वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए होगी और कुछ यात्राएं भी हो सकती हैं।

भारत का पुराना और भरोसेमंद दोस्त है रूस

रूस भारत का पुराना और भरोसेमंद दोस्त है। भारत की विदेश नीति में भारत-रूस के रिश्ते हमेशा से अहम रहे हैं। अक्टूबर 2000 में रूसी राष्ट्रपति पुतिन की भारत यात्रा के दौरान भारत-रूस स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप पर डिक्लेरेशन साइन किया गया था। इसके बाद से दोनों देशों के रिश्ते और भी मजबूत हुए हैं। राजनीति, सुरक्षा, रक्षा, व्यापार, अर्थव्यवस्था, विज्ञान, तकनीक, संस्कृति और लोगों के बीच संपर्क जैसे सभी क्षेत्रों में सहयोग बढ़ा है। दिसंबर 2010 में रूसी राष्ट्रपति की भारत यात्रा के दौरान स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप को स्पेशल एंड प्रिविलेज्ड स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप का दर्जा दिया गया।

आईपीओ मार्केट में एक और कंपनी की होगी एंट्री, बाजार के नए माहौल में बोर्ड ने दी मंजूरी

मुंबई, एजेंसी। अगर आप आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) में निवेश कर कमाई की चाहत रखते हैं तो ये खबर आपके लिए है। दरअसल, एक और कंपनी का आईपीओ लॉन्च होने वाला है। यह आईपीओ होम सर्विसेज स्टार्टअप अर्बन कंपनी का है। कंपनी को आईपीओ के जरिए 528 करोड़ रुपये (लगभग 60 मिलियन डॉलर) की नई पूंजी जुटाने के लिए अपने निदेशक मंडल से मंजूरी मिल गई है। अब कंपनी जल्द ही बाजार नियामक सेबी के साथ अपने ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल करने वाली है।

पहले क्या था प्लान

इस साल के शुरुआती दिनों में एक्सेल समर्थित इस कंपनी ने संभावित 3,000 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए ड्राफ्ट पेपर दाखिल करने की योजना बनाई थी। हालांकि, इसका मौजूदा लक्ष्य आकार 80 प्रतिशत से भी कम है। अब मनीकंट्रोल के सूत्र बताते हैं कि अस्थिर बाजार स्थितियों के कारण आईपीओ का आकार घटा दिया गया है। जानकारी के मुताबिक आईपीओ के प्रबंधन के लिए कोटक महिंद्रा कैपिटल, गोल्डमैन सैक्स और मॉर्गन स्टेनली का चयन किया गया है।

बाजार के माहौल ने बढ़ाई टेंशन- बता दें कि साल 2024 में 13 स्टार्टअप की लिस्टिंग हुई। 2025 में यह संख्या काफी बढ़ने की उम्मीद थी। इस साल 25 से अधिक स्टार्टअप आईपीओ के लिए कतार में थे। हालांकि, अमेरिकी टैरिफ युद्ध के कारण अस्थिर बाजार की स्थिति ने मिजाज बदला है। अब कई कंपनियां लिस्टिंग योजनाओं का पुनर्मूल्यांकन करने के लिए मजबूर हो सकती हैं। अर्बन कंपनी ने 12 राउंड में 376 मिलियन डॉलर तक की फंडिंग जुटाई है। इसका अंतिम मूल्यांकन 2.5 बिलियन डॉलर था।

एक लाख के पार जाएगा सोने का भाव, शेयर मार्केट में भूचाल के बीच खरीदने की होड़

नईदिल्ली, एजेंसी। सोने की कीमतों में तूफानी तेजी देखने को मिली है। एक तरफ दुनियाभर के मार्केट में अनिश्चितता का माहौल है। तो वहीं दूसरी भारतीय शेयर बाजार के क्रैश करने के वजह से निवेशक एक सुरक्षित निवेश खोज रहे हैं। ऐसी स्थिति सोना एक बेहतर विकल्प देता है। मौजूदा समय में 10 ग्राम सोने का भाव एक लाख रुपये से अब ज्यादा दूर नहीं है। ऐसे में सवाल खड़ा हो रहा है कि क्या सोना 1 लाख रुपये के पार पहुंच जाएगा आइए जानते हैं एक्सपर्ट्स की राय -

सोने का भाव 6250 रुपये हुआ महंगा

शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के सर्राफा बाजार में सोने की कीमत 6,250 रुपये उछलकर 96,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गई। एक्सपर्ट्स ने कहा कि अमेरिका-चीन व्यापार तनाव बढ़ने के बीच मजबूत सुरक्षित निवेश विकल्प के तौर पर मांग बढ़ने के कारण इंटरनेशनल मार्केट में सोने की कीमत अबतक के अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गयी। इससे घरेलू कीमतों को बढ़ावा मिला। बुधवार को 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 90,200 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी।

चार दिनों की भारी गिरावट के बाद 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत में 6,250 रुपये की तेजी आई और यह 96,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के सर्वकालिक उच्च स्तर को भी पार कर गया। पिछले दिन यह 89,750 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

हिंदू बिजनेस लाइन की रिपोर्ट के अनुसार कामा ज्वलेरी के एमडी कोलिन शाह कहते हैं कि 2025 में सोने का भाव एक लाख रुपये के स्तर पर पहुंच सकता है। उम्मीद की जा रही है कि इस साल फेडरल रिजर्व की तरफ से ब्याज दरों में कटौती हो सकती है। जिसका असर सोने की कीमतों में देखने को मिल सकता है। मौजूदा दौर में अस्थिरता के माहौल के बीच सोना एक सुरक्षित निवेश है। जिसकी वजह से डिमांड में बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है।

हाजमोला कैंडी है या आयुर्वेदिक दवा जीएसटी डिपार्टमेंट ने खोल दी है फाइल

नई दिल्ली, एजेंसी। एफएमसीजी सेक्टर की जानी मानी कंपनी डाबर जीएसटी अधिकारियों के चक्कर में फंस गई दिखती है। लोगों की पसंदीदा हाजमे की गोली हाजमोला पर टैक्स को लेकर सवाल उठाया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि यह कैंडी है जबकि डाबर कंपनी हाजमोला को आयुर्वेदिक दवा बता रही है। अगर यह कैंडी है, तो इस पर 18 प्रतिशत टैक्स लगेगा। अगर आयुर्वेदिक दवा है, तो 12 प्रतिशत टैक्स लगेगा।

कैसे शुरू हुआ विवाद

दरअसल, जीएसटी इंटेलीजेंस महानिदेशालय का कोयम्बटूर जोन इस बात की जांच कर रहा है कि यह कैंडी या आयुर्वेदिक दवा। डीजीजीआइ इसे कैंडी मान रहा है और इस पर 18 फीसदी के जीएसटी की डिमांड कर रहा है। लेकिन डाबर ने इस ऑफिस को को जवाब दिया है कि हाजमोला एक आयुर्वेदिक दवा है।

पहले भी हो चुका है विवाद- हमारे सहयोगी टाइम्स ऑफ इंडिया में आई एक रिपोर्ट के अनुसार यह मामला पहले भी उठाया गया था। उस सयम देश में जीएसटी लागू भी नहीं हुआ था। उस समय सुप्रीम कोर्ट ने फैसला दिया

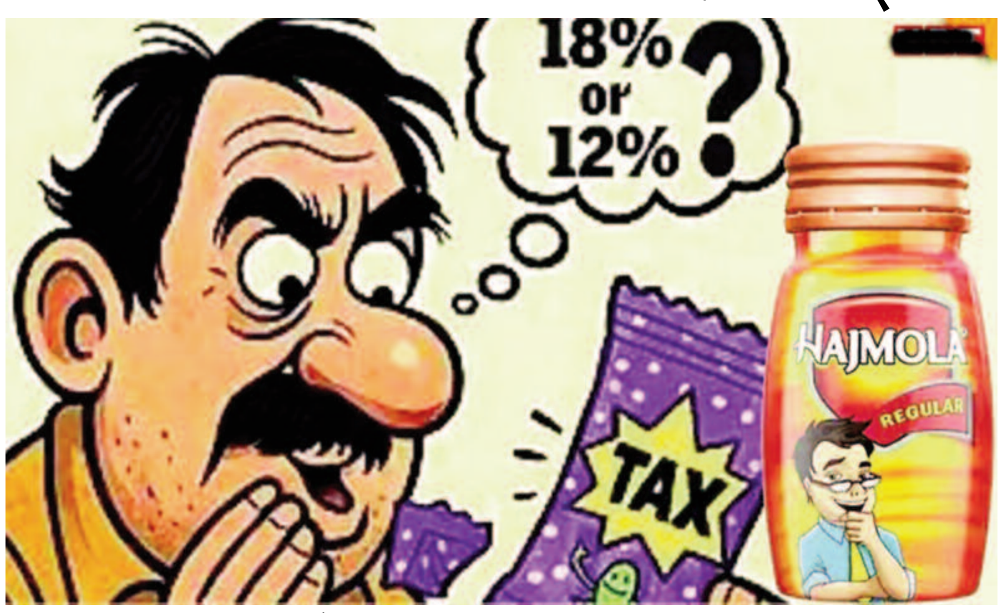

था कि हाजमोला एक आयुर्वेदिक दवा है। हाजमोला हर घर में इस्तेमाल होता है। इसे कैंडी या कंफेक्शनरी आइटम नहीं मानना चाहिए।

डाबर को टैक्स डिमांड भी मिला है- डाबर कंपनी को इनकम टैक्स का एक नोटिस भी मिला है। 1 अप्रैल को डाबर ने बताया कि इनकम टैक्स विभाग ने वित्त वर्ष 2017-18 के लिए 110.33 करोड़ रुपये का टैक्स भरने का आदेश दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, इनकम टैक्स विभाग का कहना है कि डाबर ने अपने रिसर्च और डेवलपमेंट और इनकम टैक्स एक्ट, 1961 के सेक्शन 14 के तहत टैक्स में गलत छूट का दावा किया है। मतलब, डाबर ने टैक्स बचाने के लिए कुछ गलत तरीके अपनाए, ऐसा इनकम टैक्स विभाग का मानना है।

कम हो सकती है कमाई

इस महीने की शुरुआत में डाबर ने कहा था कि शहरी बाजारों में मंदी और महंगाई के कारण मार्च तिमाही में उसकी कमाई कम हो सकती है। कंपनी को अपने मुनाफे में 150-175 बेसिस पॉइंट्स की कमी आने की आशंका है। इसका मतलब है कि डाबर को पहले जितना फायदा होता था, अब उतना नहीं होगा। पीटीआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, डाबर ने यह भी कहा कि वित्त वर्ष 25 की चौथी तिमाही में उसकी कमाई लगभग स्थिर रहने की उम्मीद है। कंपनी ने कहा कि उसकी कमाई में ज्यादा बदलाव नहीं होगा।

डाबर के कई मशहूर ब्रांड- डाबर के कुछ मशहूर ब्रांड हैं, जैसे डाबर च्यवनप्राश, डाबर शिलाजीत कैप्सूल, डाबर सितोपलादि चूर्ण, डाबर हनी, डाबर पुदीन हरा, डाबर लाल तेल, डाबर आंवला तेल, डाबर रेड पेस्ट, फ्रूट जूस रियल और वाटिका शैम्पू। ये सभी प्रोडक्ट्स लोगों के बीच बहुत लोकप्रिय हैं। डाबर इंटरनेशनल में भी अच्छा प्रदर्शन कर रही है। इन बाजारों में डाबर की कमाई में अच्छी बढ़ोतरी हो रही है। डाबर को अपनी कुल कमाई का लगभग एक चौथाई हिस्सा इंटरनेशनल बिजनेस से मिलता है।

मुझे इस बात पर एक प्रतिशत भी शर्म नहीं आती कि मैं अंग्रेजी नहीं बोल सकता: मोहम्मद रिजवान

कराची, एजेंसी। मुल्तान सुल्तान्स के कप्तान मोहम्मद रिजवान ने अपनी इंग्लिश पर आलोचनाओं का जवाब देते हुए कहा कि उनका प्राथमिक कर्तव्य पाकिस्तान के लिए क्रिकेट खेलना है। पाकिस्तान को आईसीसी पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी 2025 और उसके बाद न्यूजीलैंड के व्हाइट-बॉल दौरा बुरे सपने से कम नहीं रहा जिसमें टीम को करारी हार मिली। यह मामला तब शुरू हुआ जब ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर ब्रैड हॉग ने वीडियो शेयर किया जिसमें रिजवान जैसे दिखने वाले एक व्यक्ति से बात की। वह व्यक्ति मजाकिया अंदाज में जवाब देता है, मैं और विराट एक जैसे हैं। वह पानी पीता है, मैं पानी पीता हूं। हम दोनों एक जैसे हैं, कोई अंतर नहीं है। हॉग द्वारा रिजवान की अंग्रेजी कौशल की प्रशंसा करने से पहले वह व्यक्ति यह भी कहता है, जीतना है या सीखना है। इसके बाद जवाब आता है, हां, पाकिस्तान में हर कोई कहता है कि मेरी अंग्रेजी बहुत अच्छी है। कराची किंग्स के खिलाफ मुल्तान सुल्तान्स के क्कसरु10 अभियान के पहले मैच की तैयारी के लिए यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान विकेटकीपर बल्लेबाज से सोशल मीडिया पर उनकी अंग्रेजी कौशल के लिए ट्रोल किए जाने के बारे में उनके रुख के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि मेरा काम अपने देश के लिए क्रिकेट खेलना है। रिजवान ने कहा, मुझे (सोशल मीडिया ट्रोलिंग) परवाह नहीं है। मुझे एक बात पर गर्व है और वह यह कि मैं जो कुछ भी कहता हूं, दिल से कहता हूं। सर्वशक्तिमान अल्लाह की कृपा से, मुझे अंग्रेजी नहीं आती। एकमात्र अफसोस यह है कि मुझे पर्याप्त शिक्षा नहीं मिली, लेकिन मुझे इस बात पर एक प्रतिशत भी शर्म नहीं है कि मैं पाकिस्तान क्रिकेट टीम का कप्तान होने के बावजूद अंग्रेजी नहीं बोल सकता। मुझसे क्रिकेट की मांग की जा रही है, अंग्रेजी की नहीं। मुझे इस बात का अफसोस है कि मैंने अपनी शिक्षा पूरी नहीं की, जिसकी वजह से मुझे अंग्रेजी बोलने में दिक्कत होती है। अगर ऐसा है तो पाकिस्तान मुझसे अंग्रेजी की मांग नहीं कर रहा है, मैं क्रिकेट छोड़कर प्रोफेसर बन जाऊंगा, लेकिन मेरे पास इतना समय नहीं है।

आईपीएल 2025 के बीच कचरा उठाने को मजबूर रिकी पॉन्टिंग

नईदिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पॉन्टिंग आईपीएल 2025 में पंजाब किंग्स की टीम के साथ जुड़े हुए हैं. इस सीजन की शुरुआत से पहले ही पंजाब ने उन्हें अपना हेड कोच बनाया था. रिकी पॉन्टिंग की कोचिंग में इस बार पंजाब की टीम ने दमदार शुरुआत की है. वह शुरुआती 4 मैचों में 3 जीत के साथ पॉइंट्स टेबल में 5वें स्थान पर हैं. इसी बीच रिकी पॉन्टिंग का एक वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है, जिसने हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है. इस वीडियो में रिकी पॉन्टिंग कचरा उठाते हुए नजर आ रहे हैं.रिकी पॉन्टिंग को जो वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, उसे पंजाब किंग्स की टीम ने खूद अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया है. ये वीडियो टीम की प्रैक्टिस के बाद का है. जब प्रैक्टिस के बाद खिलाड़ी वापस चले गए, लेकिन रिकी पॉन्टिंग आखिरी तक मैदान में रुके रहे. वीडियो में पॉन्टिंग टीम प्रैक्टिस के बाद मैदान में खाली बोतल उठाते हुए दिख रहे हैं. वह सभी कचरे को चुनकर उसे कचरे के डिब्बे में रख रहे हैं. पॉन्टिंग के इस वीडियो को देखकर लोग अब उनकी जमकर तारीफ कर रहे हैं. बता दें, रिकी पॉन्टिंग ने जो कचरा चुनकर कचरे के डिब्बे में रखा था, वो पंजाब के खिलाड़ियों ने इस्तेमाल किया था. जिसके बाद खिलाड़ियों ने इसे मैदान में ही छोड़ दिया. ऐसे में फैंस पंजाब किंग्स के खिलाड़ियों की जमकर आलोचना भी कर रहे हैं और रिकी पॉन्टिंग से सीखने की सलाह दे रहे हैं.

धोनी ने बताया सीएसके की हार का कारण

नई दिल्ली, एजेंसी। चेन्नई सुपर किंग्स ने एमएस धोनी की कप्तानी में इस सीजन का पहला मुकाबला केकेआर के खिलाफ खेला, लेकिन उनकी कप्तानी का मैजिक इस मैच में नहीं चला। केकेआर ने बड़ी ही आसानी के साथ चेन्नई को उनके घरेलू मैदान पर 8 विकेट से हरा दिया। केकेआर ने इस मैच में काफी अच्छी गेंदबाजी की और इसकी वजह से सीएसके के बल्लेबाज पूरी तरह से पस्त हो गए। अपनी टीम को जीत का स्वाद नहीं चखा पाने वाले धोनी ने मैच के बाद बताया कि किस वजह से उनकी टीम को हार मिली।

दवाब में आ गई टीम

केकेआर के खिलाफ मैच गंवाने के बाद धोनी ने कहा कि इस मैच में हम अपने हिसाब से नहीं खेल पाए। चुनौती तो मैच में हमेशा रहती है और हमें इसे स्वीकार करनी होगी। हमने केकेआर के खिलाफ पर्याप्त स्कोर नहीं बनाए। जब आप बहुत ज्यादा विकेट खो देते हैं तो दबाव में होते हैं। हमारी टीम की तरफ से कोई बड़ी साझेदारी नहीं हो पाई। हमने पावरप्ले में सिर्फ 31 रन बनाए और अहम विकेट गंवा दिए।

अपनी ताकत पर करना होगा भरोसा

धोनी ने आगे कहा कि हमें अपनी ताकत पर भरोसा करना होगा और ऐसे शॉट्स खेलने होंगे जो हम खेल सकते हैं। हमारी टीम के ओपनर्स शानदार हैं और वो ज्यादा जोर नहीं लगाते साथ ही गेंद को लाइन के पार ज्यादा मारने की कोशिश नहीं करते। इस बैटिंग लाइनअप के साथ इतना कम स्कोर बनाना काफी निराशाजनक है। हमें बड़ी साझेदारी करने की जरूरत है और इसका फायदा बीच के और बाद के ओवर्स में उठाने की जरूरत है। अगर हम शुरुआती विकेट खो देते हैं तो मध्यक्रम को अपना काम अलग तरीके से करने की जरूरत है। ऐसी काफी चीजें हैं जिस पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

कुछ खिलाड़ी आईपीएल के लायक नहीं...

सीएसके की हार के बाद डेल स्टेन ने धोनी पर साधा निशाना?

नई दिल्ली, एजेंसी। 5 बार की चैंपियन टीम चेन्नई सुपर किंग्स का आईपीएल 2025 में अब तक का प्रदर्शन बेहद साधारण रहा है. वो लगातार 4 मुकाबले हार चुकी है. महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में 11 अप्रैल को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ उसे शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा. इसके बाद से डेल स्टेन का एक पोस्ट वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने कहा कि कुछ खिलाड़ी आईपीएल के लायक नहीं हैं. उन्हें इस लीग में नहीं होना चाहिए. ऐसा दावा किया जा रहा है कि स्टेन ने इसके जरिए चेन्नई सुपर किंग्स के कुछ प्लेयर्स समेत धोनी को निशाना बनाया है. लेकिन इसकी सच्चाई क्या है? चलिए हम आपको बताते हैं.

दरअसल, डेल स्टेन का वायरल पोस्ट 11 अप्रैल का है. उन्होंने चेन्नई और कोलकाता के मुकाबले से पहले ही ये बातें कही थीं. इसके अलावा उन्होंने अपने पोस्ट में किसी भी टीम या खिलाड़ी का नाम नहीं लिखा है. हालांकि, कोलकाता से हारने के बाद फैंस इसे चेन्नई सुपर किंग्स और धोनी से जोड़कर देख रहे हैं. क्योंकि सीएसके के बल्लेबाज और गेंदबाज इस सीजन पूरी तरह फ्लॉप रहे हैं. एक तरफ जहां दूसरी टीमों ने पावरप्ले में तूफानी बैटिंग की है. वहीं चेन्नई ने धीमी शुरुआत की है और वो बड़े स्कोर बनाने में नाकाम रहे.

एरिगैसी को फिर मिली हार, फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम में नेपोमनियाचची से हारे

पेरिस, एजेंसी। दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी अर्जुन एरिगैसी को यहां चल रहे फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम में पांचवें से नौंवे स्थान के टाईब्रेक के शुरुआती गेम में इयान नेपोमनियाचची ने हरा दिया। जर्मनी के युवा ग्रैंडमास्टर विन्सेंट कीमर ने पहले दौर के टाईब्रेकर में नेपोमनियाचची को हराकर सराहनीय प्रदर्शन किया। इस साल की शुरुआत में जर्मनी में आयोजित पहले ग्रैंड स्लैम के विजेता कीमर ने अमेरिकी स्टार हिकारू नाकामुरा को काले मोहरों से ड्रॉ पर रोककर प्रभावित करना जारी रखा। भारत की उम्मीदें क्वार्टर फाइनल में खत्म हो गईं थीं, लेकिन अर्जुन ने नेपोमनियाचची के खिलाफ कुछ अच्छी चाल चलीं। लेकिन रूस का खिलाड़ी काफी संयमित होकर खेला। मैग्नस कार्लसन को अमेरिकी फैबियानो कारुआना ने ड्रॉ पर रोका जबकि नाकामुरा ने कीमर के साथ अंक बांटे।

भारत ने जीता लगातार तीसरा मैच

पुणे, एजेंसी। इस जीत से भारत अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गया। वैदेही ने फेंग एन लिन को हराकर दो मैचों में अपनी दूसरी जीत दर्ज की।युवा श्रीवल्ली भामिदीपती और वैदेही चौधरी के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ने चीनी ताइपे को 2-1 से हराकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की और शुक्रवार को यहां बिली जीन किंग कप एशिया-ओशनिया ग्रुप एक में प्ले-ऑफ स्थान की ओर एक बड़ा कदम बढ़ाया। इस जीत से भारत अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गया। वैदेही ने फेंग एन लिन को हराकर दो मैचों में अपनी दूसरी जीत दर्ज की। वैदेही ने दो घंटे नौ मिनट में 6-2, 5-7, 6-4 से जीत दर्ज कर मेजबान टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। दूसरे मैच में श्रीवल्ली ने टूर्नामेंट में अपना बेहतरीन रिकॉर्ड कायम रखा और दुनिया की 207वीं रैंकिंग वाली जोआना गारलैंड के खिलाफ कड़े मुकाबले में लगातार चौथी जीत दर्ज की। 304वीं रैंकिंग वाली श्रीवल्ली ने दो घंटे 38 मिनट में 6-2, 7-6 (7-3) के स्कोर के साथ मुकाबला अपने नाम कर मेजबान टीम के लिए बराबरी सुनिश्चित कर दी। दिन के अंतिम मैच में चीनी ताइपे की युगल जोड़ी यी त्सेन चो और फैंग-हसीन वू ने सुपर टाई-ब्रेक में एक घंटे 31 मिनट में अंकिता रैना और प्रार्थना थोम्बरे की भारतीय जोड़ी को 2-6, 6-4, 6-10 से हराया। भारत शनिवार को कोरिया गणराज्य के खिलाफ जीत के साथ अपने क्वालीफिकेशन स्थान को पक्का करना चाहेगा।

गुजरात टाइटंस के ग्लेन फिलिप्स चोट के कारण सीजन से बाहर हुए

नई दिल्ली, एजेंसी। गुजरात टाइटंस के ऑलराउंडर ग्लेन फिलिप्स आईपीएल 2025 का बाकी सत्र नहीं खेल पाएंगे, क्योंकि उन्हें ग्रोइन इंजरी हो गई है। चोट लगने के बाद वे अपने देश लौट गए हैं। यह चोट उन्हें 6 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच के दौरान लगी, जो राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला गया था। उस मैच में गुजरात टाइटंस ने सात विकेट से जीत दर्ज की थी।मैच में फिलिप्स बतौर फील्डिंग सब्स्टिट्यूट पॉवरप्ले के आखिरी ओवर में मैदान पर आए थे। एक थ्रो फेंकते समय उनकी ग्रोइन मसल्स में खिंचाव आ गया। फिजियो की देखरेख में उन्हें तुरंत मैदान से बाहर ले जाया गया।

गुजरात टाइटंस ने एक बयान जारी कर कहा, हम ग्लेन की जल्दी ठीक होने की कामना करते हैं। फिलिप्स को पिछले साल की बड़ी नीलामी में 2 करोड़ रुपये के बेस प्राइस पर खरीदा गया था। लेकिन उन्हें इस सीजन एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला था और चोट के कारण अब वे टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं।फिलहाल यह तय नहीं है कि गुजरात टाइटंस उनकी जगह किस खिलाड़ी को टीम में शामिल करेगा। पहले से ही टीम के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा भी निजी कारणों से दक्षिण अफ्रीका लौट चुके हैं। गुजरात टाइटंस के विदेशी खिलाड़ियों में फिलहाल इंग्लैंड के विकेटकीपर-बल्लेबाज जोस बटलर, वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर शेरफेन रदरफोर्ड, दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज जेराल्ड कोएत्ज़ी और अफगानिस्तान के गेंदबाज ऑलराउंडर राशिद खान व करीम जनत शामिल हैं।

शुभमन गिल की कप्तानी में गुजरात टाइटंस ने अब तक खेले गए 5 मैचों में से 4 में जीत हासिल की है और वे अंक तालिका में पहले स्थान पर हैं। उनका अगला मैच लखनऊ सुपर जायंट्स से लखनऊ के इकाना स्टेडियम में शनिवार को दोपहर में है। इसके बाद 19 अप्रैल को वे अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स की मेजबानी करेंगे।

स्विंग के जादूगर जेम्स एंडरसन को मिलेगा इंग्लैंड का सबसे बड़ा सम्मान

नई दिल्ली, एजेंसी। स्विंग के जादूगर जेम्स एंडरसन को इंग्लैंड देश का सबसे बड़ा सम्मान दिया जाएगा. उन्हें क्रिकेट में सराहनीय योगदान के लिए नाईटहुड सम्मान दिया जाएगा. एंडरसन इंग्लैंड के लिए सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं, वह वर्ल्ड क्रिकेट में सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज भी हैं. उन्होंने 188 मैचों में 704 विकेट लिए हैं. ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने अपना पद छोड़ते समय कुछ पुरुस्कारों के नाम का एलान किया था. इस समय नाईटहुड सम्मान के लिए तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन का नाम शामिल था. एंडरसन ने कुछ समय पहले ही अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा है.

इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान एलिस्टियर कुक और एंड्रयू स्ट्रॉस को भी ये सम्मान मिल चुका है. जेम्स एंडरसन इंग्लैंड के 13वें क्रिकेटर हैं जिन्हे नाईटहुड सम्मान से सम्मानित किया गया है. उनसे पहले इयान बॉथम (2007), बॉयकॉट (2019), कुक (2019) और स्ट्रॉस (2019) को नाईटहुड सम्मान मिल चुका है.

जेम्स एंडरसन क्रिकेट करियर

42 वर्षीय जेम्स एंडरसन ने इंग्लैंड क्रिकेट टीम के लिए 188 टेस्ट, 194 वनडे और 19 अंतर्राष्ट्रीय टी20 मैच खेले हैं. इसमें उन्होंने क्रमश 704, 269 और 18 विकेट चटकाए हैं. उन्होंने ना सिर्फ गेंद बल्कि कई मैचों में बल्ले से भी महत्वपूर्ण योगदान दिया. उन्होंने तीनों फॉर्मेट में 1627 रन बनाए हैं. एंडरसन ने टेस्ट क्रिकेट में 32 बार फाइव विकेट हॉल और 3 बार 10 विकेट हॉल किया है. उन्होंने वनडे में भी 2 बार फाइव विकेट हॉल किया है. एंडरसन (704) टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले तीसरे गेंदबाज हैं. इस लिस्ट में पहले नंबर पर श्रीलंका के मुथैया मुरलीधरन (800) हैं. दूसरे नंबर पर दिवंगत शेन वार्न (708) हैं.दिग्गज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने भारत में चल रही इंडियन प्रीमियर लीग के 18वें संस्करण के लिए ऑक्शन में अपना नाम रजिस्टर कराया था. हालांकि खरीदने में किसी टीम ने रूचि नहीं दिखाई थी. एंडरसन ने आईपीएल ऑक्शन में अपना बेस प्राइस 1.25 करोड़ रूपये रखा था.

अपनी जिंदगी के इन पलों को दोबारा जीना चाहते हैं राजकुमार राव

अभिनेता राजकुमार राव की आने वाली कॉमेडी ड्रामा फिल्म 'भूल चूक माफ' का ट्रेलर आज रिलीज हो गया है। फिल्म टाइम लूप की कहानी पर आधारित है। जिसमें राजकुमार राव की शादी होनी है। फिल्म के ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान राजकुमार राव ने बताया कि वो अपने जीवन के किन पलों को दोबारा जीना चाहेंगे। इसमें उन्होंने अपनी पहली फिल्म से लेकर 'स्त्री 2' तक के समय का जिक्र किया।

इन पलों को दोबारा जीना चाहेंगे राजकुमार

ट्रेलर लॉन्च इवेंट में बात करते हुए राजकुमार राव ने बताया कि वो अपने जीवन के इन पलों को दोबारा जीना चाहेंगे। अभिनेता ने कहा, किसी भी बाहर से आने वाले एक्टर के लिए पहली फिल्म मिलना काफी बड़ी बात होती है। मेरे साथ 2010 में ऐसा हुआ था। मैं उस पल को बार-बार जीना चाहूंगा। मैं उस पल को दोबारा जीना चाहूंगा जब मेरी मां मेरे साथ थीं। जब मैंने पहला राष्ट्रीय पुरस्कार जीता था। फिर जब स्त्री 2 रिलीज हुई और पहले दिन बॉक्स ऑफिस के जो आंकड़े आए मैं चौंक गया था। हम सोच में पड़ गए कि क्या हो गया। शादी के दिन को बार-बार जीने की इच्छा अभिनेता ने आगे कहा, मैं उस दिन को भी बार-बार जीना चाहूंगा जब 2021 में मैंने पत्रलेखा से शादी की थी। मेरी शादी के तीनों दिन बहुत खूबसूरत थे और मैं इसे बार-बार जीना चाहूँगा। फेरे बहुत खूबसूरत थे। इसके अलावा पहली बार जब मैंने पत्रलेखा को गलियारे में चलते देखा, तो मैं उसे फिर से जीना चाहूंगा।

9 मई को रिलीज होगी 'भूल चूक माफ'

राजकुमार राव और वामिका गब्बी स्टारर 'भूल चूक माफ' 9 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म का निर्देशन करण शर्मा ने किया है। जबकि फिल्म का निर्माण दिनेश विजन के मेडॉक फिल्म्स ने किया है। मेडॉक और दिनेश विजन के साथ राजकुमार राव की ये आठवीं फिल्म है। इसको लेकर राजकुमार राव काफी उत्साहित हैं।

सीरीज द रॉयल्स को लेकर उत्साहित हैं भूमि पेडनेकर

बॉलीवुड अभिनेत्री भूमि पेडनेकर इन दिनों अपनी आगामी वेब सीरीज द रॉयल्स को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। इस सीरीज में अपने रोल से लेकर सीरीज के बारे में भूमि ने कई बातों से पर्दा उठाया है। द रॉयल्स में भूमि एक ग्लैमरस और ताकतवर उद्यमी का किरदार निभा रही हैं। यह उनकी पहले की फिल्मों से बिल्कुल अलग है। भूमि की सीरीज का टीजर हाल ही में रिलीज किया गया, जिसे देखने के बाद फैंस की उम्मीदें इस सीरीज से और अधिक बढ़ गई हैं। हिंदी सिनेमा में 10 साल पूरे करने के बाद भूमि अब ओटीटी पर कदम रख रही हैं। द रॉयल्स में भूमि के अलावा ईशान खट्टर भी नजर आएंगे। इस सीरीज में उनका किरदार नया और बिल्कुल अलग है। एक खबर के मुताबिक भूमि ने कहा, वह इस सीरीज को लेकर उत्साहित हैं, लेकिन अपनी उम्मीदें कम रखती हैं। उन्हें अब तक दर्शकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली है और लोग उन्हें ईशान के साथ देखने के लिए उत्सुक हैं। भूमि और ईशान की जोड़ी को फैंस पसंद कर रहे हैं। भूमि का कहना है कि दर्शकों का प्यार देखकर खुशी होती है। अपने 10 साल के करियर पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि दम लगा के हईशा से लेकर द रॉयल्स तक का सफर उनके लिए खास रहा है। भूमि ने आगे कहा कि वह अपने किरदारों के लिए बदलाव करने को तैयार रहती हैं। द रॉयल्स के साथ भूमि ओटीटी पर कदम जमाने वाली हैं। यह सीरीज नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

'अकाल' में करण जौहर के साथ काम कर उत्साहित हूं

निर्देशक-अभिनेता और गायक गिप्पी ग्रेवाल की पीरियड ड्रामा 'अकाल - द अनकॉन्क्वेर्ड' गुरुवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। उन्होंने बातचीत के दौरान बताया कि करण जौहर बेहतरीन फिल्म निर्माता और इंसान हैं। अकाल के लिए उनके साथ हाथ मिलाकर एहसास हुआ कि उनकी फिल्म भाषा की सीमाओं को पार कर देशभर के दर्शकों को देखने को मिलनी चाहिए। गिप्पी ने कहा, हमें लगा कि हमारी फिल्म सीमाओं से बाहर निकलनी चाहिए। इसे पंजाबी दर्शकों के साथ ही देश भर के दर्शक देख सकें। इसलिए, हमने फिल्म को हिंदी में रिलीज किए जाने का फैसला लिया। पंजाब में हम तमिल और तेलुगू फिल्में हिंदी में देखते हैं। तो, हमारी फिल्मों को भी लोग देख सकें। उन्होंने आगे बताया, करण जौहर बेहतर निर्माता हैं। हमने पहली मीटिंग में ही सब कुछ तय कर लिया था। इसलिए, करण के साथ अगली मीटिंग में काम और भी तेजी से हुआ। गिप्पी ने कहा कि करण जौहर के बैनर धर्मा प्रोडक्शंस के माध्यम से फिल्म हिंदी में प्रस्तुत की जा रही है, जो इसकी विशेषता को बढ़ाने वाली है। करण के साथ काम करके काफी उत्साहित हूं। सभी को लगता है कि फिल्म को लेकर हमारी पहुंच बढ़ गई है। फिल्म को लोग हिंदी में भी देख सकेंगे। बाकी, तो सबकुछ फिल्म की कहानी और कलाकारों पर ही निर्भर करता है। अकाल - द अनकॉन्क्वेर्ड फिल्म 1840 दशक के पंजाब पर आधारित है।

रश्मिका मंदाना ने सोशल मीडिया पर शेयर की थामा की शूटिंग अपडेट

पुष्पा फेम अभिनेत्री रश्मिका मंदाना इन दिनों अपनी आगामी हॉरर फिल्म थामा की शूटिंग में व्यस्त हैं। थामा एक हॉरर कॉमेडी फिल्म है, जिसमें उनके साथ आयुष्मान खुराना नजर आएंगे। आज थामा की अभिनेत्री रश्मिका ने सोशल मीडिया पर फिल्म की शूटिंग को लेकर एक अहम जानकारी शेयर की है और साथ ही अपने फैंस से एक खास सवाल का जवाब भी मांगा है। रश्मिका मंदाना ने हाल ही में अपना 29वां जन्मदिन मनाया। वहीं वह इस दौरान अपनी आगामी हॉरर फिल्म थामा की शूटिंग में व्यस्त रहीं। इसी फिल्म को लेकर रश्मिका ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है और साथ ही अपने प्रशंसकों से फिल्म को लेकर एक खास सवाल भी पूछा है, जिसे देखने के बाद रश्मिका के फैंस की उत्सुकता फिल्म को लेकर और अधिक बढ़ गई है।

रश्मिका ने इंस्टाग्राम पर थामा के लोकेशन की एक तस्वीर शेयर की और साथ ही नोट भी लिखा। रश्मिका ने घने पेड़ों के बीच डूबते हुए सूरज की एक तस्वीर शेयर की है और साथ ही लिखा, कुछ दिनों के लिए रात में शूटिंग। आपको इस पोस्ट में सिर्फ चांद या फिर कैमरे की लाइट और सितारे ही दिखाई देंगे। इस नोट के साथ रश्मिका ने अपने फैंस से एक सवाल भी पूछा। क्या आप बता सकते हैं कि यह कौन सा शहर है, जो दिखाई नहीं दे रहा। क्या आप सहमत हैं?

हॉरर फिल्म थामा इस दिवाली सिनेमाघरों में रिलीज हो जाएगी। आदित्य सरपोतदार द्वारा निर्देशित इस फिल्म में रश्मिका मंदाना के अलावा आयुष्मान खुराना भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्माण मैडॉक फिल्म्स और जियो स्टूडियोज मिलकर कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, रश्मिका मंदाना फिल्म थामा के अलावा कुबेर नाम की फिल्म में नजर आएंगी। इस फिल्म में रश्मिका के साथ साउथ अभिनेता धनुष नजर आएंगे। कुबेर इस साल 20 जून को रिलीज होगी। यह फिल्म शेखर कम्मुला द्वारा निर्देशित एक ड्रामा तमिल फिल्म है।

विजय सेतुपति की फिल्म में अहम किरदार में नजर आएंगी तब्बू

साउथ फिल्मों में बॉलीवुड अभिनेत्रियों के काम करने का चलन काफी पुराना है, जिसमें कियारा आडवाणी से लेकर कई अभिनेत्रियों के नाम शामिल हैं। हाल ही में फिल्म देवरा पार्ट 1 जान्हवी कपूर ने लीड रोल निभाया था। वहीं अब एक और अभिनेत्री हैं, जो विजय की फिल्म में नजर आएंगी। हालांकि, वह पहले भी कई साउथ फिल्मों में अपना हुनर दिखा चुकी हैं।

एक खबर के मुताबिक, विजय सेतुपति और पुरी जगन्नाथ की आगामी फिल्म की घोषणा कुछ दिन पहले हुई थी। अब फिल्म को लेकर अपडेट आया है कि इस फिल्म में बॉलीवुड अभिनेत्री तब्बू अहम किरदार में नजर आएंगी। बहरहाल, इस फिल्म को लेकर तब्बू से बातचीत चल रही हैं।

इंस्टाग्राम पर शेयर किया था फिल्म को लेकर विजय ने पोस्ट

विजय सेतुपति ने आज से छह दिन पहले उगादि के अवसर पर अपनी नई फिल्म की घोषणा एक तस्वीर शेयर करके की थी, जिसमें विजय के साथ पुरी नजर आए। विजय ने कैप्शन में लिखा, एक सनसनीखेज सहयोग के साथ एक नए रोमांचक अध्याय की शुरुआत। शानदार निर्देशक पुरीजगन्नाध और दमदार कलाकार मक्कलसेल्वन ने सभी भारतीय भाषाओं में एक शानदार फिल्म के लिए हाथ मिलाया है। फिल्म की शूटिंग जून में शुरू होगी।

पहले भी कई साउथ फिल्मों में नजर आ चुकी हैं तब्बू

तब्बू ने कई साउथ फिल्मों में काम किया है, जिनमें कुली नंबर 1 तेलुगु फिल्म है, जिसमें तब्बू ने वेंकटेश के साथ काम किया था। निन्ने पेल्लादथा और आविदा मां आविदे तेलुगु फिल्में हैं, जिनमें तब्बू ने नागार्जुन के साथ काम किया है। प्रियुरलु पिलीचिंडी भी एक तमिल फिल्म है, जिसमें तब्बू ने काम किया है। अला वैकुंठपुरमुलु भी एक तेलुगु फिल्म है, जिसमें तब्बू ने अल्लू अर्जुन के साथ काम किया है। हाल ही में तब्बू बॉलीवुड फिल्म क्रू और हॉलीवुड सीरीज ड्यून- प्रोफेसी में नजर आईं। इसके अलावा वह अक्षय कुमार की आगामी फिल्म भूत बंगला में नजर आएंगी।

सोचता हूं कि अपने ही देश में डरकर क्यों जी रहा हूं, यहां ऐसे जीना खलता है

वेब सीरीज स्कैम 1994 में हर्षद मेहता के रूप में अपने अभिनय की चमक बिखेरने वाले ऐक्टर प्रतीक गांधी अब दो और महान हस्तियों को पर्दे पर जीने जा रहे हैं। इनमें एक तो हंसल मेहता की वेब सीरीज गांधी है, जिसमें वह महात्मा गांधी के रूप में दिखेंगे। वहीं, फिल्म फुले में वह महान समाज सुधारक ज्योतिबा फुले की भूमिका में हैं।

हैरत की बात है कि ज्योतिबा फुले जैसे महान समाज सुधारक पर पॉपुलर सिनेमा में इतने वक्त बाद फिल्म बन रही है? उनका किरदार निभाते हुए आपने उनके व्यक्तित्व से सीखा?

यह बहुत वाजिब सवाल है कि अब तक फिल्म क्यों नहीं बनी। वैसे, हैरानी तो इस बात पर भी होनी चाहिए की उन्होंने अपने जीवन का जो सबसे पहला स्कूल खोला था, वह इतनी जर्जर हालत में है कि देखकर लगेगा कि वह कभी भी टूट सकता है। किसी को यह विचार नहीं आया कि इस धरोहर को संभालकर रखना चाहिए। बहरहाल, मैंने तो बहुत सारी चीजें सीखीं। सबसे बड़ी बात जो मुझे लगी है वो यह कि आप सेल्फलेस होकर कैसे जी सकते हैं। उन्होंने अपने बारे में कभी नहीं सोचा। दूसरे, जो बात सच लगे उसके साथ बिना डरे खड़ा होना। मतलब, किसी चीज को पूरा समाज सही मानता है, मगर वो आपको गलत लगती है तो उसे गलत कहने की हिम्मत रखना। आज के समय में इसकी बहुत जरूरत है। अभी अहिंसा में कोई यकीन नहीं रखता। अभी तो कोई चीज बुरी लगी मतलब खत्म। मुझे यह सब देखकर बहुत दुख होता है। पता नहीं ये कैसे बदलेगा, मगर उम्मीद है कि एक दिन आएगा, जब सब अच्छा होगा।

फुले के अलावा, वेब सीरीज गांधी में आप महात्मा गांधी की भूमिका भी निभा रहे हैं। जबकि, गांधी पर इतनी नामी फिल्में बन चुकी हैं। आप लोग क्या नया दिखा रहे हैं? स्कैम 1994 के बाद हंसल मेहता संग दोबारा जुड़ने का अनुभव कैसा रहा?

यह सही है कि महात्मा गांधी पर कई फिल्में बहुत बनी हैं, मगर सीरीज पहली बार बनेगी। मेरे हिसाब से गांधी जी का जीवन सफर लॉन्ग फॉर्मेट में ही सबसे अच्छे से दर्शाया जा सकता है। इतनी बड़ा जीवन, इतना सारा काम है उनका। हमारा प्रयास गांधी जी के पूरे जीवन को शुरुआत से अंत तक दिखाने का है। हमने अभी पहला सीजन ही खत्म किया है, दो और सीजन अभी शुरू भी नहीं हुए हैं। रही बात हंसल सर के साथ काम करने की, तो वह बहुत मजेदार अनुभव रहा। हम बिना कुछ बोले भी एक दूसरे को समझ लेते हैं। उनके साथ मैं खुद को अच्छे से एक्सप्लोर कर पाता हूं, चैलेंज कर पाता हूं। उनकी स्टोरी टेलिंग मुझे वैसे ही बहुत पसंद है, जो बहुत नेचुरल है। यह मेरे जीवन का अब तक का सबसे बड़ा और सबसे मजेदार एक्सपीरियंस था।

ज्योतिबा फुले के साथ उनकी पत्नी सावित्री बाई फुले हमेशा कंधे से कंधा मिलाकर चलीं। इस मामले में आपकी पत्नी भामिनी का आपके जीवन में कितना योगदान रहा?

बहुत बड़ा योगदान है। इतने सालों से मैं जो इतनी अलग-अलग चीजें कर पाया, वह उसके योगदान और सहारे के बिना नहीं हो सकता था। कई बार इतनी सारी चीजें एक साथ करने में आप सिर्फ भाग ही रहे हैं। हम बहुत कुछ अचीव करना चाहते है, उसमें कहीं न कहीं घर पीछे छूट जाता है। हम उतना समय नहीं दे पाते हैं। ऐसे समय में अपने जीवन साथी से आपको सिर्फ यही अपेक्षा रहती है कि वे आपको समझे और साथ दे। यह बहुत स्वार्थी सोच भी हो सकती है, मगर भामिनी ने उस वक्त में हंसते हुए मेरा साथ दिया और इतना इतना धैर्य रखा, जो बहुत बड़ी बात है। वरना हम यहां तक नहीं पहुंच पाते।

महात्मा ज्योतिबा फुले जैसे महान समाज सुधारक को पर्दे पर जीना कितनी बड़ी जिम्मेदारी थी? उनके किरदार में ढलने के लिए क्या तैयारी रही?

हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी यह थी कि हमें इतिहास को बिना बदले एकदम ईमानदार तरीके से उनकी बात आप तक पहुंचानी थी, क्योंकि वह सिर्फ एक व्यक्तिव्य नहीं हैं। उन्हें समाज का एक पूरा वर्ग भगवान मानता है और सही कारणों से मानता है। हमारी कोशिश यह रही कि हम ना उन्हें किसी तरह से जज कर रहे हैं, न उन्हें अपने रंग में ढाल रहे हैं। हम सिर्फ उनकी बात आप तक पहुंचा रहे हैं। वहीं, बतौर ऐक्टर मेरी तैयारी का सबसे बड़ा पार्ट यह था कि मुझे उनके बारे में वे चीजें भी जाननी, समझनी थी, जो स्क्रिप्ट में नहीं लिखी थीं। मुझे उनके व्यक्तित्व को समझना था ताकि बिना कुछ बोले भी अगर स्क्रीन पर खड़ा हूं तो लोगों को लगे कि वे ज्योतिबा फुले को देख रहे हैं और यह सिर्फ बाहरी दिखावे, फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन से या कपड़ों से नहीं संभव था। उस पर चुनौती ये थी कि उनको जानने-समझने के लिए हमारे पास न कोई विडियो थे, न उनके कोई ऑडियो थे। तस्वीरें भी जो हैं, वे सिर्फ पेंटिंग है। हमारे पास किताबों में लिखा मटीरिल ही था, जिससे राइटर-डायरेक्टर अनंत महादेवन ने पूरी स्क्रिप्ट तैयार की।